- तमिलनाडु के मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज करने का आदेश - 7

- एआई से 0.8 प्रतिशत बढ़ेगी वैश्विक वृद्धि मगर नौकरियों के लिए भारी जोखिम भी- 10

- असम में बोले अमित शाह देश से सभी घुसपैठियों को बाहर करेंगे - 11

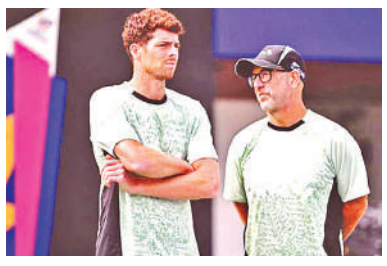

- न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों का लक्ष्य पाकिस्तानी स्पिनरों को काबू करना- 12

आज का मौसम

27.0° अधिकतम तापमान

14.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.45

सूर्यास्त 06.07

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष चतुर्थी 01:01 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 21 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 88, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का ट्रंप को बड़ा झटका...टैरिफ रद्द

6-3 के बहुमत से सुनाया फैसला
कहा- टैरिफ का अधिकार कांग्रेस को

कोर्ट के फैसले के एक घंटे बाद ही ट्रंप का दुनिया पर थोपा 10% नया शुल्क

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले-भारत के साथ ट्रेड डील में कोई बदलाव नहीं

कहा- पहले से तय समझौते पर बात बढ़ेगी, पीएम मोदी मेरे अच्छे दोस्त

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों के थोपे गए टैरिफ के आदेशों को शुक्रवार को रद्द कर दिया। न्यायालय ने 6-3 के बहुमत से इस फैसले को सुनाया। कोर्ट के इस फैसले से ट्रंप के आर्थिक एजेंडे को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट के फैसले का केंद्र बिंदु आपातकालीन शक्तियों के कानून के तहत लगाए गए शुल्क हैं, जिनमें लगभग हर दूसरे देश पर लगाए गए व्यापक पारस्परिक शुल्क भी शामिल हैं।

वहीं, कोर्ट से झटका लगने के बाद ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कड़े तेवर दिखाते हुए सभी देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त ग्लोबल टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के साथ ट्रेड डील में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। पहले से ही तय समझौते पर बात बढ़ेगी, क्योंकि पीएम मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं। वे काफी स्मार्ट हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पत्रकारवार्ता करते राष्ट्रपति ट्रंप।

इससे पूर्व न्यायालय ने पाया कि संविधान बहुत स्पष्ट रूप से कांग्रेस को कर लगाने की शक्ति देता है, जिसमें शुल्क भी शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने फैसले में लिखा, संविधान निर्माताओं ने कराधान की शक्ति का कोई भी हिस्सा कार्यपालिका शाखा को नहीं सौंपा। न्यायमूर्ति सैमुअल एलिटो, न्यायमूर्ति क्लेरेंस थॉमस और न्यायमूर्ति ब्रेट कावानाघ ने असहमति व्यक्त की। न्यायमूर्ति कावानाघ ने लिखा, यहां जिन शुल्कों पर चर्चा हो रही है, वे नीति के लिहाज से उचित हो सकते हैं या नहीं हो सकते हैं। लेकिन लिखित प्रमाण, इतिहास और पूर्व उदाहरणों के आधार पर, ये स्पष्ट रूप से वैध हैं। शुल्क संबंधी निर्णय से ट्रंप को अन्य कानूनों के तहत शुल्क लगाने से नहीं रोका जा सकता। हालांकि इन प्रावधानों से ट्रंप की कार्रवाइयों पर अधिक सीमाएं लग जाती हैं, फिर भी प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों ने कहा है कि वे अन्य अधिकारों के तहत शुल्क ढांचे को यथावत रखने की उम्मीद करते हैं। राष्ट्रपति इस मामले में मुखर रहे हैं और इसे अमेरिकी इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण मामलों में से एक बताया है। उनका कहना है कि उनके खिलाफ फैसला आना देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका होगा।

ट्रंप ने 2025 में ज्यादातर देशों पर लगाए थे पारस्परिक शुल्क : ट्रंप ने अप्रैल 2025 में ज्यादातर देशों पर पारस्परिक शुल्क लगाए, ताकि व्यापार घाटे को दूर किया जा सके, जिसे उन्होंने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया था। ये कदम तब उठाए गए जब उन्होंने कनाडा, चीन और मैक्सिको पर शुल्क लगाए, जिसका मकसद मादक पदार्थों की तस्करी की आपात स्थिति से निपटना था। इसके बाद कई मुकदमे दायर किए गए। चुनौती देने वालों ने दलील दी कि आपातकालीन शक्तियों के कानून में शुल्क का उल्लेख तक नहीं है और ट्रंप द्वारा इसका उपयोग कई कानूनी समीक्षाओं में विफल रहता है, जिसमें एक ऐसी समीक्षा भी शामिल है जिसने तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन के 500 अरब अमेरिकी डॉलर के छात्र ऋण माफी कार्यक्रम को विफल कर दिया था।

ट्रंप ने कहा- जजों को शर्म आनी चाहिए

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की ओर से ट्रंप द्वारा कई देशों पर लगाए गए टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद अमेरिकी राजनीति में टैरिफ को लेकर घमासान तेज हो गया है। ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कड़े तेवर दिखाते हुए सभी देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त ग्लोबल टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है। ट्रंप ने साफ कहा कि वह तुरंत ही एक नया कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। ट्रंप ने कहा मैं धारा 122 के तहत 10% वैश्विक टैरिफ लगाने का आदेश साइन करूंगा। यह पहले से वसूले जा रहे सामान्य शुल्कों के अतिरिक्त होगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि प्रशासन धारा 301 समेत अन्य प्रावधानों के तहत कई जांच प्रक्रियाएं शुरू कर रहा है, ताकि अमेरिका को अन्य देशों और कंपनियों की कथित अनुचित व्यापारिक नीतियों से बचाया जा सके। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को समाप्त कराने के लिए शुल्क का इस्तेमाल किया, साथ ही उन्होंने दुनिया भर के देशों पर लगाए गए अपने व्यापक टैरिफ को रद्द करने के अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले की कड़ी आलोचना की। कहा कि जजों को ऐसे फैसलों पर शर्म आनी चाहिए। ट्रंप ने उच्चतम न्यायालय के फैसले के कुछ ही घंटों बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैंने जिन आठ युद्धों को समाप्त कराया, उनमें से पांच को समाप्त करने के लिए भी टैरिफ का इस्तेमाल किया गया।

भारत-ब्राजील को शुल्क वापसी की उम्मीद

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के प्रमुख व्यापार संगठन यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क के फैसले को रद्द किए जाने के बाद ब्राजील और भारत से आयातित कुछ वस्तुओं पर लगाए गए शुल्क की राशि वापस मिलने की उम्मीद जगी है। यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स ने उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए प्रशासन से कहा कि इसका उपयोग समग्र शुल्क नीति को पुनः निर्धारित करने और लोगों के लिए महंगाई कम करने के वास्ते किया जाना चाहिए। चैंबर के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य नीति अधिकारी नील ब्रैडली ने कहा, उच्चतम न्यायालय का फैसला व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए स्वागत योग्य है। पिछले एक साल में छोटे और मध्यम व्यवसायों ने इन शुल्क के कारण लागत में बढ़ोतरी और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान झेला है।

जज ने रूसी तेल की खरीद पर टैरिफ का जिक्र किया

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायमूर्ति ब्रेट केवानॉ ने अपने असहमति वाले फैसले में रूस से तेल खरीदने पर भारत पर लगाए गए टैरिफ का जिक्र किया। ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का पारस्परिक शुल्क और रूसी तेल खरीदे जाने पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया था। हालांकि, उन्होंने पारस्परिक शुल्क को घटाकर 18% कर दिया, वहीं रूस से तेल खरीदने पर लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क को हटा दिया। ट्रंप ने इस बात का जिक्र किया था कि भारत ने मॉस्को से कच्चे तेल का आयात बंद करने और अमेरिकी ऊर्जा उत्पादों की खरीद करने की प्रतिबद्धता जताई है।

ब्रीफ न्यूज

एआई समिट में विरोध प्रदर्शन पर युवा कांग्रेस के 4 कार्यकर्ता गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को 'एआई इम्पैक्ट समिट' स्थल पर हुए विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया और मामले में व्यापक साजिश के पहलू की जांच कर रही है। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार से युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा हरि, बिहार के राज्य सचिव कुंदन यादव, उत्तर प्रदेश के राज्य अध्यक्ष अजय कुमार और तेलंगाना से नरसिम्हा यादव के रूप में हुई है। (संबंधित राष्ट्रीय पेज पर)

जेपी इंफ्राटेक के पूर्व एमडी का आत्मसमर्पण

नई दिल्ली। जेपी इंफ्राटेक के पूर्व एमडी मनोज गौर ने तिहाड़ जेल के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। हाल में दिल्ली की एक अदालत ने घर खरीदारों से जुड़े धन शोधन मामले में उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी जिसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। अंतरिम जमानत प्राप्त करने वाले गौर ने गुरुवार को आत्मसमर्पण कर दिया और अब वह तिहाड़ जेल में बंद हैं। दिल्ली की कोर्ट ने 17 फरवरी को गौर की नियमित जमानत याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि उनके खिलाफ लगे आरोपों में आपराधिक विश्वासघात के आरोप शामिल हैं।

यूपी में शिक्षामित्रों को मिलेंगे 18 हजार अनुदेशकों को 17 हजार रुपये मानदेय

मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा में की घोषणा, 1.70 लाख कर्मियों को राहत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को बड़ी राहत देते हुए उनके मानदेय में ऐतिहासिक बढ़ोतरी का ऐलान किया है। उन्होंने विधानसभा में घोषणा की कि अब शिक्षामित्रों को 18 हजार रुपये और अनुदेशकों को 17 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। अभी तक शिक्षामित्रों को 10 हजार और अनुदेशकों को नौ हजार रुपये मिलते थे। इस फैसले से प्रदेश के करीब 1.70 लाख शिक्षामित्र और अनुदेशक लाभान्वित होंगे। यह व्यवस्था एक अप्रैल से लागू होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में इन कर्मियों की भूमिका अहम है और सरकार उनके सम्मान व सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मानदेय बढ़ोतरी के साथ ही ट्रांसफर नीति लागू करने और पांच लाख रुपये तक कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने की भी घोषणा की गई है। योगी ने कहा कि जहां कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय नहीं हैं, वहां विद्यालय बनेंगे। इसके लिए 580 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। शिक्षामित्रों को अप्रैल से 18 हजार और अनुदेशकों को 17 हजार देंगे। शिक्षकों के लिए पांच लाख कैशलेस इलाज की सुविधा दी जाएगी।

नौ वर्षों में पहली बार हुई बड़ी बढ़ोतरी

सरकारी सूत्रों के अनुसार यह मानदेय वृद्धि एकमुश्त 8 हजार रुपये की है, जो पिछले नौ वर्षों में पहली बड़ी बढ़ोतरी मानी जा रही है। शिक्षा कर्मियों का कहना है कि बढ़ती महंगाई के बीच यह फैसला उन्हें आर्थिक संबल देगा। उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के अध्यक्ष अनिल यादव ने निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार ने वर्षों से लंबित मांग को आखिरकार स्वीकार किया है।

शिक्षामित्रों का सफर

- 2001 : नियुक्ति के समय 1500 रुपये मानदेय
- 2005 : मानदेय बढ़कर 2400 रुपये

मायावती सरकार : 3000 रुपये मानदेय, दो वर्षीय बीटीसी कोर्स शुरू

- 2014 : अखिलेश सरकार में पूर्णकालिक सहायक अध्यापक बने, करीब 43 हजार रुपये वेतन
- 25 जुलाई 2017 : सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर समायोजन रद्द, 3500 रुपये मानदेय पर वापसी
- 2017 : योगी सरकार ने मानदेय बढ़ाकर 10 हजार रुपये किया
- 2026 : अब बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रतिमाह

फैसले के प्रमुख बिंदु

- 1.70 लाख शिक्षामित्र और अनुदेशक लाभान्वित
- शिक्षामित्रों को 18 हजार, अनुदेशकों को 17 हजार रुपये प्रतिमाह
- 2017 से अनुदेशकों को 17 हजार रुपये मानदेय लागू
- सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट निर्देश- सेवा समाप्त नहीं होगी

अनुदेशकों की कानूनी लड़ाई का अंत

अनुदेशकों के मानदेय को लेकर 2017 से कानूनी संघर्ष चल रहा था। वर्ष 2017 में मानदेय 9 हजार से बढ़ाकर 17 हजार रुपये करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद इसे लागू नहीं किया गया। इसके बाद लखनऊ हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने अनुदेशकों को 17 हजार रुपये मानदेय नौ प्रतिशत ब्याज सहित देने का आदेश दिया। राज्य सरकार की अपील पर डबल बेंच ने एक वर्ष के लिए भुगतान का निर्देश दिया। मामला आगे चलकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि लंबे समय से कार्यरत अनुदेशकों की सेवा समाप्त नहीं की जा सकती।

जेई और उसकी पत्नी को 33 बच्चों के यौन शोषण में मौत की सजा

- पोर्न साइट पर डालते थे वीडियो बांदा की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने सुनाया फैसला

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार : नाबालिग बच्चों से यौन शोषण कर अश्लील वीडियो को पोर्न साइट में अपलोड करने के मामले में बांदा की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने चित्रकूट के सिंचाई विभाग के निलंबित जेई (अवर अभियंता) व उसकी पत्नी को फांसी की सजा सुनाई है। सुनवाई के दौरान सीबीआई की टीम भी कोर्ट में मौजूद रही।

मामला सन 2020 का है। सीबीआई को जानकारी मिली थी कि सिंचाई विभाग चित्रकूट में तैनात जेई रामभवन, चाइल्ड पोर्नोग्राफी जैसे संगीन अपराध में लिप्त है। सीबीआई ने रामभवन को एसडीएम कालोनी स्थित किराये के मकान से गिरफ्तार किया था। वहीं साक्ष्य संकलन के दौरान सीबीआई को रामभवन की पत्नी दुर्गावती की भी संलिप्तता मिली थी। इसके बाद दुर्गावती को भी गिरफ्तार किया गया और दोनों को बांदा जेल में निरुद्ध किया गया था। सीबीआई की पूछताछ में रामभवन ने बताया था कि वह पांच से 16 साल के बच्चों को अपना शिकार बनाता था। उन्हें जाल में फंसाने के लिए वह इलेक्ट्रानिक गैजेट्स का लालच देता था। बच्चों के अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर ऑनलाइन बेचा करता था, जिसके लिए उसे अच्छी खासी मोटी रकम मिलती थी। उसने यह भी बताया कि पीड़ित परिवारों को उनके बच्चों के अश्लील फोटो और वीडियो दिखाकर उन्हें ब्लैकमेल करता था और इसके एवज में उनसे पैसे मांगता था।

चित्रकूट : सजा सुनाए जाने के बाद जेई व उसकी पत्नी(कपड़े से मुंह ढके) पुलिस गिरफ्त में।

पीड़ित बच्चों को 10-10 लाख देने के आदेश

कोर्ट ने सभी पीड़ित बच्चों को 10- 10 लाख रुपये देने का भी आदेश पारित किया। सजा में किए गए जुर्माने को भी बच्चों को देने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि ऐसे अपराध न केवल पीड़ित बच्चों के जीवन को बर्बाद करते हैं, बल्कि समाज की नैतिक नींव को भी हिला देते हैं। यदि ऐसे मामलों में सख्ती नहीं बरती गई तो यह समाज के लिए खतरनाक संदेश होगा। कोर्ट ने पीड़ित बच्चों के पुनर्वास, मनोवैज्ञानिक उपचार और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार और संबंधित विभागों को ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए।

एसआईआर की निगरानी करेंगे न्यायिक अधिकारी

बंगाल मामले में सुप्रीम आदेश

- सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों की तैनाती का शीर्ष कोर्ट ने दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम बंगाल सरकार और निर्वाचन आयोग के बीच जारी गतिरोध को लेकर नाखुशी जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में विवादों से घिरी मतदाता सूची के एसआईआर प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग की सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का शुक्रवार को असाधारण निर्देश दिया।

निर्वाचन आयोग और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई तृणमूल कांग्रेस सरकार के बीच दुर्भाग्यपूर्ण आरोप-प्रत्यारोप और विश्वास की कमी पर खेद जताते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने राज्य में एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कई नए निर्देश जारी किए। पीठ ने तार्किक विसंगति सूची में शामिल तथा मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खतरे का सामना कर रहे व्यक्तियों के दावों और आपत्तियों के निपटारे के लिए न्यायिक अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति का आदेश दिया।

रणनीतिक गठजोड़ | एआई समिट में समझौते पर किए गए हस्ताक्षर, महत्वपूर्ण खनिजों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना प्राथमिकता

भारत का अमेरिका से समझौता, पैक्स सिलिका का बना हिस्सेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत अमेरिका के नेतृत्व वाले रणनीतिक गठजोड़ पैक्स सिलिका में शामिल हो गया है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों व कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना है। यहां में एआई इम्पैक्ट समिट में आयोजित एक समारोह में गठबंधन में शामिल होने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

वहां उपस्थित लोगों में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, आर्थिक मामलों के लिए अमेरिकी उप विदेश मंत्री जैकब हेलबर्ग और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर शामिल थे। यह कदम दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और संबंधों में गंभीर तनाव के दौर के बाद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए कई अन्य पहलों पर आगे बढ़ने के प्रयासों के बीच आया है।

गोर ने कहा, व्यापार समझौते से लेकर पैक्स सिलिका और रक्षा सहयोग तक, दोनों देशों की साथ काम करने की संभावनाएं वास्तव में असीमित हैं। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि पैक्स सिलिका में भारत का प्रवेश केवल एक प्रतीकात्मक कदम नहीं है, बल्कि एक रणनीतिक कदम है जो द्विपक्षीय संबंधों की समग्र दिशा को और मजबूत करेगा। भारत ऐसा देश है जहां प्रतिभा का भंडार है, जो प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती देने के लिए काफी है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता इस महत्वपूर्ण गठबंधन के लिए आवश्यक योग्यताएं प्रदान करती है। प्रतिभा के अलावा, भारत ने महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण क्षमता की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति की है और हम इसमें भी पूरी तरह से सहभागिता कर रहे हैं। गोर ने सुझाव दिया कि अमेरिका पैक्स सिलिका ढांचे के तहत भारत से एआई प्रौद्योगिकियां साझा कर सकता है। अमेरिकी उप विदेश मंत्री हेलबर्ग ने भारत के फैसले की सराहना की और पैक्स सिलिका को आपूर्ति श्रृंखलाओं में दबाव की रणनीति व ब्लैकमेल के खिलाफ पहल बताया, जिसे चीन की ओर एक स्पष्ट इशारा माना जा रहा है।

नई दिल्ली में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव।

मोदी ने एआई व डीपटेक स्टार्टअप के सीईओ संग कृषि, शिक्षा में एआई की संभावनाओं पर की चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने एआई व डीपटेक स्टार्टअप के सीईओ के साथ शुक्रवार को बैठक की और कृषि, पर्यावरण संरक्षण एवं मातृभाषा में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी के उपयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। प्रधानमंत्री के साथ आयोजित गोलमेज बैठक में 16 एआई एवं डीपटेक स्टार्टअप के सीईओ तथा संस्थापकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। मोदी ने मजबूत 'डेटा गवर्नेंस' की आवश्यकता पर जोर दिया, दुष्प्रचार के प्रति सावधान रहने को कहा और भारत की जरूरतों के अनुरूप समाधान विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने यूपीआई को सरल एवं व्यापक डिजिटल नवाचार का उदाहरण बताते हुए भारतीय कंपनियों पर विश्वास जताया और घरेलू उत्पादों पर भरोसा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अमृत विचार

बरेली , शनिवार,21 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

मोदी यूपी को देंगे सेमीकंडक्टर और रैपिड रेल की रफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 और 22 फरवरी को प्रदेश को सेमीकंडक्टर विनिर्माण और

अत्याधुनिक परिवहन कनेक्टिविटी का तोहफा देंगे। दोनों कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति रहेगी। शनिवार को प्रधानमंत्री वर्चुअली उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट 'इंडिया चिप' का शिलान्यास करेंगे। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के सेक्टर-28 में 48 एकड़ भूमि पर स्थापित होने वाली यह परियोजना एचसीएल ग्रुप और फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप का संयुक्त उपक्रम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव परियोजना स्थल पर मौजूद रहेंगे। यह देश की पहली डिस्प्ले ड्राइवर इंटीग्रेटेड सर्किट ओसैट सुविधा होगी, जिससे प्रतिवर्ष लगभग 45,000 करोड़ के जीडीपी योगदान और करीब 3,000 रोजगार सृजन की संभावना है। रविवार को पीएम मोदी मेरठ में नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक रैपिड रेल के संचालन से दिल्ली-मेरठ का सफर एक घंटे से भी कम समय में पूरा होगा। 180 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति और हर 10 मिनट में ट्रेन उपलब्ध होने से यातायात सुगम होगा और प्रदूषण घटेगा। साथ ही, 12 मेट्रो स्टेशनों के साथ 21 किमी की शहरी यात्रा आधे घंटे से कम में संभव होगी।

आज किसानों को बड़ा तोहफा देंगे मुख्यमंत्री

अमृत विचार, लखनऊ : शनिवार सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसानों और आपदा मित्रों को बड़ी राहत देंगे। पीएम फसल बीमा योजना (खरीफ 2025) के तहत 2.51 लाख किसानों को 285 करोड़, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के 3,500 परिवारों को 175 करोड़ की सहायता राशि वितरित की जाएगी। आपदा मित्रों को जीवन बीमा लाभ मिलेगा। साथ ही बागपत, शामली, कासगंज, भदोही में उप कृषि निदेशक कार्यालय व मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं, मऊरानीपुर (झांसी) में 50 शैय्या छात्रावास और लखनऊ में स्मार्ट कृषि ब्यूरो स्टूडियो का शिलान्यास होगा।

लापता लोगों को न तलाश पाने पर डीजीपी नाराज

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में 20,350 लोग लापता चल रहे हैं, लेकिन पुलिस का भारी भरकम अमला उन्हें तलाश नहीं कर सका है। उधर डीजीपी राजीव कृष्ण ने लोगों को तलाश नहीं कर पाने पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने एक कार्य योजना तैयार की है। साथ ही सभी पुलिस अफसरों से कहा है कि वह हर माह लापता लोगों और बच्चों को तलाशने के लिए विशेष अभियान चलाएं। प्रदेश में एक जनवरी-2024 से 18 फरवरी-2026 यानी दो साल के भीतर 1,08,372 लोग लापता हो गए। हालांकि पुलिस ने 88,022 लोगों को तलाश भी कर उनके घरों तक पहुंचा दिया। अब 20,350 लोग ऐसे हैं, जो कि अपनों के पास नहीं पहुंच सके हैं। उन्होंने कहा है कि प्रत्येक लापता व्यक्ति को तलाशना पुलिस की पहली प्राथमिकता है।

प्रदेश के सरकारी उपक्रमों में हजारों करोड़ की अनियमितताएं

विधानसभा के पटल पर रखी गई सीएजी रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का खुलासा, निर्माण निगम से परिवहन व औद्योगिक उपक्रमों तक नियम विरुद्ध भुगतान व ठेके

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधानसभा में शुक्रवार को वित्तमंत्री सुरेश खन्ना द्वारा रखी गई भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की ताजा रिपोर्ट ने प्रदेश के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों यानी एसपीएसई में व्यापक भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितताओं और कमजोर शासन व्यवस्था की परतें उधेड़ दी हैं। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि कई उपक्रमों में बिना अनुमति काम शुरू करना, वास्तविक कार्य के बिना भुगतान, नियमों को ताक पर रखकर ठेके देना और सरकारी धन पर अर्जित ब्याज को जमा न करना जैसी गंभीर गड़बड़ियां सामने आई हैं।

- **घाटे में डूबे उपक्रम, कमजोर निगरानी और सरकारी धन के दुरुपयोग पर गंभीर सवाल**

मार्च 2023 को समाप्त अवधि के लिए तैयार यह रिपोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार का प्रतिवेदन संख्या-9 राज्य विधानमंडल के समक्ष प्रस्तुत की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च 2023 तक यूपी में सीएजी के लेखापरीक्षा दायरे में 113 एसपीएसई थे, जिनमें 72 क्रियाशील और 41 निष्क्रिय (13 परिसमापनाधीन सहित) थे। 68 क्रियाशील उपक्रमों में जहां 39 ने 2,169.50 करोड़ का लाभ कमाया, वहीं 27 उपक्रमों ने 32,393.08 करोड़ का भारी घाटा उठाया। सीएजी का कहना है कि यह घाटा केवल कारोबारी जोखिम नहीं, बल्कि खराब वित्तीय प्रबंधन और नियंत्रण तंत्र की विफलता को भी दर्शाता है।

निगरानी और गवर्नेंस की नाकामी : रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि अधिकांश एसपीएसई में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं हुई, कई बोर्डों ने अनिवार्य बैठकें तक नहीं कीं और लेखापरीक्षा समिति, नामांकन-पारिश्रमिक समिति जैसी वैधानिक व्यवस्थाएं कागजों तक सीमित रहीं। महिला निदेशकों की नियुक्ति में भी व्यापक लापरवाही पाई गई। सीएजी ने इसे संस्थागत भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाला वातावरण बताया है।

विधानसभा में सीएजी रिपोर्ट रखते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना।

निर्माण निगम बना भ्रष्टाचार का केंद्र

सीएजी ने प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड की निष्पादन लेखापरीक्षा में सबसे गंभीर अनियमितताएं दर्ज की हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, तकनीकी स्वीकृति और पर्यावरणीय अनापत्ति के बिना 2,058 करोड़ से अधिक के कार्य शुरू कर दिए गए। कई मामलों में कार्य के वास्तविक निष्पादन के बिना 31.72 करोड़ का भुगतान कर दिया गया। उप-संविदाकारों को बिना बैंक गारंटी के करोड़ों रुपये के अग्रिम दे दिए गए। सरकारी निधियों पर अर्जित 641.45 करोड़ का ब्याज कोषागार में जमा नहीं कराया गया। ठेकों में खुली निविदा प्रक्रिया के बजाय सीमित कोटेशन से काम देकर पारदर्शिता को नुकसान पहुंचाया गया। सीएजी ने इसे गंभीर वित्तीय कदाचार करार देते हुए कहा है कि इससे न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ, बल्कि जवाबदेही तंत्र भी पूरी तरह विफल रहा।

भ्रष्टाचार के मुख्य बिंदु

- बिना तकनीकी स्वीकृति 2,058 करोड़ के कार्य शुरू
- बिना वास्तविक काम के 31.72 करोड़ का भुगतान
- उप-संविदाकारों को 20.40 करोड़ के अग्रिम बिना गारंटी
- सरकारी निधियों पर 641.45 करोड़ ब्याज जमा नहीं
- ठेकों में खुली निविदा की अनदेखी, सीमित कोटेशन से काम

वित्तीय रेड फ्लैग्स

- घाटे में एसपीएसई : 27
- कुल घाटा : 32,393.08 करोड़
- ब्याज वहन में अक्षम उपक्रम : 12
- पूरी तरह नेटवर्थ गंवाने वाले उपक्रम : 16

गवर्नेंस फेल्योर

- स्वतंत्र निदेशक नहीं : 26 एसपीएसई
- अनिवार्य बोर्ड बैठकें नहीं : 35 एसपीएसई
- लेखापरीक्षा समिति का अभाव/गलत गठन : 21 एसपीएसई

नियोजन से लेकर आवंटन तक गड़बड़ी की भरमार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) ने गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा विकास एवं संपत्तियों के आवंटन को लेकर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही, वित्तीय अनियमितताओं और संभावित भ्रष्टाचार को उजागर किया है। एनसीआर का हिस्सा होने के बावजूद गाज़ियाबाद महायोजना-2021 को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड से अनुमोदन नहीं कराया गया, जो नियोजन कानूनों का सीधा उल्लंघन है। इसके अलावा, एकीकृत महायोजना बनाने के बजाय गाज़ियाबाद और मोदीनगर के लिए अलग-अलग महायोजनाएं तैयार की गईं, जिनके ज़ोनिंग नियमों में भारी विरोधाभास पाए गए। इन योजनाओं के निर्माण में चार से दस वर्षों तक की देरी हुई और आठ में से केवल एक ज़ोन के लिए ही ज़ोनल विकास योजना तैयार की गई।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने शुक्रवार को सीएजी का निष्पादन लेखापरीक्षा प्रतिवेदन संख्या-11 (वर्ष 2025), को राज्य विधानमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया। इसमें वर्ष 2017-18 से 2021-22 की अवधि के दौरान जीडीए की कार्यशैली का व्यापक मूल्यांकन किया गया। सीएजी ने पाया कि महायोजना-2021 के तहत निर्धारित विकास लक्ष्य अधिकांश क्षेत्रों में पूरे ही नहीं किए गए। खुले स्थान, पार्क और मनोरंजन क्षेत्र में 79 प्रतिशत, व्यावसायिक क्षेत्र में 66 प्रतिशत और सार्वजनिक सुविधाओं में 39 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

- **गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल**
- **ईडब्ल्यूएस आवास, संपत्ति आवंटन और अवैध निर्माण पर कार्रवाई में भारी चूक**

अनियमितता के प्रमुख बिंदु

- महायोजना-2021 बिना एनसीआर बोर्ड की मंजूरी
- ईडब्ल्यूएस आवास लक्ष्य का केवल 40% ही पूरा
- संपत्ति आवंटन का कोई योजनावार डाटा बैंक नहीं
- हिंडन बाढ़ क्षेत्र में अवैध निर्माण पर ढीली कार्रवाई
- बिना रिकॉर्ड कारणों के नीलामी/आवंटन से संपत्तियां बाहर

वित्तीय रेड फ्लैग्स

- राजस्व लक्ष्य में कमी : 40-58%
- व्यय लक्ष्य में कमी : 40-63%
- राज्य सरकार से लंबित वसूली : 347.43 करोड़

गवर्नेंस और नियंत्रण की विफलता

- ज़ोनल विकास योजनाओं का अभाव
- आंतरिक लेखापरीक्षा निष्कर्षों पर सुधार नहीं
- तकनीकी संवर्ग में भारी मानवशक्ति की कमी
- बोर्ड बैठकें मानकों के अनुरूप नहीं

वित्तीय प्रबंधन में भारी चूक, करोड़ों की वसूली लंबित

वित्तीय मोर्चे पर भी जीडीए की स्थिति चिंताजनक रही। वर्ष 2017-18 से 2021-22 के दौरान, 2018-19 को छोड़कर, राजस्व लक्ष्य में 40 से 58 प्रतिशत तक की कमी रही। वहीं, व्यय लक्ष्य भी 40 से 63 प्रतिशत तक कम रहा। सीएजी ने यह भी इंगित किया कि उप-निबंधन कार्यालयों द्वारा अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क वसूली के बावजूद, जीडीए की 347.43 करोड़ की वैधानिक मांग अब तक राज्य सरकार से प्राप्त नहीं हो सकी, जो कमजोर वित्तीय फॉलो-अप और जवाबदेही को दर्शाता है।

आवंटन और प्रवर्तन में पारदर्शिता का अभाव

संपत्तियों के आवंटन में पारदर्शिता की भारी कमी सामने आई। जीडीए के पास योजनावार विकसित, बेची गई और शेष संपत्तियों का कोई समेकित डाटा बैंक नहीं था। बोली-सह-नीलामी और पहले आओ-पहले पाओ जैसी प्रक्रियाओं में यह तक स्पष्ट नहीं किया गया कि पूर्व नीलामी में अविकसित/अविक्रीत संपत्तियों को आगे क्यों नहीं लाया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 45,000 इकाइयों के लक्ष्य के मुकाबले मात्र 20,173 इकाइयों की योजना बनाई गई और मार्च 2024 तक केवल 5,801 इकाइयां ही निर्माणाधीन पाई गईं। हिंडन नदी के बाढ़ क्षेत्र में अवैध निर्माण रोकने में भी जीडीए विफल रहा। अनधिकृत निर्माण के चिन्हित मामलों में केवल 19 से 65 प्रतिशत पर ही कार्रवाई की गई। 1,303 स्वीकृत मानचित्रों में से मात्र 125 को ही पूर्णता प्रमाण-पत्र जारी किया गया, जबकि शेष भवनों की स्थिति का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया गया।

दुर्बल आय वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए वर्ष 2017-22 में न्यूनतम 25,000 आवासीय इकाइयों के लक्ष्य के मुकाबले मात्र 9,960 इकाइयां ही बन सकीं।

सीएजी की रिपोर्ट साफ संकेत देती है कि गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण में अनियमितताएं केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि संस्थागत लापरवाही और संभावित भ्रष्टाचार का परिणाम हैं। रिपोर्ट में दोषी अधिकारियों के विरुद्ध उत्तरदायित्व तय करने, पारदर्शी डाटा प्रणाली विकसित करने और अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई की सिफारिश की गई है।

पेशी पर आए कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिलते प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व आराधना मिश्रा।

पूरे देश में राहुल गांधी के खिलाफ कराए जा रहे मुकदमे : प्रमोद तिवारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का हुआ स्वागत**

अमृत विचार : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को दिल्ली से लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर उतरे तो उनका स्वागत किया गया। इस दौरान प्रमोद तिवारी ने कहा कि पूरे देश में राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमे कराए जा रहे हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ सुल्तानपुर के एमएलए-एमपी कोर्ट में एक मानहानि का मुकदमा चल रहा है। उसी मामले में शुक्रवार की सुबह राहुल गांधी दिल्ली से एयरपोर्ट पर उतरे। वहां पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, सांसद प्रमोद तिवारी, वरिष्ठ नेता अखिलेश सिंह, कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता अराधना मिश्रा, प्रवक्ता अंशु अवस्थी समेत भारी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। यहां से राहुल गांधी कार से सुल्तानपुर गए। वहां से दोपहर में करीब ढाई बजे एयरपोर्ट लौटे और दिल्ली के लिए चले गए। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि राहुल गांधी सुल्तानपुर की एक अदालत में चल रहे मामले में आए थे, उनका और कोई कार्यक्रम नहीं था।

स्पष्ट नीति व सख्त वित्तीय अनुशासन से बदला यूपी : योगी

मुख्यमंत्री ने सदन में रखा 'न्यू यूपी' के विकास का ब्लूप्रिंट, कांग्रेस-सपा पर निशाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में बजट 2026-27 पर चर्चा के दौरान नौ वर्षों की सरकार के कामकाज का विस्तृत लेखा-जोखा पेश करते हुए कांग्रेस और सपा पर जमकर निशाना साधा। कहा कि यूपी आज बीमारू राज्य की छवि से बाहर निकलकर देश के टॉप-3 राज्यों में शामिल हो चुका है। यह परिवर्तन किसी एक योजना का नहीं, बल्कि स्पष्ट नीति, शुद्ध नीयत और प्रभावी वित्तीय प्रबंधन का परिणाम है। उन्होंने डाटा, इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग और रोजगार की योजनाएं गिनाते हुए कहा कि इनके सहारे यूपी ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की धुरी बनेगा।

मुख्यमंत्री ने बजट सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को अपने लंबे भाषण में बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री को दसवां बजट प्रस्तुत करने का अवसर मिला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह बजट केवल खर्च का दस्तावेज नहीं, बल्कि भविष्य के उत्तर प्रदेश का रोडमैप है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने लीकेज रोके, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया। इसी का नतीजा है कि आज बैंक, निवेशक और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं उत्तर प्रदेश पर भरोसा कर रही हैं। नीति आयोग की फिस्कल हेल्थ इंडेक्स और कैग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यूपी को अब फ्रंट रनर स्टेट माना जा रहा है। योगी ने बताया कि वर्ष 2016-17 में प्रदेश का पूंजीगत व्यय करीब 71 हजार करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर में लगाया गया एक रुपये का निवेश पांच से छह गुना प्रतिफल देता है। उन्होंने डाटा को नई अर्थव्यवस्था की आधारशिला बताते हुए कहा कि एआई 'न्यू ऑयल' बनने जा रहा है। बजट 2026-27 में डाटा सेंटर क्लस्टर, स्टेट डाटा सेंटर अथॉरिटी और डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने के प्रावधान किए गए हैं। यूपी अब रिएक्टिव नहीं, बल्कि प्रोएक्टिव गवर्नेंस मॉडल की ओर बढ़ रहा है।

- **डाटा, इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग और रोजगार के सहारे यूपी बनेगा ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की धुरी**

घालमेल की राजनीति अब नहीं चलेगी नेता प्रतिपक्ष पर साधा निशाना

वित्तीय प्रबंधन पर विपक्ष के सवालों को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि उम्र और अनुभव के साथ आंकड़ों में ईमानदारी आएगी, लेकिन चच्चू का प्रभाव अब भी हावी दिखा। योगी ने तथ्यों के साथ जवाब देते हुए कहा कि 2016-17 में समाजवादी पार्टी सरकार के दौरान राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 4.39 प्रतिशत था, जो अब 2025-26 में घटकर 2.97 प्रतिशत रह गया है। उन्होंने बताया कि ऋणग्रस्तता लगभग 30 प्रतिशत से घटकर 26 प्रतिशत आ गई है और 2026-27 तक इसे 23 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य है। प्रति व्यक्ति आय पर विपक्ष को घेरते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2016-17 में यह करीब 43 हजार रुपये थी, जबकि आज 1.20 लाख रुपये से अधिक हो चुकी है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि क्या 43 हजार और 1.20 लाख में कोई फर्क नहीं दिखता।

आठ हजार न्याय पंचायतों में चुने जाएंगे डिजिटल इंटरप्रेन्योर

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि आठ हजार न्याय पंचायतों में डिजिटल इंटरप्रेन्योर चुने जाएंगे। हर जिले में 'सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन' विकसित होंगे। अगले पांच वर्षों में 100 नई टाउनशिप, 27 एक्सप्रेसवे क्लस्टर और 75 हजार एकड़ का लैंड बैंक तैयार किया जाएगा। महिलाओं के लिए 100 करोड़ रुपये से महिला उद्यमी उत्पाद विपणन केंद्र, 60 लाख सुरक्षित प्रसव के लिए 1000 करोड़ और बालिकाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की गई। उन्होंने दावा किया कि सरकार में प्राइमरी स्कूलों का ड्रॉपआउट रेट शून्य हुआ है और शिक्षकों व कार्मिकों के आश्रित परिवारों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा दी जाएगी। पर्यटन, स्टार्टअप, एमएसएमई, पशुधन, मत्स्य और पर्यावरण संरक्षण पर बजट फोकस का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे तरक्की और रोजगार बढ़ा है।

कांग्रेस पर देश की छवि बिगाड़ने का आरोप

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भारत मंडपम में अराजकता फैलाकर कांग्रेस ने देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि जब 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि और 20 राष्ट्राध्यक्ष एआई समिट के लिए भारत आए थे, तब कांग्रेस के युवा संगठन ने शर्मनाक कृत्य कर दुनिया के सामने भारत को बदनाम करने की कोशिश की। सीएम योगी ने दो टूक कहा कि देश की प्रतिष्ठा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए।

विशेषाधिकार हनन और शिक्षामित्रों के मुद्दे पर तीखी बहस

विधान परिषद : अधिकारियों के फोन न उठाने समेत कई मामलों पर सत्ता पक्ष व विपक्षी सदस्य एकमत

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : बजट सत्र में विधानसभा के बाद विधान परिषद में भी अधिकारियों द्वारा फोन न उठाने का मुद्दा उठा है। विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष सदस्यों ने भी सुर में सुर मिलाए। दोनों पक्षों ने शिकायत की कि जिलों में जिलाधिकारी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी फोन नहीं उठाते, जिससे जनसमस्याओं के समाधान में बाधा आ रही है।

बजट सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को शून्य प्रहर में शिक्षक नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने जिलों के जिलाधिकारी सीयूजी नंबर खुद नहीं उठाने की सूचना दी। कहा कि उनके अर्दली फोन उठाते हैं, बात नहीं कराते हैं, जिससे समस्याओं के समाधान में दिक्कत आती है। भाजपा के उमेश द्विवेदी ने भी विधायक त्रिपाठी की सूचना का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जिले की डीएम को पांच महीनों में कई बार फोन किया, लेकिन हर बार मैडम व्यस्त थीं। भाजपा के ही सुरेंद्र चौधरी ने बिजली विभाग के एमडी के पीआरओ द्वारा एमडी बनकर बात करने का गंभीर आरोप लगाया। सपा सदस्य जासमीर अंसारी ने कहा कि अधिकारी जब सत्ता पक्ष के विधायकों और मंत्रियों की नहीं सुन रहे और उन्हें धरने पर बैठना पड़ रहा है तो विपक्ष की कौन सुनेगा।

जवाब में नेता सदन एवं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आश्वासन दिया कि वह संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों से सीधे बातचीत करेंगे और समस्या का समाधान कराने का प्रयास करेंगे।

मगर, सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने कहा कि यह स्थिति केवल कुछ जिलों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे प्रदेश के अधिकांश जिलों में यही हाल है। नेता सदन को निर्देश दिए कि सभी जिलों के जिलाधिकारियों से इस विषय में बात कर स्थिति में सुधार लाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रोटोकाल में किसी प्रकार की अनदेखी नहीं होनी चाहिए । इसी क्रम में नियम 223 अंतर्गत निर्दलीय डॉ. आकाश अग्रवाल ने 18 फरवरी 2026 को ताज महोत्सव के आयोजन में अपना नाम शामिल न किए जाने को विशेषाधिकार हनन बताया। सभापति ने संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया है। शाम 6 बजे सभापति द्वारा सदन अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गयी है।

शिक्षकों के मुद्दे पर गरमाया सदन

शून्य काल में नियम-105 अंतर्गत सपा सदस्यों ने शिक्षा मित्रों की समस्याओं का मुद्दा उठाया, कहा कि कम मानदेय में कई कार्य कराना नियति बन चुकी है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने जवाब दिया। शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने नियम-105 अंतर्गत अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में स्ववित्तपोषित शिक्षकों के वेतन भुगतान व विनियमितीकरण की सरकार से मांग उठाई। सभापति ने मामले को प्रभावी कार्रवाई के लिए सरकार को भेजा।

शहीद के सम्मान में कोताही नहीं : केशव मौर्य

महराजगंज के शहीद पंकज त्रिपाठी को उनके शहादत दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मान न दिए जाने का मामला विधान परिषद में भाजपा सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह ने उठाया। उन्होंने कहा कि शहीदों का सम्मान करना प्रशासन की नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है। सभापति ने भी चिंता जताई और कार्रवाई के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आश्वासन दिया कि मामले की जांच कराई जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री के तंज पर भड़के सपा सदस्य

सदन की कार्यवाही के दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और सपा सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। केशव मौर्य ने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव पूर्व मुख्यमंत्री थे और पूर्व ही रहेंगे। इस पर सपा एमएलसी भड़क गए और पलटवार करते हुए कहा कि 15 मार्च 2027 को अखिलेश यादव बतौर मुख्यमंत्री सदन में मौजूद होंगे। इसके अलावा, सदन में मंत्रियों की अनुपस्थिति को लेकर भी सभापति ने नाराजगी जताई। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के देरी से पहुंचने पर सभापति ने उनके स्पष्टीकरण को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

जिला विद्यालय निरीक्षक पर भ्रष्टाचार की जांच के निर्देश

भाजपा सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह ने मिर्जापुर के जिला विद्यालय निरीक्षक पर भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच को लेकर प्रश्न उठाया। माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी के जवाब से सदस्य के असंतुष्ट होने पर कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने उच्च अधिकारियों से जांच कराकर पुराने अधिकारियों एवं संबंधित जिला विद्यालय निरीक्षक पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

वंदेभारत पर पथराव करने में दो किशोर पकड़े गए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **ट्रेन में सफर कर रहे थे संघ प्रमुख मोहन भागवत**

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक मोहन भागवत के पास वाले कोच में पथराव करने के आरोप में हरदोई आरपीएफ ने दो किशोरों को अभिरक्षा में ले लिया। दोनों किशोर आपस में मौसेरे भाई हैं। अभी तक की जांच में खुलासा हुआ है कि बच्चे वंदे भारत ट्रेन को देखने के लिए आए थे, तभी खेल-खेल में कोच पर पथराव कर दिया।

संघ प्रमुख गुरुवार को दोपहर 2 बजे के करीब वंदे भारत ट्रेन से लखनऊ से मेरठ के लिए रवाना हुए थे। जैसे ही ट्रेन अपरान्ह 3.20 बजे के करीब हरदोई जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र के बलोखर फाटक के पास पहंची, तभी एक पत्थर ट्रेन के कोच की खिड़की पर पत्थर जोर से लगा। जिस कोच की खिड़की पर पत्थर लगा उसके बराबर वाले कोच में संघ प्रमुख बैठे थे। पुलिस ने तुरंत उनका कोच बदल दिया गया। उधर

अज्ञात के खिलाफ मुकदमा कायम कर जीआरपी और आरपीएफ ने सीसी कैमरे तलाश कर दो किशोरों को अभिरक्षा में ले लिया। पुलिस के मुताबिक, एक बच्चे की उम्र 12 साल है, जो कि शाहजहांपुर जिले का रहने वाला है। दूसरे की उम्र 14 साल है। दोनों रिश्ते में भाई लगते हैं। दोनों को जुवेलाइन कोर्ट में पेश किया गया।

एडीजी जीआरपी प्रकाश डी. ने बताया कि सीसी कैमरों की सहायता से शुक्रवार को दो किशोर को अभिरक्षा में ले लिया गया। दोनों को जुवेनाइल कोर्ट में पेश किया गया।

न्यूज ब्रीफ

दो साल की बच्ची का अपहरण, बरामद

हरिद्वार। नगर के तुलसी चौक से गुरुवार आधी रात बच्चा गैंग ने दो साल की बच्ची का अपहरण कर लिया। बच्ची के परिजनों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। एसएसपी नवनीत सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही तत्काल अभियोग दर्ज कर एएचटीयू, सीआईयू और पुलिस की पांच टीमों का गठन किया गया और पूरे शहर में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया गया। अपहृत बच्ची को महज चार घंटे में ऋषिकुल चौक बस स्टॉप के पास लावारिस हालत में बरामद कर लिया गया। एसएसपी ने बताया कि, अब तक जुटाए गए सबूतों को जोड़कर पुलिस टीमें अपहरणकर्ताओं की तलाश में जुटी हुई हैं।

अमेठी में चलती ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

अमेठी, एजेंसी : जिले में शुक्रवार को एक चलती ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, जायस थाना क्षेत्र के मवई आलमपुर गांव का रहने वाला दिनेश कुमार (35) अपनी पत्नी के साथ इलाज के लिए जनता एक्सप्रेस से गौरीगंज स्थित जिला चिकित्सालय जा रहा था। पुलिस ने बताया कि वह ट्रेन के गेट के पास था कि तभी अचानक तेज रफ्तार के कारण वह ट्रेन से नीचे गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, घटना लखनऊ-वाराणसी रेल खंड की है।

ट्रांसजेंडर हत्याकांड मामले में तीन गिरफ्तार

बलिया, एजेंसी : जिले में 65 वर्षीय एक ट्रांसजेंडर की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि जिस ट्रांसजेंडर की हत्या हुई, वह बिहार का रहने वाला था। बैरिया क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद फहीम कुरैशी ने बताया कि पुलिस ने रेखा (65) की हत्या के आरोप में तीन आरोपियों विजय कुमार गुप्ता, मोना कुमारी और रीता देवी को गिरफ्तार किया। बिहार के छपरा जिले की रेखा का खून से लथपथ शव गुरुवार को विजय कुमार गुप्ता के घर की छत पर मिला था। रेखा मंगलवार से लापती थी।

48 किग्रा चरस के साथ गिरफ्तार

महाराजगंज, एजेंसी : जिले के ठूठीबारी से नौतनवा की ओर कार में यात्रा कर रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से 48.686 किलोग्राम चरस बरामद की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि बरामद चरस की अंतर्राष्ट्रीय बजार में कीमत लगभग 20 करोड़ रुपये है। अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ ने बताया कि आरोपी की पहचान महराजगंज निवासी राकेश यादव (35) के रूप में हुई है, जिसे नियमित वाहन जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया। यादव गुरुवार रात ठूठीबारी से नौतनवा की ओर एक कार में यात्रा कर रहे थे, जब पुलिस ने जांच के लिए वाहन को रोका और उनके कब्जे से 59 पैकेट में पैक 48.686 किलोग्राम चरस बरामद की।

फूफा ने भतीजी के साथ की छेड़छाड़

शक्तिफार्म : क्षेत्र में एक फूफा द्वारा अपनी ही 9 वर्षीय भतीजी के साथ छेड़छाड़ का शर्मनाक मामला सामने आया है। पीड़िता की मां, जो काम के सिलसिले में मध्य प्रदेश में थी, ने बताया कि मासूम ने फोन पर आपबीती सुनाई। हैरानी की बात है कि शिकायत करने पर दादी ने बच्ची को चुप रहने को कहा, जबकि आरोपी की पत्नी (बुआ) विवाद के बाद घर छोड़कर चली गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी बीएस धौनी के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मृतक के परिवार को मुआवजा देने को गाइडलाइंस बनाए सरकार

कोर्ट ने पीलीभीत के मामले में 10 लाख का मुआवजा देने का दिया आदेश

कस्टोडियल डेथ मामला

विधि संवाददाता,लखनऊ

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कस्टोडियल डेथ के मामलों में मृतक के परिवार को मुआवजा प्रदान करने के लिए गाइडलाइंस बनाने का आदेश राज्य सरकार को दिया है। इसी के साथ कोर्ट ने पीलीभीत के एक कस्टोडियल डेथ के मामले में मृतक बंदी के परिवार को दस लाख रुपये का मुआवजा तीन सप्ताह में देने का भी आदेश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ़ व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने पीलीभीत जिला जेल में याची के नाबालिग पुत्र की अप्राकृतिक मृत्यु के मामले में पारित किया है। याचिका में कहा गया था कि वर्ष 2016 में पीलीभीत जनपद के पूरनपुर थाने की पुलिस ने नाबालिग पुत्र के विरुद्ध दुष्कर्म एवं पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया था। वह लगभग तीन वर्ष दस माह तक कारावास में रहा। जमानत मिलने के पश्चात उसे विचारण कोर्ट के समक्ष उपस्थित होना था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हो सका। परिणामतः ट्रायल कोर्ट द्वारा जारी वारंट के अनुपालन में उसे पुनः गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। 20 फरवरी 2024 को उसकी जेल में मृत्यु हो गई। मजिस्ट्रेट जांच में पाया गया कि याची के पुत्र ने आत्महत्या की। कोर्ट ने कहा कि मृतक की मृत्यु राज्य प्राधिकारियों की अभिरक्षा एवं नियंत्रण में हुई। अभिलेख पर उपलब्ध सामग्री से यह स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है।

कोर्ट की टिप्पणी

कोर्ट ने कहा कि हिरासत में यातना मानव गरिमा का उल्लंघन है। जो पीड़ित के आत्म सम्मान और अस्तित्व को मूल से नष्ट कर देती है। जब भी मानव गरिमा आहत होती है, सभ्यता एक कदम पीछे चली जाती है। जांच प्रणाली से यातना को समाप्त करने की सिफारिशों के बावजूद पुलिस हिरासत और जेलों में यातना एवं मृत्यु की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक हैं। हिरासत में हिंसा और मौतें विधि के शासन की मूल भावना पर प्रहार हैं। राज्य अपनी अभिरक्षा में रखे गए व्यक्तियों के जीवन और स्वतंत्रता का संरक्षक है। उन की सुरक्षा सुनिश्चित करने का कठोर एवं अपरिहार्य दायित्व उस पर है।

क्लैट-यूजी-2026 की मेरिट सूची को संशोधित करने के आदेश पर रोक

प्रयागराज,अमृत विचार: इलाहाबाद हाइकोर्ट ने 3 फरवरी को पारित एकलपीठ के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के संघ को क्लैट-यूजी-2026 की संपूर्ण मेरिट सूची को भविष्य की काउंसलिंग के लिए संशोधित करने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि इस प्रक्रिया में पहले चरण में प्रवेश ले चुके छात्रों को नहीं छेड़ा जाएगा, लेकिन आगे की काउंसलिंग नई सूची पर हो सकती है।

दरअसल संपूर्ण विवाद रीजनिंग के एक प्रश्न से उत्पन्न हुआ। एकलपीठ ने पाया था कि उच्चस्तरीय 'निगरानी समिति' ने एक विवादित प्रश्न के संबंध में विषय विशेषज्ञों की राय को बिना कोई कारण बताए निरस्त कर दिया था, जो मनमाना कदम था। न्यायमूर्ति विवेक सारन ने संघ को निर्देश दिया कि क्लैट-2026 प्रवेश परीक्षा के बुकलेट-सी के प्रश्न संख्या 9 के लिए दो विकल्प 'बी' और 'डी' को सही माना जाए, साथ ही अन्य बुकलेट में उसी प्रश्न के अनुरूप प्रश्नों पर भी यही व्यवस्था लागू की जाए और एक माह के भीतर संशोधित मेरिट सूची पुनः प्रकाशित की जाए।

पुष्प प्रदर्शनी

प्रयागराज के चंद्र शेखर आजाद पार्क में शुक्रवार को राजकीय उद्यान द्वारा आयोजित पुष्प प्रदर्शनी में फूलों से बनी हाथी की प्रतिमा को देखती लड़कियां। ● एजेंसी

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद मामले की अगली सुनवाई 12 मार्च को

प्रयागराज, एजेंसी : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में मुस्लिम पक्ष द्वारा दायर संशोधन याचिका पर अगली सुनवाई की तारीख 12 मार्च तय की। मुगल सम्राट औरंगजेब के समय की शाही ईदगाह मस्जिद को लेकर यह विवाद है। इस मस्जिद के बारे में हिंदुओं के एक वर्ग का दावा है कि इसे भगवान कृष्ण के जन्मस्थान पर एक मंदिर को ध्वस्त करके बनाया गया था। शुक्रवार को जब मामले की सुनवाई हुई, तो मुस्लिम पक्ष की वकील तसनीम अहमदी ने अदालत को बताया कि उनके द्वारा दायर की गई संशोधन याचिका को स्वीकार कर लिया गया है लेकिन अदालत को संशोधन याचिका को स्वीकार करने वाला ऐसा कोई आदेश रिकॉर्ड में नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने समय देने का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना ने अगली सुनवाई की तारीख 12 मार्च तय की। यह विवाद शाही ईदगाह मस्जिद को हटाए जाने के बाद भूमि पर कब्जे और मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए हिंदू पक्ष द्वारा दायर 18 मुकदमों से संबंधित है। उच्च न्यायालय ने एक अगस्त, 2024 को हिंदू श्रद्धालुओं के मुकदमों की वैधता को चुनौती देने वाली मुस्लिम पक्ष की याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

पत्नी के अवैध संबंधों के चलते पति ने दे दी जान

संवाददाता, बिलासपुर

● बेटी ने मां और उसके प्रेमी के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार : उत्तराखंड से सटे गांव डिबडिबा में व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बेटी ने मां और उसके प्रेमी पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मोहल्ला रम्पुरा रुद्रपुर उत्तराखंड निवासी मनीषा देवी ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा कि 27 साल पहले उनकी मां हरिया देवी की शादी डिबडिबा निवासी छोटे लाल से हुई थी। वह छह भाई-बहन हैं। छह साल पहले मां ने ऊधमसिंह नगर के थाना ट्रांजिट कैंप के गांव फुलसुंघी निवासी विजय साहनी से दिल्ली में कोर्ट मैरिज कर ली और उसके साथ रहने लगी थीं। छह महीने पहले मां डिबडिबा आकर छोटे लाल के साथ रहने लगीं, लेकिन विजय साहनी से संबंध नहीं तोड़े। विजय अक्सर डिबडिबा आता-जाता था। इसी बात को लेकर गुरुवार को पिता छोटे लाल का मां हरिया देवी से झगड़ा हुआ। इसके बाद पिता ने जहर खा लिया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। रुद्र-बिलास चौकी प्रभारी चंद्रवीर सिंह ने बताया कि मौके से साक्ष्य एकत्रित करने के लिए रात में ही फॉरेंसिक टीम भी पहुंच गई थी। इस पर प्रभारी निरीक्षक जीत सिंह ने बताया कि मनीषा की तहरीर पर हरिया देवी और विजय साहनी के विरुद्ध बीएनएस की धारा-108 के तहत मामला दर्ज किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज विवेचना शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, जांच के तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

दिन दहाड़े फावड़े से युवक की हत्या

कार्यालय संवाददाता,संभल/बबराला

अमृत विचार : शक और तेज आवाज में बात करने से नाराज आरोपी ने खाना खा रहे मजदूर पर फावड़ा से शुक्रवार को हमला कर दिया। जिससे मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आरोपी ने मजदूर पर महिलाओं को घूरने का आरोप लगाते हुए सवाल जबाव किए। श्रमिक ने भी तेज आवाज में बात की तब आरोपी ने हमला कर दिया। दिन दहाड़े हुई हत्या से आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई।

सूचना मिलने पर मौके पर एएसपी कुलदीप सिंह, सीओ आलोक सिद्धू थाना जुनावाई प्रभारी अखिलेश प्रधान और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच की। साथ ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

संभल जिले के गुन्नौर तहसील के थाना जुनावाई के गांव मिठनपुर में जेएमडी ग्वालियर कंपनी की ओर से बीएसएनएल की फाइबर लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। लाइन डालने के लिए सड़क की खुदाई का काम मजदूर कर रहे हैं। शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे काम करने के बाद लखीमपुर खीरी जनपद के थाना ईसानगर के गांव मिसरी निवासी ओमकार पासी (29) पुत्र शंभू खाना खा रहा था। इसी बीच मौके पर अलीगढ़ जिले के थाना दादो के गांव अटा निवासी राजबहादुर यादव पुत्र रामप्रसाद मौके पर पहुंच गया। वह ओमकार से विवाद करने लगा। इससे पहले कोई कुछ समझ पाता। राजबहादुर ने पास रखे फावड़ा को उठाया और ओमकार पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। जिससे वह घायल होकर जमीन पर गिर गया। ओमकार के साथ में काम कर रहे मजदूर दौड़कर मौके पर पहुंचे और उसे उठाकर अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

संभल के जुनावई में युवक की हत्या के बाद पड़ताल करती फॉरेंसिक टीम।

जनसुरक्षा निजी अधिकारों से ऊपर नहीं: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,,प्रयागराज

● जर्जर भवन के ध्वस्तीकरण मामले में कोर्ट ने की टिप्पणी

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी स्थित एक जर्जर भवन के ध्वस्तीकरण और उससे प्रभावित किराएदारी अधिकारों के संबंध में स्पष्ट किया कि किरायेदारी अधिकार विधिसम्मत हैं, लेकिन सार्वजनिक सुरक्षा, किराएदारी अधिकारों पर प्राथमिकता रखती है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि किराएदारी अधिकार किराएदारों को ऐसे जर्जर भवन में निवास जारी रखने का लाइसेंस नहीं दे सकते, जो सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा बन चुका हो।

कोर्ट ने यह भी कहा कि यद्यपि ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया प्राथमिक है, लेकिन सामान्य परिस्थितियों में निवासियों को अपना सामान हटाने का उचित अवसर दिया जाना चाहिए, जब तक कि स्थिति अत्यावश्यक न हो।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने मुक्तेश्वर महादेव मुक्तेश्वरी दुर्गा धर्मार्थ सेवा समिति और अन्य की याचिका स्वीकार करते हुए पारित किया।

इसके साथ ही कोर्ट ने नगर निगम, वाराणसी को दो सप्ताह के भीतर संबंधित भवन को ध्वस्त करने का निर्देश दिया है और ध्वस्तीकरण के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया। याचिका के तथ्यों के अनुसार इंग्लिशिया लाइन, वाराणसी स्थित भवन अत्यंत जर्जर अवस्था में है।

रुपजहां ऑनर किलिंग मामले में प्रेमी शिवम की मां ने दर्ज कराई रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता,संभल/ओबरी

अमृत विचार : असमोली थाना क्षेत्र के मतावली पट्टी गांव में हिंदू समुदाय के युवक से प्यार करने से नाराज युवती की गला दबाकर हत्या करने के मामले में जहां अपना अपराध स्वीकार करने वाला युवती का भाई पुलिस की हिरासत में है। पुलिस परिवार के बाकी लोगों की भूमिका की भी गहराई से जांच कर रही है।

हत्या आरोपी जाने आलम।

मतवाली पट्टी गांव के रहने वाले मुस्लिम समुदाय के नौशे की बेटी रूपजहां की आंखें गांव के ही रहने वाले हिंदू समुदाय के युवक शिवम सैनी से चार हुई तो दोनों ने समाज की परवाह छोड़कर अलग दुनिया बसाने का फैसला कर लिया। शिवम के साथ घर बसाने की जिद पर अड़ी रूप जहां ने घरवालों से साफ कह दिया कि वह शिवम के साथ ही शादी करेगी चाहे कुछ भी हो जाए। शिवम की मां हर प्यारी का कहना है की दोनों के बीच एक साल से चल रहे प्यार के बीच 2 महीने पहले शिवम ने रूपजहां से चुपचाप शादी कर ली थी। इसके बाद से विवाद ज्यादा बढ़ गया था। दो दिन पहले मामला थाने तक पहुंचा था।

रूपजहां के घर के बाहर खड़े लोग। ● अमृत विचार

रूपजहां की हत्या का स्थान दिखाता नौशे।

● पुलिस पूरे प्रकरण की कर रही गहनता से जांच, परिजनों पर शक

इसके बाद गुरुवार रात रूपजहां की हत्या कर दी गई। रूप जहां के भाई जाने आलम ने गुरुवार रात 9:57 पर डायल 112 को फोन कर कहा कि मैंने अपनी बहन की हत्या कर दी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जाने आलम को हिरासत में ले लिया, लेकिन पुलिस अब अपनी जांच को जाने आलम के बयान से आगे बढ़ा रही है। रूपजहां के पिता और उसका दूसरा भाई भी पुलिस की जांच के दायरे में है। पुलिस क्षेत्राधिकारी कुलदीप कुमार ने बताया की पुलिस जांच कर रही है।

प्रेमी की मां ने दर्ज कराई रूपजहां की हत्या की रिपोर्ट : रूप जहां की हत्या के मामले में असमोली थाना पुलिस ने प्रेमी युवक शिवम सैनी की मां हर प्यारी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है। वहीं प्रेमी शिवम की मां हरप्यारी की तरफ से जो मुकदमा दर्ज कराया गया है उसमें कहा गया है कि मेरा बेटा शिवम 22 साल का है जो गांव के रहने वाले नौशे की 21 साल उम्र की बेटी रूपजहां से पिछले 1 साल से प्यार करता था। दो माह पहले बिना किसी को बताए शादी कर ली थी। अब रूप जहां के बड़े भाई जाने आलम ने रूप जहां की हत्या कर दी है।

बेटी की हत्या पर पिता बोला कोई अफसोस नहीं

रुपजहां के पिता नौशे ने बताया कि बेटी रूपजहां का आचरण ठीक नहीं था। पिछले कई माह से गांव में जग हंसाई हो रही थी। वह दूसरे हिंदू के एक लड़के शिवम सैनी से शादी की बात पर अड़ी थी। शिवम कभी घर के बाहर आ जाता था तो कभी घर में मोबाइल देकर चला जाता था। बेटी सुनने को तैयार नहीं थी। इस हालात में गांव के लोग मज़ाक उड़ाकर तमाम तरह की बातें कह रहे थे। नौशे ने कहा कि मेरे बेटे जाने आलम ने रूपजहां की जान ली है। कहा कि बेटी की हत्या पर न तो उन्हें पछतावा है और न ही उनके बेटे को। बोला ऐसी लड़की को मारना ही सही है जो बेइज्जती करा रही हो।

थाने में कहा था कि शिवम के साथ रहेगी

बुधवार को जब रूपजहां के परिजनों ने उसे डांटा-फटकारा। इसके बाद रूपजहां ने प्रेमी शिवम सैनी के साथ शादी कर उसके साथ रहने की इच्छा जताते हुए अपनी जान को खतरा बताया और असमोली पुलिस को फोन कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे थाने ले गई, जहां वह शिवम से शादी कराने की जिद पर अड़ गई। पुलिस ने शिवम और दोनों पक्षों के परिजनों को भी थाने बुलाया। ग्राम प्रधान के कहने पर पुलिस ने रूपजहां को प्रधान और परिजनों के साथ वापस घर भेज दिया। इसके बाद गुरुवार को परिवार ने उसे काफी समझाने की कोशिश की, लेकिन वह अपने फैसले पर कायम रही। रूपजहां पांच भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर थी। उससे दो बड़े भाई और दो छोटी बहनें हैं। वह इंटर पास थी और गांव के ही एक स्कूल से पढ़ाई की थी। परिवार और समाज के दबाव के बीच अपने फैसले पर अडिग रहने वाली इस युवती की जिंदगी महज कुछ ही पलों में खत्म हो गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी कुलदीप कुमार ने बताया कि कॉल डिटेल, मोबाइल रिकॉर्ड और परिजनों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विकसित उत्तराखंड के निर्माण का रोडमैप बनेगा बजट : धामी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

● संवाद, सहयोग, सहभागिता और सुझाव ही उत्तराखंड की ताकत

अमृत विचार : जनपद पौड़ी के रांसी स्थित बहुउद्देश्यीय भवन में शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए जनप्रतिनिधियों, कृषकों, उद्यमियों, व्यापारियों, महिला समूहों, पर्यटन व्यवसायियों, मत्स्य पालकों, कृषि वैज्ञानिकों, स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों ने सहभागिता करते हुए आगामी बजट के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसा जनहितकारी बजट तैयार करना है, जो प्रदेश की जमीनी आवश्यकताओं, क्षेत्रीय विशेषताओं और जनअपेक्षाओं के अनुरूप हो। बजट केवल आय-व्यय का दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित उत्तराखंड के निर्माण का रोडमैप है, जिसमें प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस संवाद कार्यक्रम में शामिल होकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव देने के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि समाज के प्रत्येक वर्ग जैसे पर्यटन व्यवसायियों, व्यापारियों, महिला स्वयं सहायता समूहों, किसानों और उद्यमियों की अपेक्षाएं और आवश्यकताएं बजट में समुचित रूप से परिलक्षित हों। इस संवाद के दौरान अनेक व्यावहारिक और दूरदर्शी सुझाव प्राप्त हुए हैं, जो राज्य के विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

रुद्रपुर में खून से लथपथ मिला युवा व्यापारी, सिर पर लगी गोली

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कोतवाली इलाके के सिविल लाइंस स्थित एक दुकान में खून से लथपथ युवा व्यापारी के पड़े होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि घटना गुरुवार की देर रात्रि की है और व्यापारी की हालत नाजुक बनी हुई है। सुबह होने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया और दुकान के अंदर से एक अवैध पिस्टल भी बरामद की। पुलिस सुसाइड या फिर हत्या की कोशिश की दिशा में अपनी तफ्तीश कर रही है।

जानकारी के अनुसार आदर्श कॉलोनी निवासी युवा व्यापारी 25 वर्षीय ध्रुव चावला का सिविल लाइंस स्थित किक्स विला नाम से जूते का शोरूम है। रोज की भांति गुरुवार को भी व्यापारी ने साढ़े 8 बजे अपनी मां से फोन पर बातचीत की और जल्द दुकान बंद कर आने की बात कही थी। काफी देर तक फोन नहीं उठा तो पार्टनर रात्रि सवा 10 बजे दुकान पहुंचा तो देखा कि ध्रुव खून से लथपथ फर्श पर पड़ा था। व्यापारी के सिर में गोली का निशान था और नजदीक ही एक अवैध पिस्टल भी पड़ी हुई थी।

ध्रुव चावला।

आनन फानन में व्यापारी को कई प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। जहां नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने दिल्ली रेफर कर दिया। शुक्रवार की सुबह वारदात की जानकारी मिलते ही एसएसआई केसी आर्य फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस का कहना था कि घटनास्थल पर पड़ी पिस्टल अवैध है। जिसका कोई लाइसेंस सामने नहीं आया है। फिलहाल पुलिस ने तफ्तीश शुरू कर दी है।

व्यापारी ध्रुव घायल प्रकरण में अनसुलझे सवालों की गुत्थी नजदीक लगे सीसीटीवी कैमरे खोलेंगे। ऐसा मानना कोतवाली पुलिस का है। कारण शू शोरूम के तो कैमरे बंद हो चुके थे, लेकिन सटी दुकानों के सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में हैं। अब पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि वारदात के वक्त दुकान के अंदर कौन-कौन बाहर निकले। गोली की आवाज किस वक्त आई। घायल व्यापारी को किस वक्त अस्पताल पहुंचाया गया। ध्रुव ज्यादातर किस हाथ का इस्तेमाल करता है। सुसाइड की ठोस वजह और संदिग्ध गोली कांड की वास्तविकता की पोल कैमरे ही खोल सकते हैं।

केमिकल लदे ट्रक में लगी भीषण आग

संभल/सिरसी, अमृत विचार: हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र में सिरसी के पास संभल-मुरादाबाद मार्ग पर शुक्रवार शाम केमिकल से लदे एक ट्रक में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि तीन फायर ब्रिगेड गाड़ियों के पहुंचने के बाद भी देर तक लपटें उठती रहीं।

शुक्रवार दोपहर बाद एक ट्रक मुहम्मदपुर मालनी से कूलर वाली घास भरकर संभल-मुरादाबाद रोड पर आया ही था कि उसमें से धुआं उठता दिखाई दिया। बाइक सवारों ने जब ट्रक चालक को इसकी सूचना दी तो उसने तुरंत वाहन रोककर जांच की। चालक ने डाला खोलकर घास नीचे फेंकनी शुरू की, लेकिन इसी दौरान आग भड़क उठी। स्थिति बिगड़ती देख चालक आग से जलते ट्रक को दौड़ाकर कुछ दूरी पर एक होटल के पास ले गया। वहां मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए ट्रक में रखे केमिकल के कुछ ड्रम जल्दी-जल्दी नीचे उतार लिए।

पिकअप खाई में गिरी पांच लोग हुए घायल

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: विकासखंड सल्ट में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार सुबह डोटियाल से सराईखेत मार्ग पर लमखाल के पास एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर लगभग 50 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार डोटियाल से करीब एक किलोमीटर आगे सड़क की हालत बेहद खराब है। इसी दौरान सामने से आ रही एक बस को पास देने के प्रयास में पिकअप वाहन का टायर एक गहरे गड्ढे में जाने से चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और पिकअप सीधे खाई में समा गई। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए घायलों को खाई से बाहर निकाला पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस ने हादसे में चालक साकम सिंह (35), राजेंद्र सिंह (36), सुभाष (19), चंद्रसेन (41) और विजेंद्र सिंह (36) को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवायल भेजा। जहां डॉक्टरों ने घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

सल्ट के डोटियाल के पास दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वाहन।

अमृत विचार

बरेली , शनिवार,21 फरवरी 2026

बरेली देहात

बाइकों की भिड़ंत में छात्र की मौत,परीक्षा छूटी

आमने-सामने भिड़ंत में परीक्षा देने जा रहे चार घायल, दो छात्रों ने घायलवस्था में दी परीक्षा

- एक छात्र के पैर की दो जगह से हड्डी टूटी, अस्पताल में भर्ती परीक्षा छूटी

संवाददाता, अलीगंज /राजपुर कलां

अमृत विचार : हाईस्कूल की परीक्षा देने जा रहे दो बाइकों पर सवार छात्रों की आमने-सामने की टक्कर में एक 16 वर्षीय छात्र की मौत हो गई, जबकि चार अन्य छात्र घायल हो गए। हादसे के बाद भी दो घायल छात्रों ने साहस दिखाते हुए परीक्षा दी।

मृतक अमीन

अलीगंज थाना क्षेत्र के गांव अंतपुर निवासी मोहम्मद अमीन (16) शुक्रवार सुबह अपने दोस्त पिंटू के साथ बाइक से चाचा नेहरू इंटर कॉलेज, आंवला में हाईस्कूल की परीक्षा देने जा रहा था। इसी दौरान आंवला की ओर से नितिन अपने दो साथियों अंकुर सिंह और राघव शाक्य के साथ बाइक से कुंवरपुर गांव स्थित वीरांगना अवंती बाई लोधी इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर परीक्षा देने आ रहा था। रास्ते में दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में पांचों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां मोहम्मद अमीन की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

गंभीर रूप से घायल नितिन को बेहतर उपचार के लिए बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं प्राथमिक उपचार के बाद घायल अंकुर सिंह और राघव शाक्य ने साहस का परिचय देते हुए घायल अवस्था में ही हाईस्कूल की परीक्षा दी।

अमीन के साथी पिंटू का पैर दो स्थानों से टूट गया है, जिसका इलाज आंवला के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

सुबह जैसे ही अमीन की मौत की सूचना गांव अंतपुर पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अमीन पांच भाई-बहनों में सबसे छोटा था। गांव में शोक की लहर है।

बाइक फिसली ट्रक के पहिये से कुचला सिर, युवक की मौत

भोजीपुरा ,अमृत विचार :नैनीताल हाइवे पर बाइक सवार युवक ट्रक की चपेट में आ गया। युवक की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक और चालक को पकड़ लिया है। जानकारी के अनुसार बहेड़ी थाना क्षेत्र के गांव छितौनिया निवासी 19 वर्षीय पवन भोजीपुरा के गांव लखमपुर स्थित घर से बहेड़ी जा रहा था। शुक्रवार दोपहर में उसने इटौआ रोड पर ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश की तभी बाइक फिसल गई और वह ट्रक की चपेट में आ गया। ट्रक के पहिए से पवन का सिर बुरी तरह कुचल गया। पवन की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रक चालक को ट्रक समेत पकड़ लिया। मृतक के मोबाइल से परिजनों को पुलिस ने सूचना दी। पुलिस से सूचना मिलते ही रोते बिलखते परिजन भोजीपुरा थाने पहुंचे। पुलिस ने पंचायत नामे की कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। परिजनों ने बताया कि पवन दो भाईयों में बड़ा था। बहेड़ी में कारपेंटर का काम सीख रहा था।एस आई दीपक कुमार ने बताया पवन हेल्मेट नहीं पहने था। पवन की मौत से घर में कोहराम मचा है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

बेटी की शादी में जा रहे पुजारी की वाहन की टक्कर से मौत

अलीगंज, राजपुर कलां, अमृत विचार : गुरुवार की देर रात थाना क्षेत्र अलीगंज के ही गांव पाडी के देव स्थान के पुजारी वीरपाल (52) को अलीगंज गैनी मार्ग पर घर जाते समय किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई वाहन चालक फरार हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम को भेज दिया। ग्राम प्रधान राकेश सिंह ने बताया थाना बिशारतगंज के गांव भीकमपुर के वीरपाल पिछले कई साल से वीरपाल पांडी गांव के देवस्थान पर रहते थे। गुरुवार को उनकी पुत्री दीक्षा की शादी थी । शादी में शामिल होने के लिए वह पैदल ही अपने गांव भीकमपुर को जा रहे थे तभी अलीगंज गैनी मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। मृतक की तीन पुत्रियां हैं जिनमें बड़ी बेटी शालू की शादी 2 फरवरी और उससे छोटी बेटी दीक्षा की शादी गमगीन माहौल में मृतक की पत्नी गुड्डी देवी ने परिजनों के सहयोग से कर दी । वीरपाल का अंतिम संस्कार पाडी गांव के देव स्थान में पर किया गया ।

मृतक वीरपाल

हाइवे पर रोलर की टक्कर से पति की मौत,पत्नी अस्पताल में भर्ती, हालत गंभीर

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : शुक्रवार देर रात नेशनल हाइवे के झुमका तिराहे के पास रोड पर कार्य कर रहें रोलर की टक्कर से सुसराल से घर लौट रहे बाइक सवार दंपती गंभीर घायल हो गये। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेज दिया। जहां डाक्टर ने नन्हे लाल को मृत घोषित कर दिया। पत्नी उर्मिला की हालत नाजुक है। शुक्रवार को रामपुर की कोतवाली मिलक के गांव धरमपुरा निवासी नन्हे लाल पत्नी उर्मिला के साथ बाइक से देर शाम अपनी सुसराल सीबी गंज के गांव मथुरापुर से अपने घर लौट रहे थे। झुमका चौराहे से निकलने के बाद नव निर्मित रोड पर कार्य कर रहे रोलर ने बाइक में टक्कर मार दी। थाना प्रभारी प्रयागराज सिंह ने परिजनों को सूचना कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

दावत से लौट रहे युवक की बाइक पेड़ से टकराई, मौत

शेरगढ़,अमृत विचार : शादी समारोह में दावत खाकर बाइक से लौट रहे एक 35 वर्षीय युवक की बाइक पेड़ से टकरा गई और वह गिरकर घायल हो गया। सिर में लगी चोट और खून बहने से उसकी हालत गंभीर हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल भेजा जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक भूपसिंह मौर्य

कस्बे के मोहल्ला डूंगरपुर निवासी भूपसिंह मौर्य(35) शुक्रवार को देर सायं बहेड़ी के गांव बहादुरपुर से शादी समारोह से लौट रहे थे। जशनपुर के पास उनकी बाइक सामने वाहन को बचाने के चक्कर में असंतुलित होकर पेड़ टकरा गई। जिससे वह घायल हो गये। पुलिस ने उन्हें उपचार को जिला अस्पताल भेजा,यहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

युवक कस्बे की गैस एजेंसी पर गैस वितरण का कार्य करता था। मृतक की पत्नी रूपवती और माता गंगा प्यारी पिता डोरीलाल का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की दो बेटियां मनीषा,आराध्या और एक बेटा दिव्यांश है। तीन बहनों में अकेला भाई था। हादसे से कस्बे में शोक का माहौल है।

रेस्टोरेंट में बेटी के साथ बैठे प्रेमी को पिता ने पीटा तो छत पर चढ़ा युवक

संवाददाता, फरीदपुर

- पिटाई से ग्लानि महसूस हुई तो छत से कूदने पहुंच गया, पहुंची मां, बेटे को साथ ले गई
- लड़की का पिता कई दिनों से बेटी की गतिविधियों पर रख रहा था नजर
- घर से स्कूल जाने को निकली लेकिन रेस्टोरेंट में पहुंची, पिता ने रंगेहाथ पकड़ा

अमृत विचार : रेस्टोरेंट में प्रेमी युगल के परिजन के पहुंचने पर उस समय हाईवोल्टेज ड्रामा हो गया जब छात्रा के पिता द्वारा बेटी के साथ बैठे छात्र को पीट डाला। प्रेमिका के सामने पिटाई से क्षुब्ध और ग्लानि महसूस होने पर छात्र रेस्टोरेंट की छत पर चढ़ गया और वहां से कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास करने लगा। लोगों ने उसे बातों में उलझाए रखा और इस बीच सूचना पर पहुंची छात्र की मां बेटे को समझाकर नीचे उतारा और अपने साथ ले गई। पुलिस को भी सूचना दी गईलेकिन मौके पर वह नहीं पहुंची। मामले की तहरीर किसी ने नहीं दी है।

नगर के मेन रोड स्थित बुध बाजार के सामने बने रेस्टोरेंट में दुकानदार द्वारा प्रेमी जोड़े को बैठने के लिए झोपड़ीनुमा कक्ष बना रखे हैं जिसमें वह प्रेमी जोड़े के बैठा कर घंटे के हिसाब में रुपए वसूलता हैं । शुक्रवार को थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी छात्र एक छात्रा को लेकर रेस्टोरेंट में सुबह 10 बजे पहुंचा गया और दोनों पीछे हट में जाकर बैठ गए। बेटी की गतिविधियों पर नजर रख रहे पिता भी कुछ देर में छात्रा का पीछा करते हुए उसी जगह पहुंच गये। उन्होंने रेस्टोरेंट में प्रेमी के साथ बेटी को आपत्तिजनक हालत में देखा तो अपना आपा खो बैठे और दोनों की वहीं पर जमकर पिटाई लगा दी। इससे प्रेमी घायल हो गया। हंगामा होते देख किसी ने पुलिस को सूचना दी लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची । प्रेमिका के पिता द्वारा पीटे जाने से क्षुब्ध होकर प्रेमी रेस्टोरेंट की छत पर चढ़ गया और आत्महत्या का प्रयास करने लगा। मामले की सूचना लड़के के परिजन को मिली तो छात्र की मां भी मौके पर पहुंच गई। उसने बेटे को समझाया और उसे अपने साथ ले गई। समाचार लिखे जाने तक किसी ने भी पुलिस को समाज में अपनी बदनामी के खातिर तहरीर नहीं दी गई।

स्कूल के बाहर खड़ी ग्रामीण की बाइक चोरी

मानपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम सियाठेरी में स्थित एक स्कूल में प्रोग्राम देख रहे ग्रामीण की बाहर खड़ी बाइक अज्ञात चोर चुरा ले गया। ग्रामीण की तहरीर पर पुलिस में मुकद्दमा दर्ज कर बाइक की तलाश शुरू कर दी है।

ग्राम ख़िजरपुर निवासी मो. आरिफ ने पुलिस को बताया कि वह बाइक से ग्राम सियाठेरी में स्थित एक स्कूल में चल रहे कार्यक्रम देखने गए थे। उन्होंने बाइक स्कूल के बाहर खड़ी कर दी थी। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब वह स्कूल से बाहर आए तो उनकी बाइक गायब थी। काफी तलाशने के बाद भी बाइक का पता नहीं चल पाया।

सर्राफा व्यापारी को मारी गोली, घायल

नवाबगंज / हाफिजगंज, अमृत विचार: नवाबगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम एक युवक को गोली मारने मार दी गई। घायल युवक की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

घायल देवेन्द्र

गांव गोशलपुर निवासी सर्राफा व्यापारी देवेंद्र कुमार पुत्र धर्मवीर ने बताया कि शुक्रवार की शाम वह अपनी जगह पर बैठा हुआ था। उसी दौरान किराना दुकान चलाने वाले आयुष पुत्र सुखराम ने अचानक उसकी ओर गोली चला दी, जो सीधे उसके पैर में आकर लगी।

गोली लगते ही वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। पीड़ित ने इस घटना में आयुष पुत्र सुखराम और उसके पिता सुखराम पुत्र गंगाराम को नामजद किया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित को सीएचसी रेफर किया है।जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया ।

समस्याओं को लेकर भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

आंवला, अमृत विचार :भारत अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते पर पुनर्विचार करने, किसानों को सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी कानून बनाने गेहूं का समर्थन मूल्य पांच हजार व मक्का का 3500 रुपये कुंतल करने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने नायब तहसीलदार को सौंपा।

तहसील परिसर में शुक्रवार को किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर तहसील अध्यक्ष महाराज सिंह यादव के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया। राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन में यूनियन ने कहा है कि एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित कराने हेतु पर्याप्त संख्या में सरकारी क्रय केंद्र खोले जाने की भी मांग उठाई गई। किसान नेताओं ने यूरिया खाद के बैग का वजन घटाने व कीमत बढ़ाने के निर्णय को किसान विरोधी बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की।

संगठन नेताओं ने कहा कि सिंचाईके लिए किसानों को समय पर बिजली नहीं मिलती है। दिन के समय निर्बाध बिजली आपूर्ति मिले तो किसान खेतों की सिचांई कर सकता है। उन्होंने आवारा पशुओं को किसानों की आय का दुश्मन बताया है। उन्होंने मांग करते हुए किसानों की समस्याओं के शीघ्र समाधान की अपील की।

खेत बेचने से इन्कार,विधवा से मारपीट, रिपोर्ट

हाफिजगंज,अमृत विचार :गांव लमखेड़ा निवासी अनीता पत्नी स्वर्गीय वीर सहाय ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि पति की मृत्यु के बाद खेती-बाड़ी के कार्य के लिए उसने नवाबगंज क्षेत्र के पंडरा निवासी राजेश को काम पर रखा था। आरोप है कि 16 फरवरी को राजेश उसके घर पहुंचा और खेत बेचने का दबाव बनाने लगा। महिला द्वारा इंकार करने पर उसने लाठी-डंडों से मारपीट कर उसे घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पीड़िता को उपचार के लिए नवाबगंज भेज दिया।

सिटी डायरी

नेपाल में अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत किये शोध पत्र

रिठौरा, अमृत विचार : राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, के प्रबंधन विभाग ने नेपाल स्थित सुदूर पश्चिमी विश्वविद्यालय में आयोजित तीसरी अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में हेरिटेज, इनोवेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया । इस शोध-पत्र में शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं के आधुनिकीकरण तथा शैक्षिक परिवर्तन की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया है। शोध का मुख्य उद्देश्य यह दर्शाना है कि आधुनिक तकनीक और पारंपरिक विरासत के समन्वय द्वारा शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी, समावेशी एवं नवाचार-उन्मुख बनाया जा सकता है। इस उपलब्धि पर विभाग के प्रोफेसर डा. रवीश अग्रवाल, डा .अंकित अग्रवाल तथा डॉ. गौरव कपूर एवं एमबीए के छात्र लवी साहू, पवन सिंह एवं तरून गंगवार को संस्थान के चेयरमैन ने बधाई दी है।

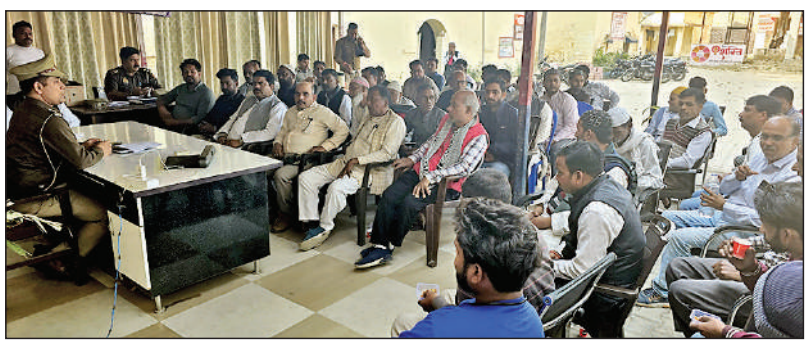

होली व रमजान शांति पूर्वक मनाएं, कोई नई परंपरा न डालें

देवरनियां, अमृत विचार कोतवाली परिसर में शुक्रवार को होली व रमजान के त्योहारों को लेकर पीस कमेटी के साथ बैठक की गई। कोतवाली प्रभारी उपनिरीक्षक आशुतोष द्विवेदी ने होली और रमजान का त्योहार आपसी सौहार्द और भाई चारे के साथ मनाने की अपील की। कहा कि होली पर हुडदंग न करे और सूखे रंग का प्रयोग करे और किसी प्रकार की नई परंपरा ना डाली जाए जिसमें कहीं विवाद की स्थिति उत्पन्न हो। क्षेत्र में असामाजिक तत्व हो जिससे कानून व्यवस्था प्रभावित होती हो उसके विषय में समय रहते पुलिस को जानकारी दें । जिससे उसके विरुद्ध कार्रवाई की जा सके । इस मौके पर एस आई जितेन्द्र सिंह, मनोज कुमार, इन्तखाब हुसैन, सुनील कुमार ,देवेश कुमार, हारून अन्सारी , ढाकन लाल , शमशुल जमा, राजीव कुमार , विजय पाल, हसनैन खाँ, सन्तोष कुमार गंगवार , नगर पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद कलीम अन्सारी , कमलेश कुमार , प्रधान पति धर्मेन्द्र कुमार मौर्य , निसयार खाँ, हरीश पाली, विजय पाल गंगवार ,दीपेन्द्र कुमार गुप्ता, विनोद कुमार गंगवार , अमर सिंह, राकेश कुमार , रामस्वरूप गंगवारआदि रहे।

सीओ ने भुता के संवेदनशील इलाकों में निकाला फ्लैग मार्च

भुता, अमृत विचार : थाना क्षेत्र भुता में होली और रमजान के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आया। संवेदनशील ग्राम केसरपुर और आसपास के मिश्रित आबादी वाले इलाकों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा तैयारियां की गईं। शुक्रवार देर शाम क्षेत्राधिकारी फरीदपुर संदीप सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल ने केसरपुर में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च जुलूस मार्ग और चिन्हित संवेदनशील रास्तों से होकर गुजरा। इस दौरान थाना पुलिस और पीएसी जवानों ने पैदल गश्त कर लोगों में सुरक्षा का भरोसा जगाया। क्षेत्राधिकारी ने मार्ग के प्रमुख चौराहों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले स्थानों का निरीक्षण कर ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की अफवाह, उकसावे या हुड़दंग की स्थिति में तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। फ्लैग मार्च के दौरान निरीक्षक रविंद्र कुमार मौजूद रहे।

31 परीक्षार्थियों ने छोड़ी परीक्षा

रिठौरा, अमृत विचार : दरबारी लाल शर्मा इंटर कॉलेज में शुक्रवार को प्रथम पाली में हाईस्कूल सामाजिक विज्ञान में पंजीकृत 547 में 516 ने परीक्षा दी जबकि 31 ने परीक्षा छोड़ दी। इंटर में कृषि में 28 में 28 ने परीक्षा दी। द्वितीय पाली में इंटर की अंग्रेजी विषय की परीक्षा हुई। जिसमें पंजीकृत 532 में 510 ने परीक्षा दी 22 ने परीक्षा छोड़ दी। कालेज की सख्ती के चलते दोनों पालियों में कोई बाहरी सचलदल नहीं आया।

इस दौरान परीक्षा प्रमुख डॉ सर्वेश कुमार, रघुवीर सरन, कुसुम गंगवार, ब्रजेश शर्मा, डॉ हरमीत सिंह, राजपाल, रामसिंह,डॉ राजेश कुमार गंगवार, दीपाली सक्सेना,एकता वाधवा, सिद्धी सिंह,दीपकमल सक्सेना,मुरारी लाल,यतेंद्र गंगवार, रमेश चंद्र, सुरेश चंद्र, गिरिजेश कुमारी, प्रवेश पाठक, आकाश गंगवार,चौकी प्रभारी वैभव गुप्ता कांस्टेबल मोहित सहित तमाम पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

नाबालिग से छेड़छाड़ पर ग्रामीणों पकड़ा, धुना

नवाबगंज, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के एक गांव में गुरुवार की रात बारात की हलचल के बीच नाबालिग किशोरी से दुराचार का प्रयास किया गया। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी युवक को मौके पर पकड़ लिया और बाद में पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

बताया जाता है कि तनन क्षेत्र के गांव निवासी एक किसान हाफिजगंज क्षेत्र में आयोजित विवाह समारोह में शामिल होने गया था। घर पर उसकी नाबालिग बेटी और वृद्ध मां अकेली थीं। इसी दौरान गांव में बारात निकल रही थी। आरोप है कि उसी शोर-शराबे का फायदा उठाकर गांव का ही एक युवक घर में घुस आया और किशोरी को पीछे से पकड़कर जबरदस्ती करने लगा।

किशोरी के शोर मचाने पर उसकी दादी जाग गईं और मदद के लिए पुकारा। आवाज सुनकर पास-पड़ोस के लोग और रिश्तेदार मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने आरोपी को घर के भीतर ही दबोच लिया। गुस्साए लोगों ने उसकी पिटाई कर दी।

घटना की जानकारी मिलने पर आरोपी के परिजन भी वहां पहुंच गए, जिससे दोनों पक्षों में कहासुनी और हाथापाई हो गई। लोगों ने डायल 112 पर सूचना दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को थाना नवाबगंज ले गई।

पुलिस ने आरोपी को चिकित्सीय परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा है। वहां से अरोपी को बरेली रेफर किया गया है जानकारी मिली है ग्रामीणों की पिटाई से आरोपी की हालत गम्भीर बनी हुई है । पुलिस ने बताया दोनों पक्षों से तहरीर प्राप्त हुई है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है

जयमाला के बाद दुल्हन बेहोश,हड़कंप

संवाददाता,नवाबगंज

- होश में आई दुल्हन तो किया शादी से इन्कार,समझाने का दौर भी हुआ विफल
- डीजे विवाद में बराती-घराती भिड़े, पुलिस हस्तक्षेप से दोबारा हुई रस्में

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के एक गांव में गुरुवार रात आयोजित विवाह समारोह उस समय सुर्खियों में आ गया, जब जयमाला की रस्म पूरी होते ही दुल्हन अचानक मंच पर बेहोश होकर गिर पड़ी। घटना से समारोह स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। परिजन तत्काल उसे कस्बे के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां उपचार के बाद उसे होश आया। होश में आने पर दुल्हन ने शादी से इंकार कर दिया, जिससे दोनों पक्षों में खलबली मच गई। काफी देर तक समझाने-बुझाने का दौर चलता रहा। अंततः परिजनों के समझाने पर वह विवाह के लिए राजी हो गई। इसके बाद शुक्रवार शाम शेष वैवाहिक रस्में शांतिपूर्वक पूरी कर शादी संपन्न कराई गई।

बताया जाता है कि युवती की शादी पीलीभीत से आई बारात के साथ तय थी। बारात के स्वागत के बाद सभी कार्यक्रम सामान्य रूप से चल रहे थे, लेकिन जयमाला के तुरंत बाद यह अप्रत्याशित घटना हो गई।

इसी दौरान बारात घर में डीजे पर पसंदीदा गाना बजाने को लेकर बरातियों और घरातियों के बीच विवाद हो गया। कहासुनी देखते ही देखते मारपीट में बदल गई और दोनों पक्षों में लात-घूंसे चलने लगे। स्थिति बिगड़ती देख डीजे संचालक ने डीजे बंद कर दिया। इससे नाराज कुछ बराती डीजे मशीन उठाकर ले जाने लगे। सूचना मिलने पर कस्बा इंचार्ज सुनील कुमार मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद समारोह दोबारा सामान्य हुआ और विवाह की शेष रस्में सकुशल संपन्न कराई गईं।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र छोटे शाह व उसके परिवार को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों (अन्य पुत्र व उनके परिवार) से कोई वास्ता नहीं होगा। **खातून पत्नी स्व. श्री जफर शाह निवासी ग्राम घुर समसपुर थाना भोजीपुरा जिला बरेली।**

सूचना

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम नवाब पुत्र मिया जान एवं जन्मतिथि 10.06.1989 अंकित है जो अशुद्ध है मेरे आधार कार्ड व पेन कार्ड में मेरा नाम नवाब पुत्र मियाजान (NAWAB S/O MIYAJAAN) निवासी मोहल्ला नं0 8, साहबगंज, बिल्सी एवं मेरी जन्मतिथि 01.01.1989 अंकित है जो सही है भविष्य में मुझे इसी नाम, पते से जाना व पहचाना जाये

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार
MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली ✆ 731-098-7005

● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 1 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ड्यूलिप ग्राउंड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा,
शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो.9457833777

न्यूज ब्रीफ

820 ग्राम अफीम के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

अलीगंज। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अलीगंज थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो युवकों को 820 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस को चेकिंग के दौरान चंदनपुर क्षेत्र में लाल सिंह (30) दीपांशु (19) को रोका गया और तलाशी लेने पर उनके पास 820 ग्राम अफीम बरामद हुई। इसके साथ ही दो मोबाइल फोन और एक हीरो स्प्लेंडर बाइक भी जब्त की गई। उन पर कार्रवाई कर जेल भेजा गया है।

हाइवे के किनारे मिला युवक का शव

बहेड़ी। अमृत विचार : नैनीताल रोड़ पर शुक्रवार की सुबह एक युवक का शव मिला।शव को देखकर उसके दुर्घटनाग्रस्त होने का अंदेशा लगा। शव की पहचान को आसपास के लोगों ने प्रयास किया, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई। बाद में पुलिस को उसकी जेब से मिले एक पर्चे के ज़रिए उसके किच्छा का होने का आधार मिला, और शिनाख्त सिरौली के मोहम्मद यामीन (21)के रूप में हुई है।

शिक्षामित्र संघ ने मानदेय वृद्धि पर जताया आभार

आंवला,अमृत विचार। प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश संगठन मंत्री कौशल कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुक्रवार को सदन में शिक्षामित्रों के मानदेय को 13अप्रैल से 10000 से बढ़ाकर 18,000 रुपये करने की घोषणा स्वागत योग्य है। मुख्यमंत्री ने मानदेय बढ़ाकर शिक्षामित्रों के दर्द को समझा है। इससे शिक्षा मित्रों के परिवार में हर्ष की लहर है।इस वृद्धि से शिक्षा मित्रों के जीवन स्तर में सुधार आएगा और वे अधिक मनोयोग से शिक्षण कार्य कर सकेंगे।

दुष्कर्म का प्रयास करने वाले आरोपी को जेल

क्योलडिया। थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती को देर रात फोन कर घर से बुलाकर कथित तौर पर जबरन बाइक पर बैठा कर ले जाने और दुष्कर्म करने का प्रयास करने का मामला सामने आया है विरोध करने पर आरोपियों ने तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया था पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी अमित कुमार पुत्र ब्रह्म स्वरूप को मेथी चौराहे से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह इंटर पास है और नीट की तैयारी कर रहा है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया (

बहेड़ी का यूनिसन अस्पताल सील

ऑपरेशन के दौरान महिला की हुई थी मौत , यूट्रेस में गांठ बताकर किया था ऑपरेशन

डॉक्टर फरार

संवाददाता, बरेली/बहेड़ी

अमृत विचार: गुरुवार को बाईपास स्थित यूनिसन अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान गांव पिपरिया रंजीत निवासी गीता की मौत के बाद शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान अस्पताल में टीम को कोई मरीज नहीं मिला।

बता दें कि यूट्रेस में गांठ बताकर गुरुवार रात किए गए ऑपरेशन के दौरान महिला की जान चली गई थी। पुलिस के आने से पहले ही डॉक्टर और अस्पताल के अन्य जिम्मेदार मौके से फरार हो गए थे। शुक्रवार को डिप्टी सीएमओ अमित कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंची। जांच में कई गड़बड़ियां सामने आईं हैं। डॉक्टर और प्रबंधन के उपस्थित न होने पर अस्पताल को सील कर दिया गया है। टीम की कार्रवाई के समय अस्पताल में एक भी मरीज नहीं मिला। बताया गया कि प्रबंधन ने रात में ही सभी मरीजों को अन्यत्र शिफ्ट कर दिया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा। यदि इलाज में लापरवाही की पुष्टि होती है तो डॉक्टर और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल को सील करती स्वास्थ्य विभाग की टीम। ● अमृत विचार

> झोलाछाप के खिलाफ कार्रवाई की गई है। नोडल अधिकारी को निर्देश दिया गया है कि अभियान चलाकर अवैध तरीके से अस्पताल और क्लीनिक चलाने वालों की जांच कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करें। - **डॉक्टर विश्राम सिंह**, सीएमओ

सीएचसी प्रभारी की है जिम्मेदारी

सीएचसी प्रभारी की जिम्मेदारी है कि वह अपने इलाके में चल रहे अस्पतालों, क्लीनिक की पूरी जानकारी रखे। प्रभारी को वहां के डाक्टर और स्टाफ के बारे में जानकारी हो कि वह डॉक्टरी की पढ़ाई करके आए है या ऐसे ही गलत तरीके से लोगों का इलाज कर रहे है। अब तक की जानकारी में पता चला है कि बहेड़ी सीएचसी प्रभारी ने इसकी सूचना अधिकारियों को नहीं दी थी।

वट वृक्ष का विवाह

बहेड़ी की भुड़िया कालोनी में बंगाली समुदाय के लोगों ने दुर्गा मंदिर के पास स्थित वट वृक्ष के विवाह कराने की परंपरा का शुक्रवार को निर्वहन किया। बहेड़ी के गांव भुड़िया कॉलोनी में बंगाली समुदाय के लोग रहते हैं ।भारत-पाक युद्ध के बाद बांग्लादेश से आए शरणार्थियों को सरकार ने यहाँ ज़मीन देकर बसाया था। यहाँ के लोग अपने तमाम रस्मो-रिवाज आज भी उसी तरह मनाते हैं। यहाँ दुर्गा मंदिर प्रांगण में दो बट वृक्ष पास-पास हैं। बट वृक्षो का विवाह कराने की परम्परा है ।विवाह में एक दूल्हा पक्ष और एक दुल्हन पक्ष बनता है, फिर विवाह की रस्म अदा होती है। शुक्रवार को यहाँ बट वृक्ष का विवाह खूब धूम धाम के साथ हुआ। विवाह के तमाम रीत-रिवाज बट वृक्ष के विवाह में पूरे किए गए। विवाह के मौके पर तमाम लोग मौजूद रहे। रविवार को भोज दिया जाएगा, जिसमें पूरा गांव भोजन ग्रहण करेगा। **फोटो व विवरण :शुऐब**

6 साल की अलीशा ने रोजा रखकर की इबादत

अलीशा।

मोहम्मद शैज़ान।

संवाददाता, देवरनियां

अमृत विचार: रमजान में बड़ों के साथ बच्चों ने भी शिरकत करके रोजा रखा। बसुधरन जागीर में 6 साल के बच्ची ने दूसरा रोजा रखकर अल्लाह की इबादत की। देवरनियां कोतवाली के बसुधरन जागीर हल्का नम्बर चार के हारून कोटेदार की 6 साल की पुत्री अलीशा ने अपने मां-बाप के साथ माहे रमजान का आज दूसरा रोजा रखा और अल्लाह की इबादत की। अलीशा कक्षा एक की छात्रा है। इसमें उसके मां-बाप और बहनों ने भी उसका हौसला बढाया। बताया कि वह दो साल से रोजा रख रही है। इफ्तार पर उसने परिवार के साथ रोजा खोला। उसे मुबारकबाद दी गईं।

आठ साल के मोहम्मद शैज़ान ने रखा रोजा

मीरगंज, अमृत विचार : रहमत-बरकत और इबादत के मुकद्दस माह रमज़ान के दूसरे दिन गांव दियोरिया अब्दुल्लागंज के आठ वर्षीय मोहम्मद शैज़ान ने शुक्रवार को अपना पहला रोजा रखा। मोहम्मद शैज़ान दूसरी कक्षा में पढ़ते हैं। बच्चे की हौसला अफजाई करते हुए उनके अम्मी-अब्बू ने छोटी सी इफ्तार पार्टी भी आयोजित की। जिसमें बच्चों ने शिरकत की। शैज़ान ने बताया कि अम्मी-अबू हो रोजा रखते देखते आ रहे हैं। घरवालों के साथ इफ्तार करना और सुबह में उठकर सेहरी करना अच्छा लगता है।

नाबालिग को भागकर दुष्कर्म करने के आरोपी को भेजा जेल

कैंट,अमृत विचार : नाबालिग लड़की को भगा ले जाने तथा दुष्कर्म के आरोपी को सैटलाइट बस अड्डे से गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने नाबालिग बेटी को फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में गांव के ही युवक समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला का आरोप था, कि गांव का ही साहिल अपने पिता शमशेर मां अनीशा के सहयोग से उसकी पुत्री को जबरन भगा ले गया था। आरोपी किशोरी को थाना भोजीपुरा के रतना गांव निवासी अपनी बहन के यहां ले गया था। इसके बाद से कैंट पुलिस आरोपी युवक तथा किशोरी को तलाश कर रही थी। पुलिस ने मथुरा से किशोरी को बरामद करके न्यायालय में बयान दर्ज कराए। बयान में किशोरी ने बताया, कि आरोपी युवक तथा उसके माता-पिता जबरन उसे साथ ले गए थे। उसके साथ युवक ने कई दिन तक दुष्कर्म किया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने शुक्रवार सुबह आरोपी तथा उसकी मां को सैटलाइट बस अड्डे से गिरफ्तार कर लिया।

ताइवान छात्रवृत्ति और सांस्कृतिक खेलों से रुबरु हुए रुविवि के छात्र

कार्यक्रम में मौजूद छात्र और शिक्षक। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: एमजेपीआरयू के मानविकी विभाग में शुक्रवार को ताइवान शिक्षा परिचय (ताइवानी यू ईयर) इवेंट 2026 का आयोजन किया। अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य भारत और ताइवान के बीच शिक्षा व सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना और ताइवान की छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ मानविकी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अनीता त्यागी ने किया, जिन्होंने दोनों देशों के बीच समानताओं और छात्रों को मिलने वाले अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में 20 से अधिक छात्र-छात्राएं ताइवान जाकर अध्ययन कर चुके हैं। मंदारिन भाषा की शिक्षिका मिस चियाली चेन ने ताइवान की संस्कृति, लूनर नव वर्ष का महत्व और छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी, जिससे छात्रों की जिज्ञासा पूरी हुई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 70 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और उन्होंने ताइवान की संस्कृति, शिक्षा व छात्रवृत्ति से जुड़े प्रश्न भी पूछे। छात्रों को शटल कॉक गेम, पेपर कटिंग जैसे ताइवान के पारंपरिक खेल खिलवाए गए, जिनमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ताइवान छात्रवृत्ति प्राप्त करने के तरीकों पर चर्चा के बाद छात्रों को सम्मानित किया गया। ऑनलाइन माध्यम से ताइवान गए छात्र वंश ने अपने अनुभव साझा किए। अश्मित वर्मा और मेधावी वर्मा ने कार्यक्रम संचालन में सहयोग प्रदान किया।

गन्ने के रस का काउंटर लौटाने के विवाद में युवक पर हमला, रिपोर्ट

नवाबगंज अमृत विचार: थाना क्षेत्र के ग्राम जयनगर निवासी एक युवक ने गन्ने के रस का काउंटर वापस मांगने पर मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाना नवाबगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई है

ग्राम जयनगर निवासी शिराजुद्दीन कुछ दिनों से मजदूरी के सिलसिले में बरेली गया हुआ था। इस दौरान उसने अपना गन्ने के रस का लकड़ी का काउंटर परिचित निजामुद्दीन निवासी ग्राम अलीनगर थाना नवाबगंज के पास सुरक्षित रखने के लिए छोड़ दिया था।

आरोप है कि 19 फरवरी को जब वह अपना काउंटर वापस लेने पहुंचा तो निजामुद्दीन गाली-गलौज करने लगा और काउंटर देने से इंकार कर दिया। विरोध करने पर आरोपी ने वहां रखी लोहे की पाइप से उसके बाएं गाल पर वार कर दिया। हमले में उसे गंभीर चोट आई और कान से खून निकलने लगा। पीड़ित ने थाना नवाबगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

क्रिकेट व एथलीट छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

- **फ्यूचर ओलिंपिक्स में बीटेक, एमबीए, फार्मेसी व नर्सिंग के छात्रों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा**

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: फ्यूचर विश्व विद्यालय में आयोजित स्पोर्ट्स मीट फ्यूचर ओलिंपिक्स-2026 में शुक्रवार को सभी विभागों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का आरंभ छात्रों की मार्च पास्ट से हुआ। पूर्व ओलिंपिक के चैंपियन रहे तहसीन, अफजल और ईशु ने ओलिंपिक मशाल लेकर स्पोर्ट्स ग्राउंड में दौड़ लगाई। विजेताओं को मुख्य अतिथि, डिप्टी रीजनल हेड यूनियन बैंक विशाल मिश्रा और कुलाधिपति मुकेश गुप्ता ने मैडल, ट्रॉफी और सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया

मुख्य अतिथि विशाल मिश्रा ने कहा कि खेल शारीरिक एवं मानसिक बल प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. मनीष कुमार सिंह ने सभी छात्र छात्राओं को ओलिंपिक में नियम और अनुशासन के मुताबिक खेलो मे भाग लेने के लिए शपथ दिलाई।

कुलाधिपति मुकेश गुप्ता ने फ्यूचर ओलिंपक्स की औपचारिक घोषणा की। दिन भर हुए खेलों मे दिनभर विभिन्न खेलों का आयोजन हुआ, जिसमें क्रिकेट, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, खो-खो और टेबल टेनिस शामिल थे। संयोजक अभिषेक सक्सेना ने सभी खेलों का विवरण साझा किया,। क्रिकेट की ट्रॉफी कम्प्यूटर साइंस विभाग ने जीती, वॉलीबॉल (पुरुष) में एमबीए, और रिले रेस (महिला) में बीएएमएस की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। व्यक्तिगत पुरस्कारों में क्रिकेट में मैन ऑफ द सीरीज मो. अमान अंसारी, बेस्ट बल्लेबाज़ व फील्डर हर्ष सक्सेना (बीटेक) और बेस्ट एथलीट अफ़ाक व स्नेहा सिंह रहे।

स्पोर्टस मीट में विजेता छात्रों के साथ कुलाधिपति। ● अमृत विचार

शादी हॉल के बाहर से कार चोरी, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **किला थाना क्षेत्र के ब्लूमून होटल की घटना, मुकदमा दर्ज**

अमृत विचार: परिवार के साथ विवाह समारोह में शामिल होने आए युवक की कार शादी हॉल के बाहर से चोरी हो गयी। पुलिस ने मौके पर पहुचंकर मामले की जांच शुरु कर दी है।

इज्जतनगर थाना क्षेत्र के गंगा रेजीडेन्सी सैदपुर हाकिंस निवासी सतेन्द्र कुमार ने बताया कि 18 फरवरी की रात वह अपने दोस्त रविन्द्र पांडे की भतीजी की शादी समारोह में शामिल होने के लिए मिनी बाईपास के ब्लूमून होटल में अपने परिवार के साथ आए थे। रात में करीब पौने 10 बजे उन्होंने अपनी सफेद रंग की क्रेटा कार होटल के बाहर खड़ी करके समारोह में चले गये। रात में करीब 11: 30 बजे वह वापस लौटे तो देखा कि होटल के बाद खड़ी उनकी कार गायब थी। उसके बाद डायल 112 पर उसने सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस की मदद से कार को तलाश किया लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। सतेन्द्र ने बताया कि कार में रखे पत्नी के पर्स में 35 हजार रुपये, ओरिजनल आधार, पैन, ड्राइविंग लाइसेंस समेत अन्य सामान रखा हुआ था। किला पुलिस ने युवक की तहरीर पर अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरु कर दी है। किला क्षेत्र में वैक्वेट हॉल और होटलों के इस इर्द- गिर्द चोर सक्रिय हैं। पिछले दिनों सिटी किला रोड स्थित एक लॉन के कमरे से भी अज्ञात युवक ने चोरी की थी।

न्यूज डायरी

कर्मयोगी एप अपडेट को लेकर कर्मचारियों को किया जागरूक

नवाबगंज, अमृत विचार : कर्मयोगी एप पर कर्मचारियों का बायोडाटा अपलोड कर शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से शुक्रवार को बैठक हुई। साथ ही आईओजीटी कर्मयोगी प्रमाण पत्र जनरेट करने एवं पीएम घर सौर ऊर्जा योजना से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. ए.के. गंगवार रहे। उन्होंने कर्मचारियों से कर्मयोगी एप पर समय से पंजीकरण एवं बायोडाटा अपडेट करने की अपील की, ताकि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

नैनीताल रोड पर ट्रक में लगी आग

बहेड़ी। अमृत विचार : शुक्रवार की रात नैनीताल रोड़ पर एक ट्रक में अचानक आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि उसकी लपटों को देखकर सड़क पर आ रही गाड़ियां रुक गईं। कुछ देर के लिए सड़क पर जाम लग गया। फायर ब्रिगेड ने आकर बमुश्किल आग बुझाई, लेकिन तब तक ट्रक पूरी तरह जल गया। जानकारी के मुताबिक एक टैंकर (ट्रक) बरेली से रुद्रपुर जा रहा था। शेरगढ़ चौराहे के पास ट्रक में अचानक आग लग गई। आग देखकर आसपास के लोग वहां जमा हो गए। आग की खबर फायर ब्रिगेड को दी गई। । फायर ब्रिगेड ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया, और तब ट्रैफ़िक चालू हुआ।

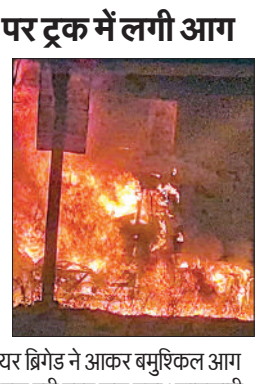

सोसाइटी सचिव को गबन में जेल

भुता, अमृत विचार : सरकारी धन के गबन में फरार चल रहे साधन सहकारी समिति के पूर्व सचिव को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना क्षेत्र के स्थित साधन सहकारी समिति मटकापुर में कार्यरत ओमपाल सिंह पूर्व सचिव ने नैनो यूरिया खाद बिक्री कर 260347 रुपए का आहरण कर लिया था। अपर जिला सहकारी अधिकारी नवाबगंज सुधाकर राय वर्ष 2024 में सुधाकर राय ने थाना भुता मे प्रभारी सचिव ओमपाल सिंह के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था । तभी से पूर्व प्रभारी सचिव ओमपाल सिंह फरार चल रहा था।

दंपति को पीटा,रिपोर्ट

मीरगंज, अमृत विचार : मोहल्ला खानपुरा निवासी नसीम जहां ने तहरीर में बताया कि शुक्रवार को घर के बाहर खड़ी थीं। इसी दौरान मोहल्ले के ही दो तीन लोग वहां पहुंचे और बिना किसी कारण के उनके साथ गाली-गलौज करने लगे। उन्होंने गालियां देने का विरोध किया, तो तीनों आरोपियों ने एक राय होकर उन पर हमला बोल दिया। शोर सुनकर बीच-बचाव करने आए उनके पति अनीस अहमद को भी आरोपियों ने नहीं बख्शा। प्रभारी निरीक्षक संजय तोमर ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर बाबू अली, शहाना और फैजी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बुलेट नहीं तो निकाह से इंकार

हाफिजगंज, अमृत विचार : हाफिजगंज क्षेत्र के गांव हरहरपुर मटकली निवासी इरफान नें बताया कि पुत्री रफत का निकाह सीबीगंज के गांव धन्तिया टियूलिया निवासी सलमान के साथ छह माह पूर्व तय किया था। आरोप है कि 11 फरवरी को वर पक्ष की ओर से दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल और दो लाख रुपये नकद की मांग की गई। यह मांग पूरी करने में असमर्थता जताने पर वर पक्ष ने निकाह करने से साफ इंकार कर दिया।

एएनटीएफ ने पकड़ी 10 किलो अफीम, दामाद-सास गिरफ्तार

भमोरा, अमृत विचार : ए एन टी एफ यूनिट बरेली व भमोरा पुलिस के संयुक्त अभियान में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले प्रेम गिरी पुत्र नरेश गिरी निवासी सिरसवा थाना बिनावर व उसकी साथी महिला धर्मी देवी पत्नी भिखलाल ग्राम बेलहर थाना बरवाती जिला चतरा झारखंड को 10 किलो अफीम,एक मोबाइल,एक रेलवे टिकट,1190 रुपये के साथ गिरफ्तार किया। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय कीमत लगभग 50 लाख रुपए है। पूछताछ में अभियुक्त ने अफीम सप्लाई करना स्वीकार किया। महिला तस्कर रिश्ते में मेरी सास लगती है। वह झारखंड से अफीम लाकर मुझे देती है। जिसे मैं पंजाब में बेचकर अच्छा मुनाफा कमाता हूं। थाना पुलिस ने दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

युवक पर तलवार से हमला

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम कुण्डरा कोठी में बाइक हटाने को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर लाठी-डंडों और तलवार से हमला कर दिया। घायल युवक ने थाने में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है कुण्डरा निवासी हरीश कुमार ने बताया कि 16 फरवरी की शाम उसकी मोटरसाइकिल घर के सामने खड़ी थी। रास्ते से बाइक को हटाने के लिए वह बाहर निकला तभी गांव के हरीओम व मुकेश तथा श्याम विहारी आ गए। उन लोगों ने उस पर लात घूंसों के बाद तलवार से हमला कर दिया। इससे उसका सिर फट गया। शोर सुनकर मोहल्ले के लोग पहुंच गये तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गये। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, ।

पत्नी की क्रूरता पर पति की तलाक अर्जी मंजूर, जुर्माना

- **माता-पिता को वृद्धाश्रम भेजने और महंगे शौक पूरा कराने का बनाती थी दबाव**

विधि संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : वैवाहिक कर्तव्यों, दायित्वों का पालन न कर पति व ससुरालीजन का उत्पीड़न करने पर अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय-तृतीय ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी ने दिल्ली प्रीत विहार निवासी अंकुश जायसवाल की तलाक अर्जी मंजूर करते हुए उनकी रामपुर गार्डन निवासी शिक्षिका पत्नी रिंकू जायसवाल के बीच 23 अप्रैल 2012 को हुए विवाह को विच्छेदित कर 1 लाख रुपये एक माह के अंदर पति को दिए जाने का आदेश दिया है।

वादी अंकुश जायसवाल ने अदालत में पत्नी से तलाक दिलाए जाने की याचना करते हुए वर्ष 2021 में अर्जी दायर कर उल्लेखित किया था कि 23 अप्रैल 2012 को उनका रिंकू से दिल्ली में विवाह हुआ था। विवाह के बाद से ही जीवन उथल पुथल भरा ही रहा।

पत्नी ने न तो कभी प्रेम व सम्मान दिया और न ही कभी उसकी परवाह की। पत्नी ने कभी स्वयं को उसके परिवार का सदस्य नहीं समझा, जबकि वह व उसके माता-पिता ने रिंकू को सम्मान दिया व उनकी समस्त सुख-सुविधाओं का ध्यान रखा। पत्नी झगड़ा करती व उसके वृद्ध माता पिता पर व्यंग्यात्मक टिप्पणियां करती रहती थी। पत्नी माता-पिता को वृद्धाश्रम भेजने का दबाव बनाती थी।

हर दिन हो पा रहीं 3000 फॉर्मर रजिस्ट्री

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **डीएम ने समीक्षा बैठक में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर कार्रवाई के दिए निर्देश**

अमृत विचार : फॉर्मर रजिस्ट्री के कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। तहसीलों और कृषि विभाग के कर्मचारियों की ढिलाई की वजह से लक्ष्य के सापेक्ष प्रतिदिन दो से तीन हजार फॉर्मर रजिस्ट्री हो पा रही है, जबकि प्रतिदिन सात से आठ हजार होनी चाहिए।

कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने नाराजगी जताई और लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। डीएम ने सभी उपजिलाधिकारी व कृषि विभाग को फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य तय समय सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिये।

समीक्षा के दौरान पाया कि जनपद में वर्ष 2022-23 में 545465 पंजीकृत कृषक थे। इसके सापेक्ष 379438 कृषक (88.58 प्रतिशत) की फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है। अभी तक बनाई कृषकों की फॉर्मर आईडी में पीएम किसान एक्टिव लाभार्थी 335179 एवं गैर पीएम किसान लाभार्थी 44275 शामिल हैं। शासन ने फॉर्मर आईडी के लिए 545465 का लक्ष्य निर्धारित किया। इसके सापेक्ष 42723 अपात्र कृषकों को हटा दिया गया। पात्र किसान लाभार्थियों की संख्या 502742 रह गई। इसके सापेक्ष 335179 (66.67 प्रतिशत) पीएम किसान लाभार्थी कृषकों की फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है। बैठक में बताया गया कि अवशेष पात्र कृषकों की फॉर्मर रजिस्ट्री बनवाने में कृषि विभाग, राजस्व विभाग के कर्मचारियों व पंचायत सहायक, रोजगार सेवकों आदि कार्य कर रहे हैं। फार्मर आईडी बनाने का कार्य ठीक न करने पर न्यूनतम प्रगति वाले 3 कर्मचारियों को चेतावनी जारी की गयी। अवशेष फार्मर आई डी बनाने का कार्य तत्काल पूर्ण कराने के निर्देश दिए। डीएम ने निर्देशित किया कि सभी विभागों के कर्मचारियों के सहयोग से शत-प्रतिशत पूर्ति कराना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त फार्मर आईडी बनाने के लिए जनसेवा केंद्र संचालकों से सहयोग लें। उप कृषि निदेशक को सीएससी एवं जनसेवा केंद्र संचालकों को बुलाकर जानकारी देने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि टीमें सुबह गांवों में जाकर किसानों से संपर्क करें, जिससे अधिक से अधिक पंजीकरण हो सकें। बेहतर कार्य करने वाले कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित करने के भी निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), जिला कृषि अधिकारी, सभी एसडीएम, खंड विकास अधिकारी आदि विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मानहानि मामले में राहुल गांधी के बयान दर्ज

संवाददाता, सुल्तानपुर

- गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित टिप्पणी से जुड़ा मामला अगली सुनवाई 9 मार्च को

अमृत विचार: कांग्रेस नेता एवं सांसद राहुल गांधी शुक्रवार को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एमपी-एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की कोर्ट में सुबह 10:40 बजे पेश हुए, जहां उन्होंने मानहानि प्रकरण में बयान दर्ज कराया।

उनके साथ उनके अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल मौजूद रहे। वहीं, परिवादी विजय मिश्र अपने अधिवक्ता संतोष पांडेय के साथ अदालत में उपस्थित रहे। करीब 45 मिनट चली कार्यवाही में राहुल गांधी ने आठ प्रश्नों के उत्तर देते हुए आरोपों से इंकार करते हुए कहा कि यह मुकदमा सस्ती लोकप्रियता पाने, मेरी व कांग्रेस पार्टी की छवि धूमिल करने के लिए राजनीतिक दुर्भावनावश दायर किया गया है। बयान दर्ज करने के उपरांत मामले में सफाई साक्ष्य की सुनवाई के लिए अदालत ने अगली तारीख 9 मार्च निर्धारित की है। जिसमें बचाव पक्ष अपने गवाहों की गवाही दर्ज करायेगा जिनसे परिवादी के वकील जिरह करेंगे।

मेरठ में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा-हिंदू कोई जाति नहीं, बल्कि एक विशेषण

राष्ट्र निर्माण किसी एक संगठन का नहीं, पूरे समाज का दायित्व

मेरठ, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्र निर्माण केवल किसी एक संगठन का नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। शुक्रवार को शताब्दी नगर स्थित माधवकुंज में आयोजित संवाद कार्यक्रम में खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए डॉ. भागवत ने सामाजिक एकता बनाए रखने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में हर वर्ग, हर व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। भागवत ने कहा कि संघ किसी वर्ग विशेष के विरोध या स्पर्धा के लिए कार्य नहीं करता। शताब्दीनगर स्थित माधवकुंज में मेरठ और ब्रज प्रांत के लगभग 950 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों से संवाद करते हुए भागवत ने कहा कि भारत को मात्र भौगोलिक सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता, यह राष्ट्र भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, बुद्ध, महावीर, स्वामी विवेकानंद, स्वामी दयानंद और महात्मा गांधी की परंपराओं से प्रेरित है।

हिंदू शब्द की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदू कोई जाति नहीं, बल्कि एक विशेषण है, जो विविधता में एकता के भाव को अभिव्यक्त करता है। उन्होंने कहा, पूजा पद्धतियां और देवी-देवता भिन्न हो सकते हैं, किंतु संस्कृति का आधार समरसता और एकता है। जब-जब समाज की एकता खंडित हुई, राष्ट्र पर संकट आया। मेरठ को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की धरती बताते हुए भागवत ने 1857 के आंदोलन का उल्लेख किया और कहा कि इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में डॉ. हेडगेवार ने 1925 में संघ की स्थापना की।

भागवत ने संघ से जुड़ने के पांच मंत्र भी बताए, जिनमें संघ को भीतर से समझना, अनुषांगिक संगठनों से जुड़ना, कार्यक्रमों में सहयोग, संवाद बनाए रखना और निस्वार्थ भाव से राष्ट्र के लिए कार्य करना शामिल है। उन्होंने खिलाड़ियों के सवालों के जवाब भी दिए। संवाद कार्यक्रम में भाग लेकर लौटे खिलाड़ियों ने बताया कि डॉ. भागवत ने अपने लगभग 50 मिनट के संबोधन में संघ की स्थापना से लेकर 100 वर्षों के सफर पर प्रकाश डाला और युवाओं से राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति संघ कार्यकर्ता अपना काम बहुत अच्छे तरीके से कर रहे हैं और यह केवल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का दायित्व नहीं, बल्कि हर खिलाड़ी और युवा का कर्तव्य है। 'पैरा क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया' से श्रीलंका दौरे के लिए चयनित बरेली निवासी खिलाड़ी सूर्य प्रताप मिश्रा ने कहा कि डॉ. भागवत की खेल और खिलाड़ियों के प्रति सोच सराहनीय है।

उन्होंने पैरा खिलाड़ियों के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। शनिवार को समाज के प्रबुद्ध वर्ग के साथ संवाद एवं प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया जाएगा जिसमें शिक्षा, उद्योग, चिकित्सा, साहित्य, कला और व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

कर्नाटक के बागलकोट में निषेधाज्ञा के बावजूद मांस की दुकानों पर पथराव

बागलकोट। बागलकोट में शुक्रवार को तनावपूर्ण स्थिति बनी रही क्योंकि निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद कई लोग सड़कों पर उतर आए और मांस की दुकानों पर पथराव किया, जिसके चलते पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ गोयल ने बताया कि शोभायात्रा बृहस्पतिवार को अपराह्न करीब 3:30 बजे पुराने कस्बे से शुरू हुई थी और लगभग पूरी होने वाली थी, तभी नवनगर क्षेत्र के किला ओनी में एक मस्जिद के पास रात करीब 9:30 बजे पथराव की घटना हुई। उन्होंने कहा, ''मस्जिद में जूता रखने का एक स्टैंड था और उसे खड़ा रखने के लिए उसके नीचे दो पत्थर रखे गए थे। उन्हीं पत्थरों से पथराव हुआ।

कार्यालय ग्राम पंचायत मिर्चिया विकास खण्ड पलिया जनपद खीरी

पत्रांक : मेमो/2025-26 दिनांक : 24.01.2026

निविदा सूचना

अधिकृत फर्मो को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मिर्चिया में मनरेगा/राज्य वित्त योजना के अन्तर्गत ग्राम आंगनवाड़ी केन्द्र का निर्माण कार्य हेतु प्रयुक्त सामग्री सीमेन्ट, मौरंग, बजरी, रोड़ा, बालू, सरिया, प्रथम श्रेणी ईट, एंगिल आयरन चौखट, विंडो, दरवाजा, वन्नीलेटर पुट्टी, पेन्ट, प्राइमर, किचन सिंक, वाश बेशन, PVC पाइप 100mm आयरन हैण्डेल कम्पलीट, ग्रेनाइट साइन बोर्ड, PVC वाटर टैंक 500 ली. सेनेट्री फिटिंग सामान, इलेक्ट्रिकल फिटिंग सामान, सबमर्सिबल पम्प, बोटिंग 60 मी. गहरी सामान आदि सामान की आवश्यकता है जिसकी अनुमानित लागत 1183432 रू. है।

अत: उक्त कार्य पर सामग्री आपूर्ति हेतु इच्छुक फर्मो को सीलबन्द निविदायें दिनांक 24.1.2026 से 10.2.2026 तक आमंत्रित की जाती है जो कि दिनांक 10.2.2026 को सायं 4 बजे गठित समिति के समक्ष खोली जायेगी।

श्रीमती राजदीप कौर
ग्राम प्रधान
ग्रा. पं. मिर्चिया वि.खं. पलिया खीरी

श्री रत्नेश सोनकर
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्रा. पं. मिर्चिया वि.खं. पलिया खीरी

सपा कार्यकर्ता की हत्या में 5 दोषियों को उम्रकैद

सुलतानपुर, अमृत विचार: अमेठी जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के पूरे गड़ेरियन मौजा राजापुर में चार वर्ष पूर्व हुए सपा कार्यकर्ता आलोक पाल हत्याकांड में शुक्रवार को दोषसिद्ध आरोपियों की सजा पर फैसला सुनाते हुए एडीजे तृतीय निशा सिंह की अदालत ने पांच आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा सुनाकर जेल भेज दिया।

तालाब में गिरी कार, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

मृतकों में बुजुर्ग पत्नी-पत्नी बहू और नाती शामिल

संवाददाता, शिवली (कानपुर देहात)

- औरैया जिले से तेरहवीं समारोह से लौट रहा था ईको कार सवार कानपुर का परिवार

अमृत विचार: शिवली कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार की रात बड़ा हादसा हुआ। यहां औरैया जिले के ग्राम सहायल से एक तेरहवीं कार्यक्रम से वापस कल्याणपुर कानपुर लौट रहे परिवार की ईको कार अनियंत्रित होकर शिवली के बैरी सवाई के पास तालाब में जा गिरी। इससे एक ही परिवार के कई लोग कार में फंसे रह गए। मदद मिल पाती, इससे पहले बुजुर्ग दंपत्ति, उनकी बहू व नाती की मौत हो गई। पांच कार सवारों को मौके पर पहुंची पुलिस और इलाकाई लोगों ने बचा लिया है। उन्हें अस्पताल भेजा गया है।

आवास विकास कल्यानपुर कानपुर के रहने वाले राजकिशोर अग्निहोत्री ईको कार से 9 परिजनों के साथ औरैया को निकले थे। बताया गया कि वहां ग्राम सहायल में एक रिश्तेदार की तेरहवीं संस्कार था। उसमें शामिल होने के बाद सभी लोग वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान देर शाम करीब आठ बजे उनकी कार शिवली-कल्याणपुर रोड पर बैरी सवाई के पास तालाब में जा गिरी। कार गिरने के बाद उसमें सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। अंधेरा होने के कारण आस-पास के लोग हादसे के बारे में देर से जान पाए। काफी देर तक चीखें सुनीं तो तालाब की तरफ ध्यान गया। इसके बाद लोग दौड़े। ग्रामीणों, पुलिस व तहसील कर्मियों के साथ-साथ बजरंग दल व आरएसएस के कार्यकर्ताओं ने कार सवार लोगों को निकाला।

हालांकि निकाले जाने तक कार सवार राजकिशोर अग्निहोत्री (60), उनकी पत्नी स्नेहलता अग्निहोत्री (55), बहू हिमांशु (30) पत्नी अंकुर अगिनहोत्री और शिव अग्निहोत्री पुत्र अंकुर अग्निहोत्री उम्र (2) की मौत हो चुकी थी। शिवली के इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि कृतिका अग्निहोत्री उम्र 30 वर्ष, सुधा पत्नी संजय वाजपेई उम्र 45 वर्ष, वानी अग्निहोत्री पुत्री अंकुर अग्निहोत्री उम्र 3 वर्ष, कान्हा पुत्र संजय उम्र 4 वर्ष, सुधांशु पुत्र राजकिशोर अग्निहोत्री उम्र 24 वर्ष को घायल अवस्था में बाहर निकाल लिया गया।

एसडीएम राजकुमार पांडेय व तहसीलदार सुनील कुमार ने बताया कि घायलों का शिवली में इलाज किया जा रहा है। कुछ घायलों को कानपुर भी भेज दिया गया है। कार राजकुमार अग्निहोत्री चला रहे थे। इधर हादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर शोक जताया है और अधिकारियों को तुरंत राहत देने के निर्देश दिए हैं।

बाइकों की भिड़ंत में परीक्षार्थी समेत 2 की मौत

संवाददाता, असमोली/ओबरी

- हादसे में तीन घायल हाई स्कूल का छात्र था दीपक कुमार

दीपक कुमार।

अमृत विचार : टांडा कोठी-रतनपुर कलां मार्ग पर तेलीपुरा और सैदरी टेंपो स्टैंड के बीच शुक्रवार को दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में हाईस्कूल की परीक्षा देने जा रहे छात्र समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो छात्र सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया।

थाना क्षेत्र के गांव खेमपुर निवासी दीपक कुमार (17) पुत्र कमल सिंह गांव के प्रथमा ग्रामीण उद्योग जूनियर हाईस्कूल में कक्षा 10 का छात्र था। शुक्रवार को वह गांव के ही अभय और विशाल पासी के साथ बाइक से प्रथम पाली की हाईस्कूल परीक्षा देने चौधरी निहाल सिंह इंटर कॉलेज, शाहपुर चमारान जा रहा था।

इसी दौरान सामने से एचौड़ा कंबोह थाना क्षेत्र के गांव ज्ञानपुर सिसौना निवासी मिन्जार पुत्र मुख्तियार अपने साथी सलमान निवासी गौजनी मिलक के साथ बाइक से गन्ना सेंटर जा रहा था। जैसे ही दोनों बाइकें तेलीपुरा के पास पहुंचीं वैसे ही आमने-सामने से टक्कर हो गई। हादसे में छात्र दीपक कुमार व दूसरी बाइक पर सवार मिन्जार की मौके पर ही मौत हो गई। पीछे बैठे अभय, विशाल पासी और सलमान गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी और तीनों घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक दीपक और मिन्जार के परिजन मौके पर पहुंच गए।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ।

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

No. : 349 / Nivida(E-T.)/ 2025-26 Date : 12-02-2026

1. महामहिम राज्यपाल, उ0 प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोनिवि बदायूँ के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार वर्षा काल में क्षतिग्रस्त सड़क के सतह सुधार एवं यातायात सुगम किये जाने हेतु अल्पकालीन ऑनलाइन ई–निविदा दि0 23.02.2026 से दि0 28.02.2026 की दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं:–

2. वित्तीय वर्ष 2025–26 में विशेष मरम्मत योजनान्तर्गत कार्यः–

Sr. No.	District	Name of work	Cost of Construction	Bid Security (in Rs.lac)	Cost of Bid Document (Rs.)	Time of completion	Address of Executive Engineer Executing the work	Address of Superintending Engineer	Address of Chief Engineer	Category of Contractor (Road Work)
1	Budaun	सुरैनी हबीबपुर मुगर्रा सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सी0 सी0 एवं नाली निर्माण का कार्य	31.00	3.10	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareilly Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D

3- बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in. पर दिनांक 23.02.2026 से दि0 28.02.2026 तक उपलब्ध है, निविदाये दिनांक 28.02.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती हैं। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 28.02.2026 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(देवपाल सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो.नि.वि., बदायूँ।

UP - 246568 दिनांक: 19/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली सम्भाग, बरेली

पत्रांक : 3047/स्वी.अनु./गे.ख./परि.–ई–निविदा/2026–27/बरेली दिनांक : 20.2.2026

अल्पकालीन ई–टेण्डर नोटिस

कार्यालय आयुक्त खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन, लखनऊ, के कार्यालय पत्रांक 5471/अ.आ.वि./र.वि.व.–01/2026–27 दिनांक 27.12.2025 के साथ संलग्न शासनादेश सं–380/29–5–2025 (ई2000859) दिनांक 24.12.2025 के द्वारा रबी विपणन वर्ष 2026–27 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत गेहूँ क्रय व्यवस्था संबंधी समय सारिणी में दिये गये निर्देशों तथा शासनादेश सं. 591/29–4–2023/4013(99)/7/2022 दिनांक 16.05.2023, शासनादेश सं. 1215/29–4013(99)7/2022 दिनांक 15.09.2022, शासनादेश सं. 571/29–4–2023/4013(99)/7/2022 दिनांक 03.05.2023, शासन के पत्र संख्या 831/29–4–2023–385/19 दिनांक 25.07.2023 एवं अपर आयुक्त (विपणन), खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन लखनऊ के पत्रांक 3773/अ.वि.श./है.परि./परि.दर/359/2022 दिनांक 25.04.2023 के साथ संलग्न राज्य स्तरीय कमेटी (एस.एल.सी.) की दिनांक 10.07.2023 को सम्पन्न बैठक के काग्रवृत्त के आलोक में इस कार्यालय के पत्रांक 3893/स्वी.अनु./गे.ख./ परि./ई–निविदा/2026–27/बरेली दिनांक 02.02.2026 के द्वारा प्रथम बार एवं कार्यालय के पत्रांक 2972/स्वी.अनु./गे.ख./परि./ई–निविदा/2026–27 बरेली दिनांक 10.02.2026 के द्वारा वित्तीय बार बरेली सम्भाग के जनपद बरेली बदायूँ, पीलीभीत एवं शाहजहांपुर में रबी विपणन वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा नामित समस्त क्रय एजेन्सियों से सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारियों द्वारा स्वीकृत गेहूँ क्रय केन्द्रों पर गेहूँ क्रय केन्द्रों से निर्धारित/सम्बद्ध भारतीय खाद्य निगम डिपो तक गेहूँ के परिवहन कार्य हेतु (एस.एल.सी. द्वारा अनुमोदन की प्रत्याशा में) शेड्यूल दर के सापेक्ष ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ई–निविदायें आमंत्रित की गयी थी।

उक्त ई–टेण्डर के उपरांत मण्डल में विज्ञापित केन्द्रों पर परिवहन कार्य हेतु विचारणीय निविदा न प्राप्त होने वाले अवशेष केन्द्रों एवं जिलाधिकारी बरेली, बदायूँ, पीलीभीत, शाहजहाँपुर द्वारा स्वीकृत नवीन गेहूँ क्रय केन्द्रों पर संलग्न सूची (सूची सं. 01) के अनुसार समस्त क्रय संस्थाओं के गेहूँ परिवहन कार्य हेतु जनपद बरेली के 5, जनपद बदायूँ के 22 जनपद पीलीभीत के 07 एवं जनपद शाहजहाँपुर के 13 कुल 47 गेहूँ क्रय केन्द्रों पर पुन: ई–टेण्डर आमंत्रित किये जाते है।

शासनादेश सं. 380/29–5–2025 (ई2000859) दिनांक 24.12.2025 में निर्धारित व्यवस्थान्तर्गत क्रय केन्द्रों का चयन जिलाधिकारी द्वारा किया जायेगा। यदि जिलाधिकारी द्वारा स्वीकृत/प्रस्तावित क्रय केन्द्रों में से किसी क्रय केन्द्र का चयन नहीं किया जाता है अथवा चयन के उपरान्त निरस्त किया जाता है तो क्रय केन्द्र हेतु डाली गयी समस्त परिवहन कार्य की निविदायें निरस्त समझी जायेगी। संलग्न सूची के अनुसार रबी विपणन वर्ष 2026–27 के अन्तर्गत गेहूँ परिवहन कार्य हेतु ई–निविदायें जनपदवार प्राप्त की जायेगी। निविदादाता द्वारा प्रत्येक केन्द्र के लिए पृथक–पृथक निविदा प्रपत्र संलग्न किये जायेंगे तथा निविदा शुल्क (प्रत्येक केन्द्र हेतु) एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी। परिवहन कार्य हेतु निर्धारित निविदा प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि निविदा विशिष्टीकरण निविदा खुलने की तिथि एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in से डाउनलोड की जा सकती है। परिवहन कार्य हेतु निविदा प्रपत्र शुल्क 500+90(जी.एस.टी.)=590/– तथा प्रत्येक निविदा के साथ परिवहन कार्य के लिये धरोहर धनराशि रू. 15,000/– सम्भागीय वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी (खाद्य), बरेली के पदनाम से खाता संख्या 0232104000190848 आई.एफ.एस.सी. कोड IBKL0000232 आई.डी.बी.आई. बैंक सिविल लाइन्स, बरेली में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. से जमा किया जायेगा। प्रत्येक निविदा के साथ निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 27.02.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। टेक्निकल बिड दिनांक 27.02.2026 को अपरान्ह 03:00 बजे तदर्थ गठित ई–निविदा समिति के द्वारा ऑनलाइन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड के प्रपत्रों की जांचोपरान्त इसमें अहर्य निविदादाताओं की ही वित्तीय निविदा पर विचार किया जायेगा तदोपरांत वित्तीय निविदा, निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा को बिना कोई कारण बताये अस्वीकार करने का अधिकार सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली के पास सुरक्षित होगा।

निविदा की शर्त में परिवर्तन तथा शुद्धि पत्र आदि की सूचना केवल ई–टेण्डर वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होंगे।

(डा. मनिकन्डन ए.)
आई.ए.एस.
सम्भागीय खाद्य नियंत्रक,
बरेली सम्भाग, बरेली

शिखा और हमारे बटुकों का हुआ है अपमान: अखिलेश यादव

संवाददाता, रायबरेली

- यादवजी की लव स्टोरी फिल्म पर भाजपा को घेरा, कहा यह बीजेपी की लव स्टोरी है

अमृत विचार: सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने माघ मेला में शंकराचार्य के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि शिखा ओर हमारे बटुकों का अपमान हुआ है। डिप्टी सीएम ने खुद माना है कि अपमान करने वालों को पाप मिलेगा, लेकिन सवाल यह है कि सजा क्यों नहीं दिलवाई जा रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर सीएम जापान चले जाएंगे तो क्या डिप्टी सीएम वहां धरना देंगे। यादव जी की लव स्टोरी फिल्म को लेकर हो रहे विवाद पर सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नेता कि भारतीय जनता जनता पार्टी ऐसी ही है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि पहले ब्राह्मण समाज को अपमानित करने के लिए कौन सी फिल्म बनाई थी। उसका नाम भी हम नहीं ले सकते हैं, जो समाज ईमानदार है उसे क्या कहा। पूज्यनीय शंकराचार्य जी के साथ क्या किया। शुक्रवार दोपहर अपने एकदिवसीय दौरे पर जनपद फतेहपुर जा रहे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान लोकसभा सांसद अखिलेश यादव का जनपद की सीमा पर स्वागत किया गया।

कार्यालय उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मीरगंज, बरेली
वाद संख्या–T20251213/2026-0611137 दि. 30.1.26

वादीगण 1. श्रीमती चरन देवी पत्नी नन्दराम 2. सुरजा देवी पत्नी मुकुटलाल 3. कलावती पत्नी गोविन्द राम 4. भोले राम पुत्र उदय राम निवासीगण ग्राम भिटौरा नौगवां उर्फ फतेहगंज प. तहसील मीरगंज जिला बरेली बनाम प्रतिवादीगण 1. धनीराम पुत्र गेंदन 2. नरायन दास पुत्र गेंदन 3. श्रीमती चन्द्रवती पत्नी राम किशन सिंह 4. नेनीराम पुत्र ठाकुर दास निवासीगण ग्राम भिटौरा नौगवां उर्फ फतेहगंज प. तहसील मीरगंज जिला बरेली 5. श्रीमती शहनाज बी पत्नी कैसर अली 6. रिहाना बी पत्नी शाकिर अली निवासीगण मौ. अहमद नगर कस्बा फतेहगंज प. तहसील मीरगंज जिला बरेली 7. किशन लाल यादव पुत्र राम स्वरूप यादव 8. गजेन्द्र सिंह यादव पुत्र किशन लाल यादव 9. यश यादव पुत्र सतेन्द्र सिंह यादव संर. किशन लाल यादव निवासीगण ग्राम पनवडिया तहसील मीरगंज जिला बरेली 10. रविन्द्र सिंह यादव पुत्र किशन लाल यादव नि. मो. साहूकारा कस्बा फतेहगंज प. तहसील मीरगंज जिला बरेली 11. फकीर चन्द्र पुत्र लाल 12. राम बाबू मिश्रा पुत्र कृष्ण मिश्रा 13. उमेश बाबू मिश्रा पुत्र कृष्ण मिश्रा 14. पृथ्वी राज सिंह पुत्र जन्डैल सिंह 15. श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी ओमपाल सिंह 16. पवन कुमार सिंह पुत्र प्रेम प्रकाश सिंह 17. राजीव कुमार सिंह पुत्र 18. रामपाल सिंह पुत्र नन्दन सिंह 19. भगवान सिंह पुत्र रघुराज सिंह 20. धनपाल सिंह पुत्र रघुराज सिंह 21. जगदीश सिंह पुत्र रघुराज सिंह 22. प्रदीप सिंह पुत्र रघुराज सिंह 23. बलवीर सिंह पुत्र रघुराज सिंह 24. राज कुमार सिंह पुत्र राज पाल सिंह 25. राजवीर सिंह पुत्र राज पाल सिंह 26. सत्यवीर सिंह पुत्र राज पाल सिंह 27. महेन्द्र सिंह पुत्र संग्राम सिंह 28. नरेन्द्र सिंह पुत्र संग्राम सिंह 29. रजत सिंह पुत्र हेमेन्त सिंह 30. जातिन सिंह पुत्र हेमेन्त सिंह 31. श्रीमती धनदेवी पत्नी हेमेन्त सिंह 32. महेश चन्द्र पुत्र गंगाराम 33. हरीराम पुत्र गंगाराम 34. पोथीराम पुत्र गंगाराम 35. ओमकार पुत्र टीकाराम 36. नन्की प्रसाद पुत्र सोहन लाल 37. राम बहादुर पुत्र फकीरी 38. श्रीमती लीलावती पत्नी फकीरी 39. रामभजन पुत्र अयोध्या प्रसाद 40. धर्मेन्द्र पुत्र अयोध्या प्रसाद 41. अजय कुमार पुत्र अयोध्या प्रसाद 42. कु. जम देवी पुत्री अयोध्या प्रसाद 43. कु. गुड्डी पुत्री अयोध्या प्रसाद 44. रूपवती पत्नी अयोध्या प्रसाद 45. सुखदेई पत्नी गोधन लाल 46. विद्या देवी पत्नी बुद्धसेन 47. पप्पू मौर्य पुत्र किशन लाल मौर्य 48. मंगलसेन मौर्य पुत्र किशन लाल मौर्य 49. कमल मौर्य पुत्र बुद्धसेन 50. कृष्णपाल मौर्य व भूपेन्द्र मौर्य पुत्रगण बांधूराम व सूरज मौर्य पुत्र रामचन्द्र व सरिता मौर्य पुत्री रामचन्द्र व ओमवती पत्नी रामचन्द्र नि. ग्राम भिटौरा फतेहगंज प. तहसील मीरगंज जिला बरेली। अन्तर्गत धारा–24 राजस्व संहिता–2006 आराजी ग्राम भिटौरा नौगवां उर्फ फतेहगंज प. परगना बरेली तहसील मीरगंज जिला बरेली। चूंकि श्रीमती चरन देवी पत्नी नन्दराम आदि निवासी ग्राम भिटौरा नौगवां उर्फ फतेहगंज प. परगना बरेली तहसील मीरगंज जिला बरेली ने धारा–24 राजस्व संहिता–2006 वाद दायर किया है। लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप तारीख 27.02.2026 को असालतन या मार्फत किसी वकील के जो मुकदमा हाजा से बखूबी वाकिफ हो और जो मुकदमा हाजा को जवाब दे मय कागजात मुकदमा के हाजिर हो वरना गैरहाजरी में मुकदमा हाजा फैसला कर दिया जायेगा।

आज तारीख 30.01.2026 मेरे हस्ताक्षर एवं मुहर अदालत से जारी किया गया।

उप जिलाधिकारी (न्यायिक)
मीरगंज, बरेली।

न्यायालय प्रधान न्यायाधीश के अतिरिक्त न्यायाधीश
कुटुम्ब न्यायालय ग्वालियर (म.प्र.)
प्रकरण क्र. 802/2024 आर.सी.एस.एच.एम.
अमित रजक ....आवेदक बनाम श्रीमती सिमरन रजक ....अनावेदिका

सूचना पत्र

बनाम अनावेदिका श्रीमती सिमरन रजक पत्नी श्री अमित रजक पुत्री श्री प्रेमकुमार आयु 22 वर्ष, निवासी–गुलाबनगर, गौरी मंदिर के पास, जिला बरेली (उ.प्र.)

सूचना पत्र

यह कि आवेदक अमित रजक पुत्र श्री संजीव रजक आयु 25 वर्ष निवासी आपागंज गली नं. 01, गौराबाई का मकान, लश्कर, ग्वालियर (म.प्र.) के द्वारा आपके विरूद्ध इस न्यायालय के समक्ष याचिका अंतर्गत धारा 9 हि.वि. अधि. के तहत प्रस्तुत की गई है।

अत: जरिये सूचना पत्र पत्र से आप अनावेदिका श्रीमती सिमरन रजक को सूचित किया जाता है कि इस संबंध में अपना जवाब इस न्यायालय में नियत पेशी दिनांक 24.03.2026 को प्रातः 11:00 बजे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। अनुपस्थिति की दशा में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यदि नियत दिनांक को न्यायालय अवकाश घोषित हो जाता है अथवा पीठासीन अधिकारी अवकाश पर रहते हैं तो प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्य दिवस पर की जायेगी।

आज दिनांक 22.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

(श्री ए.के. मिश्रा)
प्रधान के अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश
कुटुम्ब न्यायालय, ग्वालियर (म.प्र.)

आईएमएफ का दावा: पाकिस्तान के आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता आई

इस्लामाबाद, एजेंसी

- आईएमएफ का एक स्टाफ मिशन 25 को पाकिस्तान का दौरा करेगा

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) के तहत पाकिस्तान की ओर से किये गये नीतिगत उपायों ने देश की डगमगाती अर्थव्यवस्था के वित्तीय सुदृढ़ीकरण में योगदान दिया है जिससे निवेशकों का विश्वास बहाल हुआ है।

आईएमएफ की संचार विभाग की निदेशक जूली कोज़ैक ने गुरूवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पाकिस्तान के नीतिगत प्रयासों ने अर्थव्यवस्था को स्थिर करने और विश्वास को फिर से बनाने में मदद की है। इसके चलते कई प्रमुख व्यापक आर्थिक संकेतकों में सुधार देखा गया है। राजकोषीय प्रदर्शन को मजबूत बताते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 1.3 प्रतिशत प्राथमिक राजकोषीय अधिशेष हासिल किया है, जो निर्धारित कार्यक्रम के लक्ष्यों के अनुरूप है।

सुश्री कोज़ैक ने जानकारी दी कि मुख्य मुद्रास्फीति अपेक्षाकृत नियंत्रित रही है, जो पिछले वर्षों के तीव्र मूल्य दबावों से एक बड़ा बदलाव है।

उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तान ने वित्त वर्ष 2025 के दौरान 14 वर्षों में अपना पहला चालू खाता अधिशेष दर्ज किया है, जिसे बाहरी असंतुलन को ठीक करने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना गया है। आईएमएफ का एक स्टाफ मिशन 25 फरवरी से पाकिस्तान का दौरा करने वाला है, जो ईएफएफ के तहत तीसरी समीक्षा और लचीलापन एवं स्थिरता सुविधा (आरएसएफ) के तहत दूसरी समीक्षा पर चर्चा करेगा। इवा पेट्रोवा के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल लगभग दो सप्ताह तक इस्लामाबाद में बातचीत करेगा, जो 11 मार्च को समाप्त होगी।

यह मिशन समीक्षा अवधि दिसंबर 2025 के अंत तक के प्रदर्शन का आकलन करेगा। हालांकि अधिकारियों ने राजस्व की कमी को स्वीकार किया है, लेकिन उनका मानना है कि संघीय संवैधानिक न्यायालय के हालिया 'सुपर टैक्स' फैसले के बाद यह कमी कम हो सकती है। आगामी चर्चाओं में वित्त वर्ष 2026-27 के प्रारंभिक बजट प्रस्तावों, व्यय प्रबंधन और राजस्व लक्ष्यों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। यदि यह तीसरी समीक्षा सफलतापूर्वक पूरी हो जाती है, तो पाकिस्तान अप्रैल के अंत तक ईएफएफ के तहत लगभग एक बिलियन डॉलर और आरएसएफ के तहत अतिरिक्त 200 मिलियन डॉलर की राशि प्राप्त करने का पात्र हो जाएगा।

सीबीआई ने डीए मामले में घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, एजेंसी

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आय से अधिक संपत्ति (डीए) के मामले में एक घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी संतोष कुमार को तकनीकी खुफिया जानकारी और सत्यापन के आधार पर दिल्ली में 20 फरवरी को गिरफ्तार किया गया। सीबीआई के अनुसार बीएसएनएल के तत्कालीन महाप्रबंधक चंद्र शेखर, कुमार और अन्य के खिलाफ साजिश, धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपों पर 17 जून, 2008 को मामला दर्ज किया गया था।

प्रवक्ता ने बताया कि जांच के दौरान, कुमार ने खुद को एक निजी कंपनी के निदेशक या अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में पेश किया और लोक सेवक को बचाने के लिए तलाशी के दौरान बरामद 85 लाख रुपये पर स्वामित्व का दावा करते हुए याचिकाएं दायर कीं। उन्होंने कहा कि आरोप है कि जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके स्वामित्व का झूठा रिकॉर्ड बनाया गया था। इस मामले में पहले सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत, अंबाला में आरोप-पत्र दायर किया गया था। यह अदालत अब पंचकूला में स्थित है। प्रवक्ता ने कहा कि अभियुक्त मुकदमे में उपस्थित होने में विफल रहा और 24 मार्च, 2011 को उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि लगातार प्रयासों के बावजूद, वह कई वर्षों तक लापता रहा। अब उसे पंचकूला स्थित सीबीआई अदालत में पेश किया जा रहा है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना सं.: इज्जत/इलै./ओ.टी./01/2026 दि. 13.02.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)/इज्जतनगर द्वारा अनन्त्रित की जाती हैं:–**क्रम सं.:–01, कार्य का नाम:**–पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मण्डल के पीलीभीत स्टेशन के ''संशोधित मास्टर प्लान के अनुसार नए स्टेशन भवन और प्लेटफार्म के निर्माण'' और पीलीभीत स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य।, **विवरण:– अनुमानित लागत रु. में:**– 2,25,54,102.26, **धरोहर राशि रु. में:**–2,62,800.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में:**–शून्य, **निविदा का प्रकार:**– खुली निविदा, **ई–निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय:**– 09.03.2026 15.00 बजे तक, **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:**– 12 माह, • इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। • पूर्ण विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दिया गया है। • निविदादाता के पास क्लास-III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिए। • निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे समय–समय पर ऑन लाइन जारी किए गए शुद्धिपत्र की जाँच करे, यदि कोई हो। समाचार पत्र में अलग से कोई प्रकाशन जारी नही किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)/इज्जतनगर
मुजाधि/विद्युत–285

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

न्यूज ब्रीफ

7 मौतों के बाद हाथी को पहनाएंगे रेडियो कॉलर

रांची। झारखंड में पहली बार, हजारीबाग के वन विभाग ने एक मादा हाथी को रेडियो कॉलर पहनाने का फैसला किया है। यह हाथी उसी झुंड का हिस्सा थी जो इस महीने की शुरुआत में 24 घंटे के भीतर सात लोगों की मौत का कारण बना था। अधिकारियों ने बताया कि उपकरण प्राप्त कर लिया गया है और हाथी को बेहोश करके कॉलर पहनाने की तैयारी चल रही है। यह घटना चुरचू ब्लॉक के गोंडवार गांव में हुई थी, जहां पांच हाथियों के एक समूह ने सात लोगों को कुचलकर मार डाला था, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। रेडियो कॉलर उसकी गतिविधियों पर नजर रखेगा।

गैस सिलेंडर फटने से चार लोग घायल

मुंबई। मुंबई के एक पश्चिमी उपनगर में खाना पकाने के गैस सिलेंडर में विस्फोट होने से आग लग गई, जिसमें चार लोग झुलस गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह घटना गुरुवार रात को वाकोला क्षेत्र के दिघे चॉल के कमरा नंबर चार में घटी। उन्होंने बताया कि पीड़ितों की पहचान जावेद अब्दुल शेख, अवंतिका अजय, सुमति रमेश गावडे और यश गावडे के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि एलपीजी सिलेंडर विस्फोट में शेख 55-60 प्रतिशत जबकि सुमति 35 से 40 प्रतिशत तक झुलस गए। अवंतिका अजय और यश भी झुलस गए हैं।

हर्ष फायर करने वाले को 5 वर्ष की सजा

भिण्ड। मध्यप्रदेश के भिण्ड जिले में लगुन फलदान कार्यक्रम के दौरान हर्ष फायर करना एक आरोपी को भारी पड़ गया। न्यायालय ने कट्टे से की गई फायरिंग में बालिका को घायल करने के मामले में आरोपी को दोषी ठहराते हुए पांच वर्ष के सश्रम कारावास और पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। जानकारी के अनुसार उमरी थाना क्षेत्र के ग्राम नारायण सिंह का पुरा नुनहाटा में 20 अप्रैल 2015 को छक्कीलाल जाटव के घर उसके पुत्र का लगुन फलदान कार्यक्रम चल रहा था।

चाकू से हत्या करने के आरोप में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रोहिणी में लूटपाट की कोशिश के दौरान एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या करने और दूसरे को घायल करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों की पहचान रोहित और दुर्गेश उर्फ दुर्गी (23) के रूप में हुई है, दोनों रोहिणी के सेक्टर 23 के निवासी हैं।

तमिलनाडु के मंत्री के खिलाफ दर्ज करें भ्रष्टाचार का मामला

चेन्नई, एजेंसी

● साक्ष्य मौजूद, प्रारंभिक जांच की जरूरत नहीं : मद्रास हाईकोर्ट

मद्रास हाईकोर्ट ने स्थानांतरण, नियुक्तियों और निविदा आवंटन में अनियमितताओं को लेकर तमिलनाडु के नगर प्रशासन एवं जल आपूर्ति मंत्री केएन नेहरू के खिलाफ शुक्रवार को सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय को आपराधिक मामला दर्ज करने के निर्देश दिए।

मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति जी अरुल मुरुगन की पीठ ने आदेश पारित करते हुए कहा कि मंत्री के खिलाफ लगाए गए आरोपों के प्रथमदृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं। पीठ ने माना कि ईडी ने जो सामग्री रखी है, वह संज्ञेय अपराधों का खुलासा करती है इसलिए इस मामले में किसी प्रारंभिक जांच की आवश्यकता नहीं है और प्राथमिकी तुरंत दर्ज की जानी चाहिए। ईडी ने निदेशालय को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि नगर प्रशासन विभाग में सहायक इंजीनियर, जूनियर इंजीनियर और स्वच्छता निरीक्षक जैसे 2,538 पदों पर नियुक्तियों के बदले लगभग 634 करोड़ की रिश्वत ली गई थी।

साइबर अपराध से निपटने के लिए समन्वित कार्रवाई जरूरी: सूर्यकांत

जयपुर, एजेंसी

● जयपुर में साइबर सुरक्षा पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में बोले प्रधान न्यायाधीश

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों से निपटने के लिए समन्वित कार्रवाई का शुक्रवार को आह्वान किया जिसे उन्होंने व्यापक समस्या बताते हुए कहा कि इससे भारी वित्तीय नुकसान होता है और संस्थाओं पर भरोसा कमजोर पड़ता है।

वह शुक्रवार रात यहां राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में साइबर सुरक्षा-जागरुकता, संरक्षण एवं न्याय तक समावेशी पहुंच विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधान न्यायाधीश ने अपने संबोधन में इस समस्या से निपटने के लिए न्यायपालिका के प्रयासों के बारे में बात की। उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल अरेस्ट ठगी से जुड़े मामलों में उन्होंने खुद भी दखल दिया है। उन्होंने कहा, न्याय की चर्चा के केंद्र में साइबर सुरक्षा है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, डिजिटल दौर में नुकसान बहुत तेजी से फैल सकता है, इसलिए मामूली सी सावधानी ही सुरक्षा बन जाती है। असल में साइबर सुरक्षा पुराने ज्ञान का नया रूप है-बोलने से पहले सोचो और कुछ करने से पहले समझो। उन्होंने सलाह दी कि हमेशा जागरूक होकर काम करें, सावधानी से अपनी सुरक्षा करें और यह कभी न मानें कि जो जाना-पहचाना है वह जरूर सुरक्षित ही होगा। उन्होंने कहा कि देशभर में 66 लाख से अधिक साइबर ठगी की शिकायतें लंबित हैं, जिससे साफ है कि यह बहुत बड़ी और व्यापक स्तर पर फैल चुकी समस्या है और दुनियाभर में इस पर ध्यान आकर्षित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हर दूसरे दिन उन्हें पता चलता है कि उनके नाम से एक नई वेबसाइट बनाई गई है और उससे संदेश भेजे जा रहे हैं।

तकनीक से फायदा लेकिन उसके गलत इस्तेमाल से हो रहा नुकसान

डीपफेक एक ऐसी तकनीक है जिसमें कृत्रिम मेधा की मदद से किसी व्यक्ति का नकली वीडियो, ऑडियो या तस्वीर बनाई जाती है, जो देखने-सुनने में बिल्कुल असली जैसी लगती है। सीजेआई ने डिजिटल क्रांति के फायदों को माना, लेकिन उसके गलत इस्तेमाल के खतरों को लेकर आगाह भी किया। उन्होंने कहा कि सरकारें डिजिटल तरीकों से लोगों को सुविधाएं दे रही हैं और लोग उनका इस्तेमाल भी कर रहे हैं, लेकिन चिंता सिर्फ इतनी है कि जब तकनीक बेकाबू हो जाए तो उसे नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा, साइबर सुरक्षा सिर्फ बैंक खाते बचाने की बात नहीं है, बल्कि संस्थाओं पर भरोसा बनाए रखने की बात है। भरोसा न हो तो सबसे अच्छी न्याय व्यवस्था भी कमजोर पड़ जाती है। एआई पर उन्होंने कहा कि वह न्याय प्रणाली में इसके इस्तेमाल का समर्थन करते हैं, लेकिन उतना ही जितना इससे मामलों का जल्दी और कम खर्च में निपटारा हो सके, और यह हमेशा इंसान-केंद्रित रहे।

अमेरिका से व्यापार समझौते के खिलाफ युवा कांग्रेस का एआई समिट में प्रदर्शन

शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ की नारेबाजी, पुलिस ने चार को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत मंडपम में प्रदर्शन करते युवक कांग्रेस कार्यकर्ता।

भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को एआई इम्पैक्ट समिट के आयोजन स्थल पर अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के विरोध में प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए, जिसके बाद पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। भाजपा ने इसके बाद कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मुख्य विपक्षी दल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि धूमिल की है।

युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता हॉल नंबर-5 के अंदर मार्च करते हुए पहुंचे। इनमें कुछ सफेद टीशर्ट पहने हुए थे और कुछ ने ये टीशर्ट हाथों में ले रखी थी। इन पर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरें छपी थीं तथा उन पर इंडिया यूएस ट्रेड डील, एपस्टीन फाइल्स और पीएम इज कम्प्रोमाइज्ड यानी प्रधानमंत्री झुक गए जैसे नारे लिखे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने टीशर्ट भी उतार दीं। उनके विरोध प्रदर्शन के कारण वहां अफरातफरी मच गई। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद कुछ प्रतिभागियों और कुछ प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई।

पुलिस के मुताबिक जिन लोगों को हिरासत में लिया गया, उनमें युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा हरि भी शामिल हैं। मौके पर तैनात एक पुलिसकर्मी ने कहा कि इस घटना के बाद हॉल के अंदर सुरक्षा और कड़ी की जाएगी। यह विरोध प्रदर्शन कुछ ही मिनटों तक चला, जिसके बाद समूह को हॉल से बाहर निकाल दिया गया।

समिट नहीं, किसान विरोधी व्यापार समझौते के खिलाफ

युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभानु चिब ने एक बयान में कहा, युवा कांग्रेस के साथियों ने स्पष्ट कर दिया कि देश का युवा अब चुप नहीं बैठेगा। पीएम इज कंप्रोमाइज्ड यानी प्रधानमंत्री झुक गए सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि करोड़ों बेरोजगार युवाओं का आक्रोश है। अमेरिका के साथ यह व्यापार समझौता हमारे किसानों और जनता के हितों के साथ खिलवाड़ है, जिससे सिर्फ अमेरिका को फायदा होगा। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध हमारा अधिकार है और हम युवाओं की आवाज बुलंद करते रहेंगे। चिब ने कहा, हम एआई इम्पैक्ट समिट के खिलाफ नहीं हैं। हम भारत के हितों के साथ हो रहे समझौते के खिलाफ हैं, इसलिए हमने ये प्रदर्शन किया है।

भाजपा ने कहा- प्रदर्शन विश्व में भारत की छवि खराब करने का प्रयास

भाजपा के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि यह भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, जब भी भारत वैश्विक मंच पर आगे बढ़ता है, कांग्रेस राष्ट्रहित के साथ खड़े होने के बजाय राजनीतिक लाभ लेने को प्राथमिकता देती दिखाई देती है। दलगत राजनीति को देश की प्रतिष्ठा और सम्मान से ऊपर रखना अत्यंत दुखद है। राजनाथ ने कहा कि भारत की जनता भली-भांति समझती है कि कौन भारत को सशक्त और समर्थ बनाने में जुटा है और कौन बार-बार भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास करता है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि यह घटना कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के कहने पर अंजाम दी गई है। उन्होंने कहा, यह साजिश राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की मौजूदगी में राहुल गांधी के निवास स्थान पर रची गई थी। यह प्रयोग है, संयोग नहीं।

इस अप्रत्याशित घटना ने अतिथियों और आगंतुकों को हैरान कर दिया, क्योंकि 'एआई इम्पैक्ट समिट' के मद्देनजर यह व्यापार समझौता विरोधी प्रदर्शन अप्रत्याशित था।

बांग्लादेश की नई सरकार के साथ सभी पहलुओं पर बात करेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

● द्विपक्षीय संबंधों को लेकर विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट की स्थिति

बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के बाद द्विपक्षीय संबंधों को लेकर चल रहे तमाम कयासों के बीच भारत ने स्पष्ट किया है कि वह बंगलादेश में नई सरकार के साथ द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर बात करेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में कहा कि भारत बंगलादेश में नई सरकार के साथ बातचीत शुरू करने और सहयोग आगे बढाने का इच्छुक है। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों के मजबूत होने के प्रति उम्मीद जताई।

उन्होंने कहा कि भारत दोनों देशों के बीच गर्मजोशी वाले और ऐतिहासिक संबंधों को आधार बनाते हुए बांग्लादेश के साथ बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ करने की उम्मीद करता है। प्रवक्ता ने कहा, हम नई सरकार के साथ सक्रिय संवाद स्थापित कर सहयोग बढ़ाने के इच्छुक हैं। नई सरकार के साथ हमारे संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बंगलादेश में नयी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को एक पत्र भी सौंपा। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में पिछले वर्ष तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपदस्थ किए जाने के बाद अंतरिम सरकार के कार्यकाल में भारत और बांग्लादेश के संबंधों में खटास आई हुई है। अब नई सरकार के शासन में दोनों देशों के संबंधों के सामान्य होने के संबंध में अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं।

फलस्तीन मुद्दे के दो-राष्ट्र समाधान के प्रति प्रतिबद्ध

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को फलस्तीन मुद्दे के दो-राष्ट्र समाधान के लिए अपना समर्थन दोहराते हुए कहा कि 100 से अधिक देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर उसने एक बयान जारी कर वेस्ट बैंक में अवैध बस्तियों के विस्तार के इजराइल की कोशिशों की निंदा की है। लगभग 80 देशों और संगठनों द्वारा समर्थित प्रारंभिक बयान में भारत का जिक्र नहीं था। फलस्तीन के संयुक्त राष्ट्र दूत रियाद मंसूर ने मंगलवार को यह बयान जारी किया था। एक नए बयान में भारत और लगभग 20 देशों और संगठनों ने दो राष्ट्र समाधान का समर्थन किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से जब साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में पूछा गया कि भारत प्रारंभिक बयान का हिस्सा क्यों नहीं था, तो उन्होंने कहा कि देशों और संगठनों द्वारा उस तरह से दस्तावेज पर बातचीत नहीं की गई थी जैसा सामान्य तौर पर होता आया है। उन्होंने कहा कि इस विशेष मुद्दे पर हमारा रुख हाल ही में भारत-अरब लीग के मंत्रिस्तरीय संयुक्त वक्तव्य में व्यक्त किया गया था। जायसवाल ने कहा कि नई दिल्ली में 31 जनवरी को आयोजित भारत-अरब लीग की बैठक में इजराइल के साथ-साथ रहने वाले एक संप्रभु और व्यवहार्य फलस्तीनी राष्ट्र के लिए जोर दिया गया।

देशहित से खिलवाड़ करने वाली शक्तियां फिर सक्रिय

अहमदाबाद, एजेंसी

● गुजरात में भाजपा कार्यकर्ताओं से बोले राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को जनता से निहित स्वार्थ में लगी ऐसी ताकतों के प्रति सावधान किया है जो देश की सुरक्षा और जनहित से खिलवाड़ करती हैं। केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा का अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार गुजरात के दौरे पर आए नवीन ने यहां कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी निहित स्वार्थी ताकतें देश में पुनः सक्रिय हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ दलों के नेता केवल चुनाव के समय सक्रिय होते हैं, जबकि भाजपा के नेता और कार्यकर्ता अपने को पूरी तरह जन सेवा में समर्पित करते हैं और जनता से निरंतर संपर्क में रहते हैं। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा, हमें जनता के साथ इतना सशक्त और जीवंत संबंध स्थापित करना है कि ऐसे अवसरवादी तत्वों के लिए कोई स्थान न बचे। उन्होंने देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसा नेता देने के लिए गुजरात की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया जो आज देश और दुनिया का बेहतरी के लिए नेतृत्व कर रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, गुजरात की धरती के लाल नरेन्द्र मोदी आज देश और विश्व का नेतृत्व कर रहे हैं, उस पावन भूमि को वह नमन करते हैं। इसी धरती से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अहिंसा का संदेश दिया।

मिसाल: 15 लाख के गहने असली मालिक को लौटाए

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में छह महीने पहले जमा किए गए कबाड़ को छांटते समय कबाड़ व्यापारी हाजी अख्तर खान को करीब 100 ग्राम सोना मिला, जिसे उन्होंने पुलिस की मदद से असली मालिक तक पहुंचाकर ईमानदारी की मिसाल पेश की।

अनजाने में कबाड़ में फेंके गए 15 लाख मूल्य के आभूषणों को पाकर शर्मा परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। बल्लभगढ़ के सहायक पुलिस आयुक्त जितेश मल्होत्रा ने शुक्रवार को बताया कि अशोक शर्मा और उनके परिवार ने पिछले साल जनवरी में प्रयागराज कुंभ मेले में जाने से पहले गहनों को चोरी से बचाने के लिए घरेलू कबाड़ से भरी बोरी में छिपा दिया था। कुछ महीनों बाद, उन्होंने कबाड़ बेच दिया और छिपे सोने के बारे में पूरी तरह भूल गए थे।

पुराने मुद्दे छोड़ पांच वर्षीय योजनाओं पर बात करें हिमंत शर्मा

गुवाहाटी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को राज्य में कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री बनने की अपनी कथित संभावना के बारे में 10 साल पुराने मुद्दे को उठाने के बजाय रोजगार, विकास और अगले पांच वर्षों की योजनाओं पर बात करनी चाहिए। प्रियंका ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कथित भ्रष्टाचार, एक परिवार में धन के केंद्रीकरण और राज्य की संपत्तियों को बड़े उद्योगपतियों को सौंपने को लेकर शर्मा पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि असम के लोग यह महसूस कर रहे हैं कि बदलाव का समय आ गया है। शर्मा के हाल के उन दावों के बारे में पूछे जाने पर जिनमें उन्होंने कांग्रेस की ओर से राज्य का मुख्यमंत्री बनने की संभावना जताई थी, प्रियंका ने कहा, राजनीति में कई फैसले लिए जाते हैं। कुछ पक्ष में जाते हैं, कुछ विपक्ष में। हमें इसे स्वीकार करना होगा। अगर वह (शर्मा) अभी भी 10 साल पुराने मुद्दे को उठा रहे हैं तो मैं क्या कहूं।

बाबर के नाम पर धर्मस्थल का नामकरण रोकने की याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

● निलंबित टीएमसी विधायक मुर्शिदाबाद में बनवा रहे हैं बाबरी मस्जिद की प्रतिकृति

सुप्रीम कोर्ट ने मुगल शासक बाबर या बाबरी मस्जिद के नाम पर किसी भी मस्जिद या धार्मिक संरचना के निर्माण या नामकरण पर रोक लगाने का निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका पर विचार करने से शुक्रवार को इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ द्वारा याचिका पर विचार करने में अनिच्छा व्यक्त करने के बाद याचिकाकर्ता के वकील ने इसे वापस ले लिया।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने निलंबित तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर द्वारा पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की प्रतिकृति बनाने की घोषणा का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता देश में आक्रांताओं के नाम पर मस्जिदों के निर्माण के खिलाफ है। हुमायूं कबीर ने इस तथ्य के बावजूद मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण की घोषणा की थी कि बाबर एक आक्रमणकारी था। कबीर के खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए। पीठ ने याचिका खारिज करने की घोषणा की तो वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। याचिका में केंद्र, राज्यों और अन्य सरकारों को मामले पर विचार का अनुरोध किया गया था।

प्रमाणन रद्द करने संबंधी याचिका पर हाईकोर्ट ने दिया 'द केरल स्टोरी 2' के निर्माता और सीबीएफसी को नोटिस

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने कन्नूर के एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर फिल्म 'द केरल स्टोरी 2 - गोज बियॉन्ड' के निर्माताओं, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिका में अदालत से फिल्म के प्रमाणन को रद्द करने और इसके शीर्षक पर पुनर्विचार सहित संशोधनों का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

● दूसरे राज्यों की घटनाओं पर फिल्म बनाकर भ्रम फैलाने का आरोप

कन्नूर के कन्नवम निवासी श्रीदेव नंबूदरी ने याचिका में सूचना प्रसारण मंत्रालय, सीबीएफसी और निर्माता विपुल अमृतलाल शाह को प्रतिवादी बनाया है। न्यायमूर्ति बेचू कुरियन थॉमस की अध्यक्षता वाली पीठ ने अगली सुनवाई 24 फरवरी को तय की। याचिका में कहा गया है कि सीबीएफसी ने सिनेमाटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत वैधानिक जनादेश का उचित अनुपालन किए बिना फिल्म को प्रमाण पत्र प्रदान किया है। याचिका के अनुसार, फिल्म के टीजर और ट्रेलर में कई राज्यों की महिलाओं से जुड़ी कहानियों को दर्शाया गया है लेकिन सामग्री को 'द केरल स्टोरी' के रूप में ब्रांड किया गया है, साथ ही आतंकवाद, जबरन धर्मांतरण और जनसांख्यिकीय षड्यंत्र की घटनाओं को विशेष रूप से केरल राज्य से जोड़ा गया है।

पहलवान सुशील की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट ने पुलिस से पूछा रुख

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनकर की हत्या के मामले में ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार की जमानत याचिका पर दिल्ली पुलिस से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। न्यायमूर्ति अनूप जे भंभानी ने मृतक के परिजनों को भी नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा है।

● मृतक सागर धनकर के परिजनों को भी नोटिस जारी कर मांगा जवाब

अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल अगस्त में हाईकोर्ट से सुशील कुमार को दी गई जमानत रद्द कर दी थी। न्यायाधीश ने टिप्पणी की, मुझे लगता है कि आप कुछ ज्यादा ही उम्मीद कर रहे हैं। जब सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है तो आप मुझसे क्या उम्मीद करते हैं। अभियुक्त के वकील ने कहा कि जमानत याचिका पर विचार किया जाना चाहिए क्योंकि सभी सार्वजनिक गवाहों से पूछताछ हो चुकी है। दिल्ली पुलिस और मृतक के परिजनों के वकीलों ने कहा कि सभी सार्वजनिक गवाहों से पूछताछ अभी बाकी है। कोर्ट ने कहा, अगली सुनवाई से पहले स्थिति रिपोर्ट/विस्तृत जवाब दाखिल किया जाए।

भारत-अमेरिका समझौते के खिलाफ किसान सम्मेलन करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को फैसला किया कि अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के खिलाफ वह अलग-अलग राज्यों में किसान सम्मेलन करेगी, जिनमें किसानों को बताया जाएगा कि इस समझौते का उनकी आजीविका पर नकारात्मक असर पड़ने वाला है। पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें यह फैसला किया गया। इस बैठक में इन राज्यों के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और विधायक दल के नेता शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि पहला किसान सम्मेलन 24 फरवरी को भोपाल और दूसरा सात मार्च को महाराष्ट्र के यवतमाल में आयोजित किया जाएगा।

समुद्री सुरक्षा | आईओएनएस कॉन्क्लेव ऑफ चीफ्स के नौवें आयोजन में बोले नौसेना प्रमुख

हिंद महासागर भौगोलिक ही नहीं साझा रणनीतिक क्षेत्र

विशाखापट्टनम, एजेंसी

● भारत ने 16 वर्षों बाद आईओएनएस की अध्यक्षता संभाली

नौसेना प्रमुख दिनेश कुमार त्रिपाठी ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि हिंद महासागर केवल एक भौगोलिक रणनीतिक क्षेत्र नहीं है, बल्कि एक साझा रणनीतिक क्षेत्र है, जिसकी स्थिरता वैश्विक विकास और सामूहिक कल्याण की नींव है भारत ने 16 वर्षों के बाद हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) की अध्यक्षता संभाली है।

नौसेना प्रमुख ने आईओएनएस कॉन्क्लेव ऑफ चीफ्स के नौवें आयोजन में रॉयल थाई नेवी के कमांडर-इन-चीफ पायरोट फुएंगचन से यह जिम्मेदारी ग्रहण की। नौसेना प्रमुख ने कार्यभार संभालने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 21वीं सदी को व्यापक रूप से समुद्री सदी और हिंद महासागर की सदी के रूप में माना जा रहा है। एडमिरल त्रिपाठी ने समुद्री सुरक्षा चुनौतियों के बदलते स्वरूप पर जोर देते हुए कहा कि दुनिया न केवल बहुत सारे खतरों का सामना कर रही है, बल्कि विभिन्न तरीकों में भी मेल हो रहा है। नौसेना प्रमुख ने उल्लेख किया कि उन्नत तकनीकों की बढ़ती उपलब्धता और पहुंच के साथ सरकारी और गैर-सरकारी गतिविधियों के बीच सीमा धुंधली होती जा रही है, समुद्री खतरे अधिक चुनिंदा, परिष्कृत और वैश्विक व्यापार के लिए अधिक विनाशकारी हो रहे हैं। एडमिरल त्रिपाठी ने रुझानों का जिक्र करते हुए कहा, हमारी हालिया वार्षिक रिपोर्ट ने इस महत्वपूर्ण बदलाव को उजागर किया है। भले ही घटनाओं की संख्या कम हुई हो, लेकिन व्यक्तिगत घटनाओं की गंभीरता और परिणाम बढ़ गए हैं। दूसरे शब्दों में, आज समुद्री क्षेत्र के जोखिमों और चुनौतियों को उनकी संख्या से कम और उनके प्रभाव के दायरे से अधिक पहचाना जाता है।

भारतीय नौसेना सहयोगियों के साथ सुरक्षा में योगदान देने को प्रतिबद्ध

नौसेना प्रमुख ने कहा कि इस दृष्टिकोण को लागू करने के लिए, अध्यक्षता के दौरान मुख्य रूप से कार्यकारी समूहों को मजबूत करने, युद्धाभ्यास बढ़ाने, सूचना साझा करने और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में पेशेवर आदान-प्रदान पर जोर दिया जाएगा। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि हम रणनीतिक बातचीत को आगे बढ़ाने, महत्वपूर्ण दस्तावेजों को अंतिम रूप देने, ट्रेनिंग के विस्तार और नागरिकों के बीच संपर्क सुधारने की योजना बना रहे हैं। साझा जिम्मेदारी पर जोर देते हुए एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, जो महासागर हम साझा करते हैं, वे हमारी नियति को जोड़ते हैं। इस समुद्री क्षेत्र के सामूहिक संरक्षक के रूप में, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम हिंद महासागर को सुरक्षित, खुला और शांतिपूर्ण रखें। उन्होंने दोहराया कि भारतीय नौसेना सुरक्षा में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है और क्षेत्र में सुरक्षा मजबूत करने के लिए अपने सहयोगियों के साथ मिलकर हर संभव प्रयास करेगी।

राज कुंद्रा को बिटकॉइन मामले में जमानत मिली

मुंबई। यहां की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को कारोबारी राज कुंद्रा को जमानत दे दी। कुंद्रा कथित बिटकॉइन घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में अदालत में पेश हुए थे। धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज मामलों के विशेष न्यायाधीश आर बी रोटे ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए कुंद्रा को जनवरी में समन जारी किया था। कुंद्रा अदालत के समक्ष पेश हुए और जमानत याचिका दायर की, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। उनके वकील प्रशांत पाटिल ने कहा कि कुंद्रा ने 2021 से ही ईडी की जांच में सहयोग किया था। पाटिल ने बताया कि मामले से संबंधित सभी दस्तावेज पहले से ही जांच एजेंसी के पास थे, इसलिए उनकी हिरासत की जरूरत नहीं थी। अदालत ने आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए कहा था कि गवाहों के बयान और अन्य सबूतों से प्रथम दृष्टया ऐसा दिख रहा है कि कुंद्रा और दुबई स्थित कारोबारी राजेश सतीजा पीएमएलए के तहत दंडनीय अपराध में शामिल थे।

अमृत विचार

शनिवार, 21 फरवरी 2026

पारदर्शी जांच की उम्मीद

महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई असामयिक मृत्यु ने राज्य ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी गहरी संवेदना और सवालों का वातावरण निर्मित किया। किसी भी हाई-प्रोफाइल दुर्घटना के बाद स्वाभाविक रूप से संशय और आशंकाएं जन्म लेती हैं। ऐसे में यक्ष प्रश्न यही है कि क्या दुर्घटना के वास्तविक कारण निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ सामने आ पाएंगे। इस संदर्भ में केंद्र सरकार और नागरिक उड्डयन मंत्रालय का रुख भरोसा जगाने वाला है।

दुर्घटना की जांच का दायित्व 'एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो' यानी एएआईबी को सौंपा गया है, जो अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन आईसीएओ के मानकों के अनुरूप कार्य करता है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी तरह तकनीकी, साक्ष्य-आधारित और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होगी। यह घोषणा स्वयं इस बात का संकेत है कि सरकार इस मामले को औपचारिक प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि संस्थागत विश्वसनीयता की कसौटी के रूप में देख रही है। तकनीकी स्तर पर हुई प्रगति इस प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने पुष्टि की है कि डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर या डीएफडीआर से डेटा सफलतापूर्वक डाउनलोड कर लिया गया है। यह डेटा विमान की गति, ऊंचाई, इंजन की स्थिति और पायलट के तकनीकी इनपुट्स का विस्तृत रिकॉर्ड प्रस्तुत करता है। इस आधार पर एएआईबी ने 30 दिनों के भीतर प्रारंभिक जांच रिपोर्ट जारी करने की घोषणा की है। समयबद्ध रिपोर्टिंग की यह सार्वजनिक प्रतिबद्धता पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा सकती है, हालांकि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर यानी सीवीआर से डेटा निकालने में तकनीकी चुनौतियां सामने आई हैं, विशेषकर दुर्घटना के बाद लगी आग के कारण। इसके बावजूद सरकार ने स्पष्ट किया है कि विशेषज्ञों और निर्माता कंपनी की सहायता ली जा रही है, ताकि उपलब्ध प्रत्येक तकनीकी स्रोत का उपयोग किया जा सके। यह दृष्टिकोण इस बात को रेखांकित करता है कि जांच एजेंसियां किसी भी तथ्य को अधूरा छोड़ने के पक्ष में नहीं हैं। इस बीच विपक्ष की ओर से, विशेषकर एनसीपी (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले द्वारा पारदर्शी और औपचारिक जांच की मांग की गई है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी मांगें स्वाभाविक हैं। उल्लेखनीय यह है कि सरकार ने इन आवाज़ों को प्रतिरोध के रूप में नहीं देखा, बल्कि जांच की निष्पक्षता और विधिक प्रक्रिया को दोहराते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। इससे यह संकेत मिलता है कि इस मामले को राजनीतिक विवाद के बजाय सार्वजनिक विश्वास के प्रश्न के रूप में लिया जा रहा है। सरकार द्वारा संबंधित विमानन संचालन और रख-रखाव प्रक्रियाओं की समीक्षा तथा आवश्यक ऑडिट की पहल भी की गई है।

कुल मिलाकर अजित पवार विमान दुर्घटना की जांच तकनीकी संस्थाओं की क्षमता और सरकार की नीयत दोनों की परीक्षा है। अब तक के संकेत, डेटा रिकवरी, समयबद्ध रिपोर्ट की घोषणा और विशेषज्ञ सहयोग, यह दर्शाते हैं कि प्रक्रिया को गंभीरता और विधिक अनुशासन के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। यह जांच न केवल सत्य को सामने लाएगी, बल्कि सार्वजनिक विश्वास को भी सुदृढ़ करेगी।

प्रसंगवश

इतिहास के गर्त में समाती मातृभाषाएं

दुनिया भर में अंग्रेजी भाषा के पसरते पांव और मिल रहे संरक्षण ने विश्व में बोली जाने वाली उन सैकड़ों लोक भाषाओं के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है, जो सदियों से बोली जाती रही हैं। इस परिप्रेक्ष्य में चौकानें वाला तथ्य यह है कि विलुप्त हो रही भाषाओं में भारत के तकरीबन 196 भाषाओं का अस्तित्व भी खतरे में है। गत वर्ष पहले 'भाषा रिसर्च एंड पब्लिकेशन सेंटर' द्वारा किए गए 'भारतीय भाषाओं के लोक संरक्षण' की रिपोर्ट से उजागर हुआ था कि विगत 50 वर्षों में भारत में बोली जाने वाली 850 भाषाओं में तकरीबन 250 भाषाएं विलुप्त हो चुकी हैं। इनमें भी 130 से अधिक भाषाओं का अस्तित्व तो पूरी तरह खतरे में है। इस शोध के मुताबिक असम की 55, ओडिसा की 47, त्रिपुरा की 10, महाराष्ट्र एवं गुजरात की 50, मेघालय की 31, मणिपुर की 28, नागालैंड की 17 और त्रिपुरा की 10 भाषाएं मरने यानी खत्म होने के कगार पर हैं। इन्हें बोलने वालों की संख्या लगातार घट रही है। उदाहरण के तौर पर सिक्किम में माझी बोलने वालों की संख्या सिर्फ चार रह गई है। इसी तरह कई अन्य लोक भाषाओं के बोलने वालों की तादाद ऊंगली पर है।

अरविंद जयतिलक

लेखक

गौर करें तो यह लोक भाषाओं के अस्तित्व के लिए गंभीर चुनौती है। चूंकि भारत भाषायी विविधता से समृद्ध देश है और लोक भाषाएं लोक संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती हैं, ऐसे में उनका संरक्षण और भी अधिक जरूरी हो जाता है, लेकिन विडंबना है कि भाषाओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ने के बजाए उदासीनता ज्यादा है। गौर करें तो भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर भी लोक भाषाएं तेजी से विलुप्त हो रही हैं। गत वर्ष पहले मैक्सिको की पुरानतम भाषाओं में से एक अयापनेको के विलुप्त होने की खबर अच्छी खासी चर्चा में रही, इसलिए कि अयापनेको भाषा को जानने और बोलने वाले लोगों की संख्या विश्व में महज दो रह गई है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इन शेष दो लोगों ने भी ठान लिया है कि वह आपस में इस भाषा के जरिए वार्तालाप नहीं करेंगे। मतलब साफ है कि अयापनेको भाषा का अस्तित्व मिटने जा रहा है।

विश्व की हर भाषा की अपनी ऐतिहासिकता और गरिमा होती है। प्रत्येक समाज अपनी भाषा पर गर्व करता है। अयापनेको भाषा की भी अपना एक विलक्षण इतिहास रहा है। इस भाषा को मैक्सिको पर स्पेनिश विजय का गवाह माना जाता है, लेकिन विडंबना है कि जिस अयापनेको भाषा को युद्ध, क्रांतियां, सूखा और बाढ़ लील नहीं पाया वह आज अपने ही लोगों की संवेदनहीनता के कारण अस्तित्व के दौर से गुजरने को मजबूर है। इन सबके बीच सुखद बात यह है कि इंडियाना विश्वविद्यालय के भाषायी नृविज्ञानी अयापनेको भाषा का शब्दकोष बनाकर उसे विलुप्त होने से बचाने की जुगत कर रहे हैं। पर देखा जाए तो भाषाओं के विलुप्त होने की समस्या सिर्फ अयापनेको तक ही सीमित नहीं है। विश्व के तमाम देशों में बोली जाने वाली अन्य स्थानीय भाषाएं भी दम तोड़ रही हैं।

दुनियाभर में तकरीबन 6900 भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें से 2500 से अधिक भाषाओं के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। नतीजा इन्हें 'भाषाओं की चिंताजनक स्थिति वाली भाषाओं की सूची' में रखने के लिए मजबूर होना पड़ा है। गत वर्ष पहले संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा कराए गए एक तुलनात्मक अध्ययन से खुलासा हुआ कि 2001 में विलुप्तप्रायः भाषाओं की संख्या जो 900 के आसपास थी, वह आज बढ़कर तीन गुना के पार पहुंच चुकी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> नरक क्या है? मेरा मानना है कि यह प्रेम करने में असमर्थ होने का दुख है।
> –**फ्योदोर दोस्तोवस्की**, रूसी साहित्यकार

प्रमाणन की होड़ में दम तोड़ती अकादमिक गुणवत्ता

डॉ. प्रियंका सौरभ

लेखिका

गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा हालिया विवाद सोशल और मुख्यधारा मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है। सतह पर यह मामला उपयुक्तता, प्राथमिकताओं या कैंपस संस्कृति से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन वास्तविकता में यह भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे एक गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है। समस्या रोबोडॉग नहीं है। समस्या यह है कि हमारे विश्वविद्यालय धीरे-धीरे क्या बनते चले गए हैं।

पिछले दो दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। निजी विश्वविद्यालयों, स्ववित्तपोषित कॉलेजों और डिग्री संस्थानों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। इस विस्तार को अक्सर 'शिक्षा तक पहुंच बढ़ने' और 'जनसांख्यिकीय लाभ' के रूप में प्रस्तुत किया गया, लेकिन जब यह विस्तार समानांतर नियमन, अकादमिक कठोरता और जवाबदेही के बिना हुआ, तो इसकी क़ीमत गुणवत्ता को चुकानी पड़ी। परिणाम यह हुआ कि मात्रा बढ़ी, पर गुणवत्ता गिरती चली गई।

आज देश के अधिकांश (हालांकि सभी नही) निजी विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज शिक्षा के केंद्र कम और डिग्री वितरण केंद्र अधिक बन गए हैं। शिक्षा एक बौद्धिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लेन-देन बनती जा रही है। पैसे के बदले डिग्री। उपस्थिति, अकादमिक भागीदारी, प्रयोगशाला कार्य और बौद्धिक अनुशासन जैसी बातें अब अनिवार्य नहीं रहीं, बल्कि समझौते के दायरे में आ गई हैं। जो कभी उच्च शिक्षा में गैर-समझौतावादी हुआ करता था, वह अब लचीला, कमजोर और विकृत हो चुका है।

यह गिरावट विशेष रूप से उन विषयों में चिंताजनक है, जहां कठोरता अनिवार्य है। सैद्धांतिक पढ़ाई का कमजोर होना एक बात है, लेकिन विज्ञान शिक्षा का खोखला हो जाना कहीं अधिक गंभीर है। आज स्थिति यह है कि छात्र बिना नियमित कक्षाओं में गए और बिना प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण लिए विज्ञान जैसे विषयों में स्नातक और परास्नातक डिग्रियां प्राप्त कर रहे हैं। प्रयोगात्मक कार्य, जो कभी वैज्ञानिक प्रशिक्षण की रीढ़ हुआ करता था, अब औपचारिकता बनकर रह गया है। डिग्रियां तो दी जा रही हैं, लेकिन दक्षता सुनिश्चित नहीं की जा रही।

इस खोखलेपन के परिणाम तब स्पष्ट होते हैं, जब छात्र नौकरी के लिए सामने आते हैं। रसायन विज्ञान में परास्नातक छात्र बुनियादी वैज्ञानिक अवधारणाएं नहीं समझा पाता। कॉमर्स स्नातक डेबिट और क्रेडिट की मूल अवधारणा स्पष्ट नहीं कर पाता। प्रबंधन की डिग्री रखने वाला छात्र समस्या-समाधान और आलोचनात्मक सोच में कमजोर दिखाई देता है। ये कोई इक्का-दुक्का उदाहरण नहीं, बल्कि उद्योग जगत द्वारा बार-बार देखी जा रही सामान्य प्रवृत्तियां हैं। स्वाभाविक रूप से इससे छात्रों और अभिभावकों में निराशा पैदा होती है। वर्षों की पढ़ाई और भारी आर्थिक निवेश के बावजूद जब रोजगार नहीं मिलता, तो सवाल उठते हैं। माता-पिता यह पूछने में बिल्कुल सही होते हैं कि पढ़ाई के बाद भी बच्चा बेरोज़गार क्यों है? रोजगार सृजन एक नीतिगत चुनौती है, लेकिन यह विमर्श एक असहज सच्चाई को नज़रअंदाज़ कर देता है कि बड़ी संख्या में स्नातक वास्तव में रोजगार-योग्य ही नहीं हैं।

यहीं से मूल प्रश्न जन्म लेता है। यदि छात्रों में आवश्यक ज्ञान और कौशल नहीं है, तो उन्हें योग्य घोषित करने वाली डिग्रियां उन्हें कैसे मिल गईं? ऐसी संस्थाओं को बिना अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित किए प्रमाणपत्र बांटने की अनुमति किसने दी? इसका उत्तर हमें उच्च शिक्षा के नियामक ढांचे में मिलता है। भारत में उच्च शिक्षा की देखरेख कई मंत्रालयों, विभागों और नियामक संस्थाओं द्वारा की जाती है, जिनका घोषित उद्देश्य मानकों की रक्षा, गुणवत्ता सुनिश्चित करना और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखना है।

मान्यता प्रणालियां, निरीक्षण, मूल्यांकन और अकादमिक ऑडिट इसी उद्देश्य से बनाए गए थे, लेकिन व्यवहार में ये प्रक्रियाएं अक्सर वास्तविक मूल्यांकन के बजाय औपचारिक अनुष्ठान बनकर रह गई हैं। निरीक्षण प्रायः पूर्व-निर्धारित होते हैं। दस्तावेज़ औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सजाए जाते हैं। इमारतों और बुनियादी ढांचे को शिक्षण गुणवत्ता पर प्राथमिकता दी जाती है। अनुपालन को सीखने के परिणामों से ऊपर रखा जाता है। छात्रों का वास्तविक अकादमिक अनुभव, शिक्षण की गुणवत्ता, परीक्षा की कठोरता और जिज्ञासा की संस्कृति, इन पर गंभीर और निरंतर निगरानी शायद ही होती है। नतीजतन, संस्थान शिक्षा सुधारने के बजाय नियामकों को 'मैनेज' करना सीख लेते हैं।

इस नियामक शिथिलता ने एक दुष्चक्र को जन्म दिया है। संस्थान न्यूनतम अकादमिक जवाबदेही के साथ चलते रहते हैं, नियामक निगरानी का आभास बनाए रखते हैं और डिग्रियां लगातार जारी होती रहती हैं। इस व्यवस्था की क़ीमत न तो संस्थान चुकाते हैं, न ही नियामक बल्कि छात्र, नियोक्ता और समाज चुकाता है। विडंबना यह है कि एक ओर उद्योग जगत योग्य मानव संसाधन की कमी की शिकायत करता है, वहीं दूसरी ओर देश शिक्षित बेरोज़गारी के गंभीर संकट से जूझ रहा है। यह कोई विरोधाभास नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम है, जहां प्रमाणपत्र को क्षमता से ऊपर रखा गया है। कंपनियां नए कर्मचारियों को फिर से प्रशिक्षित करने पर भारी ख़र्च करने को मजबूर हैं, जबकि युवा पेशेवर आत्मविश्वास की कमी और करियर ठहराव से जूझते हैं। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा शिकार वे ईमानदार और प्रतिभाशाली छात्र हैं, जो अक्सर विकल्पों की कमी या भ्रामक ब्रांडिंग के कारण औसत संस्थानों में दाख़िला ले लेते हैं। वे मेहनत करते हैं, सीखना चाहते हैं, लेकिन अंततः उन्हें अपनी काबिलियत से ज़्यादा अपनी मार्कशीट पर दर्ज संस्थान के नाम का बोझ उठाना पड़ता है। उनकी व्यक्तिगत योग्यता संस्थागत विश्वसनीयता की कमी में दब जाती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा विवाद की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे एक गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है।

आमने सामने

रमजान के नाम पर बेवजह लाउडस्पीकर बजाकर बच्चों की पढ़ाई और बीमार लोगों की सेहत से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों और सरकारों की ओर से बनाए गए कानून का पालन करना चाहिए। मुझे अजान से दिक्कत नहीं है।

–**बालमुकुंद आचार्य**
बीजेपी विधायक, राजस्थान

बीजेपी विधायक खुद ही एक लाउडस्पीकर हैं, जो हमेशा नफरती बोल बोलते रहते हैं। इन्हें दूसरों से क्या परेशानी होगी, ये तो खुद सड़क से लेकर विधानसभा सदन तक लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। आचार्य बीजेपी की ही भाषा बोल रहे हैं।

–**घनश्याम महर**
कांग्रेस विधायक
राजस्थान

राज्यों के चुनाव और भाजपा की स्थिति

डॉ. विकास शुक्ला

चिकित्सक

इस साल केरल, असम, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भाजपा की सरकार है तो पुडुचेरी में भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए सत्ता में है। भाजपा इन राज्यों की सत्ता में पुनः वापसी करने की भरपूर कोशिश कर रही है, तो पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के हाथों से सत्ता छीन कर वहां पहली बार सरकार बनाने का सपना संजोए हुए है। पार्टी को उम्मीद है कि वह केरल और तमिलनाडु में मजबूत स्थिति में उभरेगी। इन राज्यों के चुनाव भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के लिए भी चुनौती हैं, क्योंकि उनकी ताजपोशी के बाद पहला चुनाव होने जा रहा है। इन चुनावों में उनके रणनीतिक कौशल का भी प्रदर्शन होगा।

बिहार में मिली अभूतपूर्व सफलता से भाजपा उत्साहित है। पार्टी के रणनीतिकारों को लगता है कि इस बार वे पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज हो जाएंगे। माना जा रहा है कि बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से बाहर हुए हैं। पार्टी वहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मुस्लिम तुष्टीकरण के आरोप भी लगाती रही है। इसी को मुद्दा बनाकर भाजपा ने वहां मतदाताओं को अपने पक्ष में लामबंद करने के प्रयास शुरू किए हैं।

तृणमूल कांग्रेस को लगता है कि वह जनकल्याणकारी योजनाओं के दम पर पुनः सत्ता पा लेगी, हालांकि वहां भाजपा की निगाहें अभी कांग्रेस और वामपंथी दलों के कदम पर टिकी हुई हैं। कांग्रेस अभी ममता बनर्जी के साथ भी गठजोड़ करने को आतुर दिख रही है, लेकिन अभी उसे कोई भाव नहीं मिला है। कांग्रेस चाहेगी कि इस चुनाव में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराए, पर यह तभी संभव है, जब उसका वामपंथी दलों या ममता की पार्टी के साथ गठजोड़ हो।

भाजपा को भी पार्टी के आतंरिक कलह को खत्म करना होगा। ऐसे कई वरिष्ठ नेता हैं, जो नाराज हैं। उन्हें लगता है कि दूसरे दलों से आए नेताओं को भाव ज्यादा मिल रहा है और उन्हें किनारे किया जा रहा है। इसका लाभ ममता बनर्जी को पिछले चुनाव में मिला था। आतंरिक कलह खत्म हो, इसके लिए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रणनीतिकार पूरी शिद्दत से काम कर रहे हैं। यह आंतरिक कलह ही बड़ी चुनौती है। 2021 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 213 सीटें जीतीं थीं, जबकि भाजपा को 77 सीटों से संतोष करना पड़ा था। भाजपा यहां कांग्रेस के मतदाताओं पर भी निगाह लगाए हुए है।

बात अगर असम की करें, तो यहां की सत्ता में भाजपा की तीसरी बार वापसी हो सकती है। मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सर्मा के आक्रामक हिंदुत्व वाले दांव से विरोधी परेशान हैं। 2021 में 75 सीटें जीतने वाले बीजेपी गठबंधन को इस बार और अधिक सीटें मिलने की उम्मीद है। यहां पार्टी एकजुट नजर आती है, लेकिन कांग्रेस को लगता है कि वह सत्ता विरोधी लहर का लाभ उठा सकती है, इसीलिए वहां प्रियंका गांधी और राहुल गांधी अभी से सक्रिय हो गए हैं। कांग्रेस यहां गौरव गोगोई के नेतृत्व में चुनाव लड़ने को तैयार है, तो हिमंता लगातार गौरव गोगोई को भारत विरोधी सिद्ध करने में लगे हुए हैं।

मुस्लिम वोटों के दम पर वहां मजबूती से डटी एआईयूडीएफ अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का मुद्दा उठाकर भाजपा को घेर रही है। भाजपा को लगता है कि यह मुद्दा जितना दमदारी से उठेगा, उसे सत्ता वापसी करने में उतनी ही आसानी होगी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन जल्द ही इस राज्य का दौरा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के कई दौरे यहां हो चुके हैं।

तमिलनाडु में एमके स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके की सरकार है। भाजपा यहां अन्नाद्रमुक के साथ उन्हें सत्ता से हटाने के लिए लड़ रही है। डीएमके का कांग्रेस से गठजोड़ है। उम्मीद लगाई जा रही है कि यह गठबंधन टूट जाएगा। यदि ऐसा होता है, तो भाजपा और अन्नाद्रमुक के लिए बड़ा फायदा होगा। यहां बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। इस मुद्दे को भाजपा और उसके सहयोगी दल उभार रहे हैं, तो सबसे बड़ी चुनौती अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके भी पेश कर रही है। कांग्रेस इस चुनाव में अभिनेता विजय के साथ मैदान में उतरना चाहती है। यहां भाजपा हिंदुत्व के मुद्दे को उभार रही है।

केरल में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सत्ता में है। इस फ्रंट ने 2021 में 99 सीटें जीतीं थीं। यहां मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन बड़ी चुनौती है, लेकिन भाजपा मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में जुटी है। यहां भी भाजपा हिंदुत्व के सहारे है, तो पुडुचेरी में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के मुखिया एन. रंगासामी मुख्यमंत्री हैं। भाजपा को यहां यकीन है कि वह पुनः सत्ता में वापसी करेगी, हालांकि इस राज्य में मुद्दा हिंदुत्व नहीं, बल्कि विकास का है और इसी मुद्दे पर भाजपा और उसके सहयोगी दल मैदान में हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> इस साल होने वाले पश्चिम बंगाल के चुनाव में बीजेपी जीत का परचम लहराना चाहती है, लेकिन यहां पार्टी का अंतर्कलह उसके लिए सर दर्द है।

सोशल फोरम

फागुन पूर्णिमा का बसंतोत्सव

फागुन का महीना हिंदी भाषी प्रदेशों में होली की मस्ती लेकर आता है। ठंड की विदाई की घोषणा होली के दिन के साथ ही मानी जाती है। रंगों और फूलों के इस मौसम से भला गुरुदेव रवींद्रनाथ का स्वप्न-संसार शांति निकेतन कैसे अछूता रहता। स्वयं गुरुदेव ने बसंत का स्वागत करने के लिए आश्रम के निवासियों के लिए बसंतोत्सव का आरंभ किया। हर साल यह फाल्गुन पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।

सुधा सिंह

शिक्षाविद्

गुरुदेव ने अपने संस्मरण में लिखा है, 'शांति निकेतन आकर ही मैं अपने जीवन में पहले पहल विश्व-प्रकृति के बीच उन्मुक्त हो सका था।' शांति निकेतन में प्रकृति अपने स्वच्छंद रूप में दिखती है, लेकिन यह उन्मुक्तता यहां अपने संपूर्ण रूप में बसंतोत्सव के दिन मुखरित दिखाई देती है।

बसंतोत्सव की प्रतीक्षा अन्य सभी आश्रमवासियों की तरह मुझे भी होती थी। इस समय सारा वातावरण ही तरह-तरह के फूलों और पत्तों से मह-मह करता है। मेरे अत्यंत पुराने और उसी अनुपात जर्जर दो तल्ले के घर, जिसका नाम 'प्राक्तनी' था, के सामने एक बहुत बड़ा बागान था। इसमें कई तरह के पेड़-पौधे लगे हुए थे- आम, शरीफा, बेर, अमरूद, जामुन आदि के पेड़ तथा रातरानी, छातिम, कचनार, रक्तजवा आदि फूलों के पौधे थे।

प्रवेशद्वार पर लोहे के फाटक के ठीक दोनों तरफ दो पलाश के बड़े-बड़े पेड़ थे, जो फागुन के महीने में लाल-लाल दहक कर पूरे परिवेश पर अपना वर्चस्व क़ायम कर लेते थे। सड़क के उस पार ठीक सामने उतने ही बड़े बागान के बीच बना छोटा-सा सादा और सुंदर अमृता सेन (अमर्त्य सेन की मां) का घर 'प्रतीची' है।

बसंतोत्सव की उद्घोषणा के पंद्रह-बीस रोज पहले से मेरे घर के लोहे के फाटक के दोनों ओर लगे इस पेड़ की पहरेदारी जैसी करनी पड़ती थी। सारे प्रयत्नों के बाद भी दोल या बसंतोत्सव के दिन सुबह-सुबह उठने पर एक ही नजारा हुआ करता था, बेचारे पलाश वृंतच्युत हो चुके होते थे। नंगी डालियां और जमीन पर नुचे-गिरे कुछ पलाश के फूल अमूमन यही दृश्य होता था। ऐसा इसलिए होता था कि कालिदास की शकुंतला की तरह या पुरा-मिथकों की अप्सराओं-किन्नरियों की तरह रूपसी शांति निकेतनी बालाओं का साज-सिंगार बसंतोत्सव के दिन लाल पलाश के फूल ही होते थे। उनकी बासंती रंग की साड़ी और शांति निकेतनी उत्तरीय के साथ हाथ, गले, कान और केश-सभी में गहनों का स्थानापन्न पलाश के फूल बनते थे। इस कारण बाजार में इनकी मांग बढ़ जाती थी। **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

कदम-कदम पर पहचान के लिए लड़ती स्त्री

हर शाम जब वह अपने दफ़्तर से लौटकर घर का दरवाज़ा खोलती है, तो केवल ताला नहीं खुलता, बल्कि समाज की संदेहभरी निगाहें भी उसके साथ भीतर प्रवेश कर जाती हैं। वह शिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरी एक आधुनिक महिला है, जो अपनी गाड़ी स्वयं चलाती है। किताबों में सुकून तलाशती है और अपने सपनों की दुनिया खुद गढ़ती है, लेकिन समाज की नजर में उसकी यह सफलता सम्मान का कारण नहीं बनती, बल्कि उसे 'समस्या' का रूप दे देती है। आज लाखों महिलाएं अविवाहित, तलाकशुदा या विधवा होकर आत्मसम्मान से जी रही हैं, फिर भी उन्हें अधूरा मान लिया जाता है। मानो विवाह ही स्त्री के अस्तित्व की अंतिम स्वीकृति हो। यही सीमित सोच उन्हें सराहना के बजाय संदेह और सवालों के कटघरे में खड़ा कर देती है।

यह मानसिकता अचानक उत्पन्न नहीं हुई, बल्कि सदियों पुरानी परंपराओं की गहराइयों से निकली है। समाज ने स्त्री को सदैव किसी न किसी पुरुष की छाया में देखने की आदत बना ली है। पिता, पति और पुत्र, इन्हीं के माध्यम से उसके जीवन की पहचान तय कर दी गई। आज भी अनेक परिवार विवाह को ही स्त्री की सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार शहरो में अविवाहित महिलाओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है, फिर भी सामाजिक सोच अब तक पिछड़ेपन से मुक्त ी हो सकी है। स्वतंत्र और आत्मनिर्भर महिला को व्यवस्था के लिए खतरा माना जाता है, क्योंकि वह पारंपरिक सत्ता संरचना को चुनौती देती है और स्थापित मान्यताओं को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा कर देती है।

कृति जैन

लेखिका

इस भय का सबसे गहरा प्रभाव महिलाओं के रोज़मर्रा के जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मकान मालिक उन्हें किराए पर घर देने से हिचकिचाते हैं, पड़ोसी कानाफूसी करते हैं और रिश्तेदार बार-बार विवाह की याद दिलाकर मानसिक दबाव बढ़ाते हैं। कार्यस्थल पर भी उन्हें अलग दृष्टि से देखा जाता है, मानो उनकी योग्यता नहीं, बल्कि उनका वैवाहिक दर्जा ही उनकी पहचान हो। पुरुषों का अविवाहित रहना सामान्य माना जाता है, किंतु किसी महिला का अकेले रहना उसके चरित्र पर प्रश्नचिह्न लगा देता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां अविवाहित या विधवा महिलाओं को सामाजिक बहिष्कार और उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। यह दोहरा मापदंड धीरे-धीरे महिलाओं की आत्मविश्वास और मानसिक शक्ति को कमजोर करने का माध्यम बन जाता है।

अकेली महिलाओं की कठिनाइयां केवल सामाजिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संस्थागत ढांचों में भी गहराई से समाई हुई हैं। संपत्ति अधिकार, बैंक ऋण, बीमा योजनाएं और अनेक सरकारी सुविधाएं आज भी विवाहितों को प्राथमिकता देती हैं। व्यवस्था अब तक यही मानकर चलती है कि महिला का जीवन किसी पुरुष के सहारे ही पूर्ण होता है। जब वह अपने बल पर आगे बढ़ती है, तो उसे अपवाद की तरह देखा जाता है। यह मानसिकता वास्तव में पितृसत्ता की असुरक्षा को उजागर करती है। पुरुष-प्रधान व्यवस्था को भय है कि यदि महिलाएं बिना किसी सहारे के सफल हो गईं, तो नियंत्रण और प्रभुत्व की दीवारें स्वतः ढह जाएंगी। इसी कारण अविवाहित रहना आज केवल निजी पसंद नहीं, बल्कि एक सशक्त सामाजिक विद्रोह बन चुका है। जब कोई महिला स्पष्ट कहती है कि उसे अभी या कभी विवाह नहीं करना, तो वह परंपराओं को सीधी चुनौती देती है। वह यह सिद्ध करती है कि पहचान केवल पत्नी या मां बनकर ही नहीं बनती। यह विद्रोह दहेज, घरेलू हिंसा और भावनात्मक शोषण जैसी कुरीतियों के विरुद्ध भी आवाज़ है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

समुद्र का सौंदर्यपूर्ण संगम
मुरुदेश्वर

मुरुदेश्वर कर्नाटक राज्य में अरब सागर के किनारे स्थित भटकल नगर से 13 किमी दूर स्थित उत्तर कन्नड़ जिले का एक धार्मिक और पर्यटन के लिए प्रसिद्ध नगर है। यहां विश्व की दूसरी सबसे बड़ी 123 फिट ऊंची भगवान शिव की मूर्ति स्थापित है। इसे अरब सागर में बहुत दूर से देखा जा सकता है। इस मूर्ति को इस तरह बनाया गया है कि सूरज की किरणें पड़ने से यह चमकती रहे। इसे बनाने में दो साल लगे थे और शिवमोग्गा के काशीनाथ और अन्य मूर्तिकारों ने बनाया था।

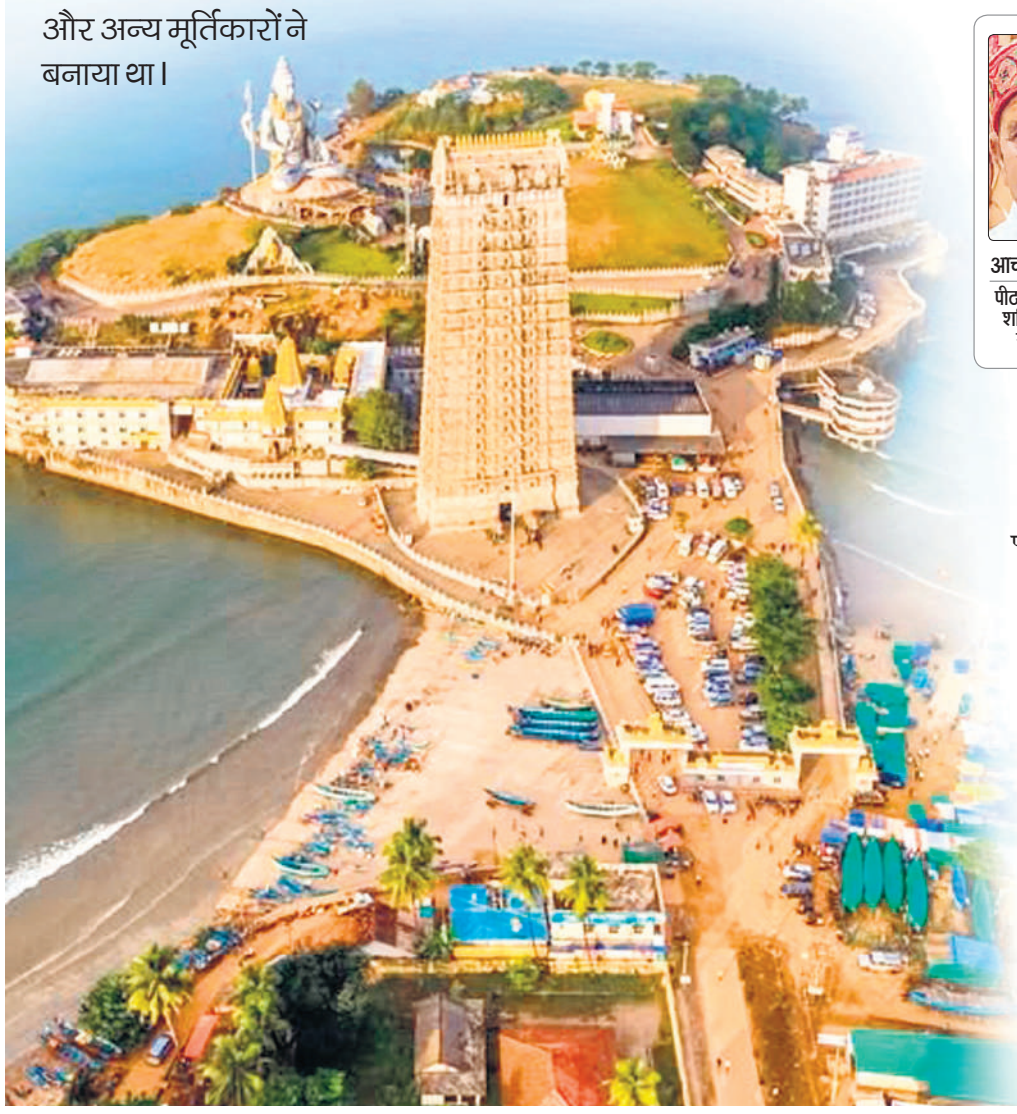

आचार्य अमरेश मिश्र
पीठाधीश्वर शकुंतला शक्ति पीठ विकास नगर, कानपुर

बेंगलुरु से मुरुदेश्वर पहुंचने के लिए हमने ट्रेन का चुनाव किया। रोज शाम 6.50 बजे बेंगलुरु से चलने वाली पंचगंगा एक्सप्रेस दूसरे दिन सुबह छह बजे मुरुदेश्वर पहुंचा देती है। मंदिर स्टेशन के पास ही स्थित है, लेकिन हमने पहले होटल पहुंचने का निश्चय किया। मुरुदेश्वर का सागरतट काफी खूबसूरत माना जाता है। पर्यटकों को यहां धार्मिक स्थल के साथ प्राकृतिक सुंदरता का आनंद भी मिलता है। कंदुका पहाड़ी पर, तीन ओर से पानी से घिरा मुरुदेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यहां भगवान शिव का आत्मलिंग स्थापित है। यहां का राजा गोपुरा या राज गोपुरम विश्व में सब से ऊंचा गोपुरा माना जाता है। यह 20 मंजिल के बराबर करीब 249 फीट ऊंचा है। इस विशाल मीनार जैसे गोपुरम में लिफ्ट लगी है, जिसके ऊपर से अरब सागर और भगवान शिव की प्रतिमा का अद्भुत नजारा नजर आता है। इस गोपुरम को एक स्थानीय व्यवसायी ने बनवाया था। द्वार पर दोनों तरफ सजीव हाथी के बराबर ऊंची हाथी की मूर्तियां बनी हैं। मंदिर में दर्शन के लिए जींस-टीशर्ट की मनाही है। मुरुदेश्वर मंदिर हिंदू स्थापत्य शैली (द्रविड़ शैली) में बना है, जिसमें चालुक्य और काम्बा राजवंश की मूर्तिकला-शैली और ग्रेनाइट निर्माण देखने योग्य है। यहां अब पर्यटकों की बढ़ती संख्या देखते हुए स्कूबा डाइवंग और वॉटर स्पोर्टस के भी इंतजाम किए गए हैं।

पौराणिक कथा

मुरुदेश्वर मंदिर में भगवान शिव का आत्मलिंग स्थापित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, रावण ने अमरता का वरदान पाने के लिए भगवान शिव की कठिन तपस्या की। इससे प्रसन्न भगवान शिव ने उसे एक शिवलिंग दिया, जिसे 'आत्मलिंग' कहा जाता है। शिव ने कहा कि अगर तुम अमर होना चाहते हो, तो इसे लंका ले जाकर स्थापित कर देना, लेकिन एक बात ध्यान रखना कि इसे जिस स्थान पर रख दोगे, ये वहीं स्थापित हो जाएगा। रावण के अजेय होकर पृथ्वी को नष्ट करने की आशंका से भयभीत होकर नारद तुरंत गणेश जी के पास पहुंचे और एक योजना बनी। रावण संध्याकाल में विशेष उपासना करता था। जब वह गोकर्ण के पास था, तब भगवान विष्णु ने अपनी शक्ति से संध्याकाल का भ्रम उत्पन्न किया। गणेश जी ब्राह्मण बालक के रूप में रावण के सामने पहुंचे। रावण ने उनसे प्रार्थना समाप्त होने तक आत्मलिंग को थामे रखने का अनुरोध किया, लेकिन गणेश जी ने आत्मलिंग को धरती पर रख दिया। इसी बीच विष्णु ने अपना सुदर्शन चक्र हटा लिया, जिससे रावण ने सूर्य का प्रकाश देखा और खुद को ठगा हुआ महसूस किया। उसने आत्मलिंग को हटाने का बहुत प्रयास किया पर वह स्थापित हो चुका था।

पास ही में घूम सकते हैं फोर्ट

मुरुदेश्वर मंदिर के बाद मुरुदेश्वर फोर्ट घूमने जा सकते हैं। मंदिर के पास होने के कारण बड़ी संख्या में सैलानी यहां जाते हैं। इस फोर्ट के ऊपर से सामने सिर्फ नीले रंग का पानी ही पानी दिखाई देता है। इस फोर्ट का इतिहास विजयनगर साम्राज्य के राजाओं से जोड़ा जाता है। कहा जाता है कि टीपू सुल्तान के बाद किसी ने भी मुरुदेश्वर फोर्ट का जीर्णोद्धार नहीं कराया। फोर्ट का कुछ हिस्सा अब खंडहर में तब्दील हो चुका है।

कैसे पहुंचें

मुरुदेश्वर से मंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 165 किलोमीटर दूर स्थित है। हवाई अड्डे से टैक्सी या बस से मुरुदेश्वर जा सकते हैं। रास्ते में हरे-भरे वातावरण और तटीय परिदृश्यों के मनोरम दृश्य देखने को मिलते हैं। मुरुदेश्वर में रेलवे स्टेशन भी है, जो मंगलुरु, बेंगलुरु और मुंबई से जुड़ा है। रेलवे स्टेशन से ऑटो-रिक्शा से मंदिर पहुंच सकते हैं। मुरुदेश्वर के लिए मंगलुरु, उडुपी और बेंगलुरु जैसे शहरों से नियमित बस सेवाएं

उपलब्ध हैं। कार से यात्रा करने पर एनएच-66 से सफर करते हुए अरब सागर के किनारे मनोरम दृश्यों का आनंद उठा सकते हैं।

जॉब का पहला दिन

जब सपना बना सकारात्मक परिवर्तन का संकल्प

कृष्ण कुमार मिश्र
प्रधानाचार्य, अयोध्या

मेरा बचपन से ही शिक्षक बनने का सपना था। विद्यालय के दिनों में जब मैं अपने गुरुओं को श्रद्धा और सम्मान के साथ देखता, तो मन में यही आकांक्षा जन्म लेती कि एक दिन मैं भी ज्ञान का दीप प्रज्वलित करूंगा। वह स्वप्न 4 जुलाई 1994 को साकार हुआ, जब मैंने अपने शिक्षकीय जीवन की पहली पारी शुरू की। वह दिन आज भी स्मृतियों में उसी ताजगी के साथ अंकित है।

पहले दिन मैं ऊर्जा, उत्साह और हल्की-सी घबराहट के मिश्रित भावों से भरा विद्यालय पहुंचा। परिसर में प्रवेश करते ही बच्चों की चहचहाहट और प्रार्थना की धुन ने मन को अद्भुत सुकून दिया। प्रार्थना सभा में जब मेरा परिचय समस्त विद्यार्थियों और शिक्षकों से कराया गया, तो हृदय गर्व से भर उठा। उसी क्षण मुझे कक्षा अध्यापक का दायित्व भी सौंपा गया। यह विश्वास मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ उत्तरदायित्व का संकेत था।

सभा के उपरांत शिक्षा अधिकारी श्री जीपी वंतू ने मुझे अपने कक्ष में बुलाया। उन्होंने मुस्कुराते हुए मेरी शक्तियों और कमजोरियों के बारे में पूछा। मैंने निस्संकोच कहा कि अनुशासन और नैतिक मूल्यों के प्रति मेरी दृढ़ आस्था मेरी सबसे बड़ी शक्ति है। साथ ही स्वीकार किया कि कभी-कभी शीघ्र क्रोध आ जाना मेरी कमजोरी रही है, पर मैं स्वयं को निरंतर सुधारने का प्रयास करता रहूंगा। मेरी स्पष्टवादिता से वे संतुष्ट दिखे और मुझे शुभकामनाएं दीं। पहली बार जब मैं

अपनी कक्षा में पहुंचा, तो उत्सुक निगाहें मुझे देख रही थीं। मैंने औपचारिकता छोड़कर संवाद का रास्ता चुना। बच्चों से उनके सपनों, रुचियों और खेलकूद के बारे में बात की। खेल मेरा प्रिय क्षेत्र रहा है और इसी माध्यम से विद्यार्थियों से आत्मीय संबंध स्थापित करने की शुरुआत हुई। मुझे लगा कि शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों के संवर्धन से भी गहराई से जुड़ा है। उस दिन घर लौटते समय मन में संतोष और संकल्प दोनों थे।

संतोष इस बात का कि मेरा स्वप्न साकार हुआ और संकल्प इस बात का कि मैं अपने विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का कारण बनूंगा। रात को देर तक मैं उसी दिन की घटनाओं को याद करता रहा और भविष्य की योजनाएं बनाता रहा। सचमुच, वह पहला दिन मेरे जीवन की दिशा तय करने वाला अविस्मरणीय अध्याय बन गया।

बैगपाइप: पहाड़ों की सांसों में बसा सुर

आप पहाड़ की शांत सुरम्य वादियों में हों और दूर कहीं कोई छोटा सा गांव बसा हो। अचानक वहां से सुरीली सी स्वर लहरियां आकर हवा में बिखरने लगें, तो सोचिए कितना सुंदर अनुभव होगा। ऐसा ही अनुभव होता है बैगपाइप को सुनकर यानी हमारी भाषा में मशक बीन या जिसे बीन बाजा भी कहते हैं। मशक बीन जैसे ही अपने स्वर बिखेरती है, तो पहाड़ जीवंत होने लगते हैं, पत्ता-पत्ता मुस्कराने लगता है और फूलों में निखार आ जाता है। अंग्रेज भारत आए और अपने साथ ग्रेट ब्रिटेन के उत्तरी भाग में स्थित स्कॉटलैंड का वाद्य यंत्र बैगपाइप भी साथ लाए। फिर ब्रिटिश आर्मी के बैंड में इसे इस्तेमाल किया गया। आर्मी में शामिल भारतीय सैनिकों को भी इसे सीखने का अवसर मिला।

अमृता पांडे
स्वतंत्र लेखिका, हल्द्वानी

प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भी भारतीय सैनिकों ने इसका खूब अभ्यास किया। यह बैगपाइप भारत का खासकर कुमाऊं और गढ़वाल का होकर रह गया, शायद इसलिए कि स्कॉटलैंड की आबोहवा और प्रकृति उत्तराखंड के सुरम्य वातावरण से काफी हद तक मेल खाती है। संगीत यूं भी भौगोलिक सीमाओं और सात समंदर की दूरियों को नहीं जानता। हमारे लोक संगीत के साथ इसका अटूट नाता बन गया। मशक बीन का साथ मिला, तो लोकगीतों की ध्वनि मशक बीन के माध्यम से निकालने लगी। यह इतना लोकप्रिय हुआ कि इसने यहां के कई परंपरागत वाद्य यंत्रों को पीछे छोड़ दिया। इसे मशक बीन का नाम दिया गया।

मशक यानी पानी की थैली। बचपन में मैदानी क्षेत्रों में भिश्ती को मशक लेकर नालियों को साफ करते देखा था। इस यंत्र की थैली भी बिल्कुल वैसी ही होती हैं। भिश्ती शब्द फारसी शब्द से लिया गया है। पुराने समय में मशक में पानी लेकर युद्ध क्षेत्र में सैनिकों को पानी पिलाकर सेवा करना भिश्ती का ही काम होता था। पांच पाइपों वाला यह एक वायु वाद्य है, जिसे बांसुरी या शहनाई जैसे अन्य वाद्य यंत्रों की तरह ही फूंक मारकर बजाया जाता है। इटली, फ्रांस, इंग्लैंड से होता हुआ यह एशिया की सैर करने आ पहुंचा।

कई पड़ोसी देशों जैसे पाकिस्तान, अफगानिस्तान और नेपाल में भी लोकप्रिय हो गया और पाकिस्तान के सियालकोट और भारत के जालंधर शहर में बनाया जाने लगा। बैगपाइप यानी मशक बीन में चमड़े की थैली में चार छेद होते हैं, जिनमें से एक पाइप नीचे की तरफ और तीन ऊपर की तरफ लगे होते हैं। एक पाइप बैग से जुड़ा रहता है, जिसमें वादक फूंक मारता है और दूसरे पाइप को अपनी उंगलियों से नियंत्रित करता है और ऊपर की तरफ निकलने वाले तीन पाइप जो कंधे पर टिकाए गए होते हैं, उनके माध्यम से सुरीले स्वर निकलते हैं।

बैगपाइप का जिक्र आने पर सबसे पहले स्कॉटलैंड का ग्रेट हाइलैंड बैगपाइप का ही ध्यान आता है, क्योंकि 15 वीं शताब्दी से ही यह वहां के कबीले की संस्कृति में शामिल था। इसकी शुरुआत अक्सर ग्रामीण जीवन के साथ जोड़कर देखी जाती है। ऊब और थकान से बचने के लिए चरवाहे जानवर चराते समय इसे बजाकर मनोरंजन किया करते थे। इसे बनाने के लिए मरे हुए जानवरों का चमड़ा और बांस भी उन्हें जंगल और चारागाह में आसानी से उपलब्ध हो जाता होगा। समय के साथ-साथ इसे मशाल इंस्ट्रूमेंट के तौर पर विकसित किया गया।

आज के समय में दुनियाभर में लकड़ी और ब्रास से बनाए गए सौ से ज्यादा तरह के बैगपाइप प्रचलन में हैं। पारंपरिक रूप में यह बकरी या भेड़ की खाल को सुखाकर बनाया जाता है और इसमें इस्तेमाल किए जाने वाले पाइप, जिन्हें चेंटर भी कहते हैं, बांसुरी की ही तरह बांस के होते हैं। 1947 में अंग्रेज चले गए पर मशक बीन भारतीय सैनिकों के दिलों दिमाग में रच बस गया। धीरे-धीरे न जाने कैसे यह हमारे संस्कृतिक समारोहों और वैवाहिक उत्सवों में शरीक हो गया। यह भारतीय सेना का भी अनिवार्य हिस्सा बन गया।

कुमाऊं रेजीमेंट के अभ्यास और कार्यक्रम के दौरान मशक बीन के सुरीले स्वर वातावरण में मिठास खोल देते हैं। चाहे रानीखेत का सोमनाथ ग्राउंड हो या अल्मोड़ा का कैंट एरिया। पूर्व सैनिक तो इस पर स्कॉटिश धुन बजाने में भी माहिर हैं। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर राजपथ में होने वाले आयोजन में, जिसमें देसी-विदेशी मेहमानों की उपस्थिति में विशेष परिधान में सजी-धजी सेना की टुकड़ियां इस वाद्य यंत्र के साथ धुन निकालते हुए कदमताल करती हैं। यह धुन इतनी असरकारी है कि पूरा वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज जाता है। इसी तरह सार्वजनिक उत्सवों में अगर ढोल-दमाऊ के साथ मशक बीन की संगत न हो, तो रंगत फीकी सी लगती है। बेडू पाको बारो मासा और कैलै बाजे मुरूली जैसे गीत और मशक बीन एक दूसरे के पर्याय हैं। इन गीतों की धुन मशक बीन पर सुनते ही पैर खुद-ब-खुद थिरकने लगते हैं।

कुमाऊं के छोलिया नृत्य और गढ़वाल के पौणा नृत्य के दौरान मशक बीन की उपस्थिति पैरों की थिरकन और हृदय की धड़कन दोनों को बढ़ा देती है। लोक गीतों के अलावा देश भक्ति गीत, मार्शल म्यूजिक, पश्चिमी धुन, जैज, रॉक, क्लासिकल, फिल्मी गीत सभी बैगपाइप के मदद से बड़ी शान से बजाते हैं। कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में भी इसका जलवा है। इसे बजाना बहुत मेहनत और लगन का काम है। चूंकि यह पाइप में मुंह से हवा भर के बजाया जाता है, तो फेफड़ों की बढ़िया एक्सरसाइज हो जाती है। इसमें धुन तभी निकलती है, जब बैग में हवा भरी हो।

आनुभूति

जन्मदिन: जीवन के सफर का उत्सव

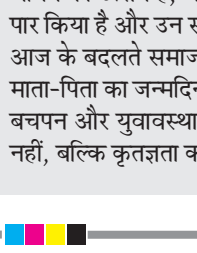

प्रिंस श्रेयश
शिक्षक

बचपन में जन्मदिन किसी त्योहार से कम नहीं होता था। सुबह से ही घर में हलचल शुरू हो जाती थी। मां रसोई में कुछ खास बनाती थीं, पिताजी मुस्कुराते हुए आशीर्वाद देते थे, रिश्तेदार फोन करते थे या घर आकर गले लगाते थे। एक छोटा-सा केक, कुछ मोमबत्तियां और ढेर सारा स्नेह, बस इतना ही तो चाहिए था खुश होने के लिए। उस समय जन्मदिन केवल तारीख नहीं, बल्कि अपने होने का उत्सव था। फिर समय बदला। बड़े हुए तो जन्मदिन का अर्थ बदल गया। दोस्तों के साथ पार्टी, हंसी-मजाक, देर रात तक जश्न यह सब जन्मदिन की पहचान बन गया। परिवार की जगह दोस्तों का दायरा बढ़ गया। खुशी वही थी, पर रूप अलग था। उस उम्र में लगता था कि यही असली जीवन है।

फिर विवाह हुआ। अब लोग सालगिरह याद रखने लगे और जन्मदिन धीरे-धीरे परिवार तक सीमित हो गया। जिम्मेदारियां बढ़ीं, प्राथमिकताएं बदलीं। जीवन की दौड़ में तारीखें कैलेंडर के पन्नों में सिमटने लगीं। जन्मदिन अब उतना शोर-शराबे वाला नहीं रहा, बल्कि एक शांत-सा दिन बन गया, जिसमें कुछ संदेश, कुछ औपचारिक शुभकामनाएं और सामान्य दिनचर्या शामिल हो गई। धीरे-धीरे अपने बच्चे हुए। अब घर में फिर से जन्मदिन मनाया जाने लगा, पर इस बार अपने बच्चों का। उनके लिए केक, सजावट, उपहार और उत्साह। उनकी आंखों की चमक में हम अपना बचपन तलाशने लगे, लेकिन इसी बीच कहीं हमारा अपना जन्मदिन पीछे छूट गया। कभी-कभी तो चुपचाप गुजर भी जाता है। तब मन में एक विचार उठता है, जब हमारे माता-पिता हमारा जन्मदिन इतने प्रेम से मनाते थे, क्या उस समय उनका अपना जन्मदिन भुला दिया गया था?

शायद यही दुनिया की रीति है। समय के साथ केंद्र बदलता रहता है। बचपन में हम केंद्र में होते हैं, युवावस्था में मित्र, फिर परिवार और अंत में बच्चे। जीवन का चक्र ऐसे ही चलता है। एक पीढ़ी उत्सव मनाती है, दूसरी पीढ़ी उत्सव का कारण बनती है, लेकिन क्या इसका अर्थ यह है कि जन्मदिन की कोई कीमत नहीं रही? नहीं। जन्मदिन केवल केक या पार्टी का नाम नहीं है। यह उस जीवन का उत्सव है, जो हम जी रहे हैं, उन संघर्षों का सम्मान है, जिन्हें हमने पार किया है और उन सपनों का स्मरण है, जो अब भी हमारे भीतर जीवित हैं। आज के बदलते समाज में एक अच्छी बात भी दिखती है कि कई बच्चे अपने माता-पिता का जन्मदिन मनाने लगे हैं। वे उन्हें दो पल की खुशी देते हैं, उनके बचपन और युवावस्था को याद करने का अवसर देते हैं। यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,814.71	25,571.25
बढ़त	316.57	116.90
प्रतिशत में	0.38	0.46

सोना 1,58,650 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,64,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 21 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

ओडिशा सरकार ने पेश किया 3.1 लाख करोड़ रुपये का बजट

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3.10 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इस बजट में कृषि, ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। कुल बजट का लगभग 58 प्रतिशत (1,80,000 करोड़ रुपये) कार्यक्रम व्यय के लिए आरक्षित किया गया है। माझी ने राज्य विधानसभा में तीसरा बजट पेश करते हुए कहा कि प्रशासनिक व्यय 1,14,000 करोड़ रुपये प्रस्तावित है, आपदा जोखिम प्रबंधन कोष के लिए 5,375 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

हथकरघा प्रदर्शनी में 21 राज्यों के बुनकर व कारीगर होंगे शामिल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में 21 फरवरी से दो मार्च तक आयोजित होने वाली विशेष हथकरघा प्रदर्शनी में 21 राज्यों के बुनकर और कारीगर समूह हिस्सा लेंगे। इस प्रदर्शनी का मकसद स्वदेशी हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देना, बुनकरों और ग्राहकों के बीच सीधे बाजार संपर्क बनाना और देशभर के कारीगरों के लिए रोजी-रोटी के मौके मजबूत करना है। जनपथ के हथकरघा हाट में होने वाली प्रदर्शनी में आगंतुक सीधे बुनकरों से उत्पादों खरीद सकेंगे, जिसमें हथकरघा साड़ियां, ड्रेस सामग्री, घरेलू साज-सज्जा की वस्तुयें, शॉल और हथकरघा कपड़े शामिल हैं।

टेक्समैको रेल और आरवीएनएल ने बनाया संयुक्त उद्यम

नई दिल्ली। टेक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड और रेल विकास निगम लिमिटेड ने देश की रेल विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों कंपनियों ने कहा कि यह संयुक्त उद्यम भारत और अन्य देशों में उन्नत रेल वाहन, उनके रखरखाव और संपत्ति प्रबंधन के साथ बड़े पैमाने पर विनिर्माण और पूरी तरह तैयार परियोजनाओं पर काम करेगा। यह साझेदारी दोनों कंपनियों की ताकत को मिलाकर ऐसे रेल समाधान देगी, जो उन्नत इंजीनियरिंग, कम लागत और उच्च गुणवत्ता वाले होंगे।

एआई से 0.8 प्रतिशत बढ़ेगी वैश्विक वृद्धि मगर नौकरियों के लिए भारी जोखिम भी

आईएमएफ प्रमुख ने कहा- एआई को अत्यधिक सकारात्मक दिखाने से सावधान रहे दुनिया

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने शुक्रवार को कहा कि एआई वैश्विक आर्थिक वृद्धि को 0.8 प्रतिशत तक बढ़ा सकती है विकसित भारत बनने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद कर सकती है। जार्जीवा ने इसके साथ यह चेतावनी भी दी कि एआई से नौकरियां कम होने और वित्तीय स्थिरता पर भारी जोखिम भी पैदा हो सकते हैं।

जॉर्जीवा ने यहां आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में कहा कि वह एआई को लेकर आशावादी हैं, लेकिन इसके प्रभाव को अत्यधिक सकारात्मक दिखाने से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एआई को अच्छाई की ताकत या बुराई की ताकत के रूप में इस्तेमाल किए जाने के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। जॉर्जीवा ने कहा, एआई वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लगभग एक प्रतिशत अंक तक बढ़ा सकता है। हमारा अनुमान 0.8 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि दुनिया की अर्थव्यवस्था कोविड महामारी से पहले की तुलना में तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि एआई उन देशों के लिए अधिक अवसर पैदा करता है जो डिजिटल बुनियादी ढांचा, कौशल विकास और एआई को तेजी से अपनाने में आगे हैं। उन्होंने कहा कि देशों को जोखिमों के प्रति सचेत रहते हुए अवसरों को अपनाना चाहिए। कहा, मैं एआई को लेकर बहुत आशावादी हूं। हालांकि मैं बहुत भोली भी नहीं हूं, इससे काफी जोखिम भी जुड़े हैं।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026

अमेरिका के बाजार में पड़ने लगा असर

आईएमएफ के एक अध्ययन के मुताबिक एआई के कारण अमेरिकी श्रम बाजार पर असर पड़ रहा है। अमेरिका में हर दस में से एक नौकरी के लिए अब अतिरिक्त कौशल की जरूरत है और इस कौशल से लैस लोगों को बेहतर वेतन मिलता है। जॉर्जीवा ने कहा, जब लोगों के पास ज्यादा पैसे होंगे, तो वे रेस्तरां, मनोरंजन आदि में जाएंगे, जिससे कम कौशल वाले कर्मचारियों की मांग बढ़ेगी। एआई से एक नई नौकरी बनने पर कुल रोजगार में 1.3 नौकरियां बनती हैं। इसका मतलब है कि कुछ लोगों को ज्यादा अवसर मिलते हैं।

आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टलिना जॉर्जिवा और अन्य वैश्विक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी।

एआई से जुड़े तीन बड़े जोखिम गिनाए

- जॉर्जीवा ने कहा कि सबसे पहले एआई से कुछ देशों के पास प्रौद्योगिकी होने और कुछ देशों के पास न होने के कारण वैश्विक असमानता बढ़ने का खतरा है।
- यह पूरी दुनिया में वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर सकता है, क्योंकि एआई अनियंत्रित होने पर वित्तीय बाजारों में संकट पैदा कर सकता है।
- एआई आने से नौकरियों के जाने का भी खतरा है, अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि लोग नई एआई अर्थव्यवस्था में अपनी जगह किस तरह बना सकेंगे।

> आईएमएफ देशों के साथ मिलकर यह समझने का काम जारी रखेगा कि एआई में क्या बदलाव हो रहे हैं और भविष्य की नीतियों के लिए इसे कैसे आकार दिया जा सकता है। हमें एआई को देखने और समझने में लचीला रुख अपनाना होगा। - **क्रिस्टलिना जॉर्जीवा**

जल्द ही श्रम बाजार में आने वाली है सुनामी

जॉर्जीवा ने कहा, हमने इस जोखिम को बहुत ऊपर आंका है। हम वास्तव में श्रम बाजार पर एआई के प्रभाव को एक 'सुनामी' की तरह देख रहे हैं। वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत नौकरियां एआई से प्रभावित होंगी, कुछ में सुधार होगा और कुछ खत्म हो जाएंगी। उभरते बाजारों में 40 प्रतिशत प्रभावित होंगे जबकि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत तक है। और यह बदलाव अपेक्षाकृत कम समय में ही होने जा रहा है।

घोषणापत्र पर 70 देशों ने किए हस्ताक्षर 250 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि एआई के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी प्रमुख देशों ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के दिल्ली घोषणापत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। वैष्णव के मुताबिक 70 से अधिक देशों ने पहले ही घोषणापत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और शनिवार को यह संख्या 80 के पार हो जाने की संभावना है।

वैष्णव ने कहा, पिछले शिखर सम्मेलन में अंतिम घोषणापत्र पर लगभग 60 देशों ने हस्ताक्षर किए थे। हम पहले ही 70 का आंकड़ा पार कर चुके हैं। हमें विश्वास है कि यह 80 का आंकड़ा पार कर जाएगा। कई देशों के विदेश मंत्री भारत सरकार के साथ इस पर चर्चा कर रहे हैं और अंतिम संख्या शनिवार को साझा की जाएगी। वैष्णव ने इंडिया एआई समिट को एक बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि प्रदर्शनी में पांच लाख से अधिक आगंतुकों की उपस्थिति रही और इस आयोजन में बुनियादी ढांचे से संबंधित 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता देखी गई।

- आईटी मंत्री अश्वनी वैष्णव बोले - पिछले सम्मेलन में 60 थी देशों की संख्या

उन्होंने कहा, घोषणा पर व्यापक सहमति है, हम शिखर सम्मेलन के आकार को देखते हुए, इसमें शामिल होने वालों की संख्या को अधिकतम करना चाहते हैं। मंत्री ने कहा कि शिखर सम्मेलन समाप्त होने के बाद दिल्ली घोषणापत्र का पूरा विवरण पारदर्शी तरीके से साझा किया जाएगा।

अति उत्साही न बनें, विश्वसनीय होने पर ही एआई का इस्तेमाल करें संस्थान

सांख्यिकी मंत्रालय ने दी सलाह

नई दिल्ली। संस्थानों को एआई आधारित समाधानों के इस्तेमाल को लेकर तब तक अत्यधिक उत्साह नहीं दिखाना चाहिए, जब तक उनका पूर्ण परीक्षण न हो और वे विश्वसनीय न हों। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के 'डेटा इन्फॉर्मेटिक्स एंड इनोवेशन' प्रभाग के उपमहानिदेशक रोहित भारद्वाज ने समिट में 'एआई-समक्ष डेटा : नवाचार के लिए साझा अवसंरचना' विषयक सत्र में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों को आंकड़ों को मशीन-रीडेबल बनाना चाहिए। कॉन्टेक्स्ट फाइल और सिमैंटिक्स होनी चाहिए और मेटाडेटा होना चाहिए। कॉन्टेक्स्ट फाइल में किसी जानकारी को समझने के लिए आवश्यक विवरण होता है। सिमैंटिक्स शब्दों या डेटा के वास्तविक अर्थ और संदर्भ को समझने की प्रक्रिया है। मेटाडेटा डेटा के बारे में दी गई अतिरिक्त जानकारी, जैसे उसकी तारीख, स्रोत या संरचना को कहते हैं।

भारत का जोर सभी को किफायती कंप्यूटिंग क्षमता उपलब्ध कराने पर

नई दिल्ली। सांख्यिकी सचिव सुमित गर्ग ने शुक्रवार को कहा कि भारत एक ऐसे मॉडल पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जहां सरकार, परोपकारी संस्थाएं और निजी क्षेत्र मिलकर यह सुनिश्चित कर सकें कि किफायती 'कंप्यूटिंग' क्षमताएं सभी के लिए सुलभ हों।

गर्ग ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' में एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा, हमारा ध्यान कंप्यूटिंग क्षमता तक पहुंच को सीमित करने पर नहीं, बल्कि बुद्धिमानी से प्राथमिकता तय करने पर है। उन्होंने कहा कि इसमें परोपकारी संगठनों की अहम भूमिका होगी, क्योंकि उनका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई का लाभ सभी तक पहुंचे। इस उद्देश्य के साथ सरकार, परोपकारी संस्थाएं और निजी क्षेत्र सहयोग कर सकते हैं ताकि सभी को किफायती कंप्यूटिंग क्षमताएं मिल सकें। हम इसी तरह के मॉडल पर विचार कर रहे हैं।

भारत डिजिटल उपनिवेश न बने, खुद विकसित करे एआई प्रौद्योगिकी: राघवन

नई दिल्ली। स्वदेशी एआई स्टार्टअप कंपनी सर्वम एआई के सहसंस्थापक विवेक राघवन ने शुक्रवार को कहा कि भारत को विदेशी प्रणालियों पर निर्भर डिजिटल उपनिवेश बनने से बचने के लिए अपनी खुद की बुनियादी एआई प्रौद्योगिकियां विकसित करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि एआई एक ऐसी आधारभूत प्रौद्योगिकी है जो जीवन के हर पहलू को आकार देगी। इसलिए भारत के पास इसे बिल्कुल शुरुआत से विकसित करने का विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्य जिम्मेदारी है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में राघवन ने कहा, एआई एक ऐसी प्रौद्योगिकी है जिसका मानव जीवन के हर पहलू पर प्रभाव पड़ता है। इसे भारत जैसे देश को बुनियादी स्तर से समझना होगा। अन्यथा, हम इस महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी के लिए दूसरे देशों पर निर्भर एक डिजिटल उपनिवेश बन जाएंगे। हमारे पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। यह कुछ ऐसा है जिसे हमें करना ही होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लंबे समय में, सबसे बड़े मॉडल या चिप जैसे अस्थायी प्रौद्योगिकी फायदों की तुलना में एआई संप्रभुता कहीं अधिक महत्वपूर्ण

एआई संप्रभुता का मतलब सबकुछ खुद करना नहीं : सुनील

नई दिल्ली। योट्टा डेटा सर्विसेज के एमडी एवं सीईओ सुनील गुप्ता ने कहा कि एआई संप्रभुता का मतलब अलग-थलग पड़ना या पूर्ण आत्मनिर्भरता नहीं है बल्कि रणनीतिक नियंत्रण है।

गुप्ता ने जोर दिया कि प्रौद्योगिकी में परस्पर वैश्विक निर्भरता अपरिहार्य है। हम हमेशा जुड़े और एक-दूसरे पर निर्भर रहेंगे। कुछ देश चिप विनिर्माण में आगे होंगे, तो कुछ कच्चे माल, डेटा, मॉडल, प्रतिभा या पूंजी में उत्कृष्ट होंगे इसलिए सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संप्रभुता को अक्सर इस विचार से भ्रमित किया जाता है कि हम सब खुद करेंगे और दुनिया से अलग हो जाएंगे लेकिन संप्रभुता का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि हम अलग-थलग पड़ जाएं।

बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स में 316 अंक का उछाल, निफ्टी 25,550 पार

मुंबई। शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 316 अंक की बढ़त के साथ जबकि निफ्टी 25,550 के पार बंद हुआ। बैंकिंग और धातु शेयरों में खरीदारी, व्यापार समझौते में प्रगति को लेकर आशावाद के साथ 'पैक्स सिलिका' में भारत की भागीदारी की खबरों से बाजार को समर्थन मिला।

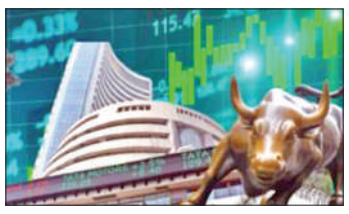

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 316.57 अंक यानी 0.38 प्रतिशत चढ़कर 82,814.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 633.94 अंक बढ़कर 83,132.08 अंक तक पहुंच गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 116.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,571.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 209.2 अंक उछलकर 25,663.55 अंक के उच्च स्तर तक पहुंच गया था। भूराजनीतिक चिंताओं के बीच निवेशकों द्वारा शेयर की अंधाधुंध बिकवाली से बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 1,236.11 अंक और एनएसई निफ्टी 365 अंक टूट गया था।

विदेशी मुद्रा भंडार 725.72 अरब डॉलर के रिकॉर्ड पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 8.66 अरब डॉलर बढ़कर 725.72 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक इससे पहले छह फरवरी को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 6.71 अरब डॉलर घटकर 717.06 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले का सर्वोच्च स्तर जनवरी में 723.774 अरब डॉलर का रहा था। आंकड़ों के मुताबिक 13 फरवरी को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 3.55 अरब डॉलर बढ़कर 573.60 अरब डॉलर हो गईं। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार मूल्य 4.99 अरब डॉलर बढ़कर 128.46 अरब डॉलर हो गया।

व्यापार सूचकांकों का आधार वर्ष बदलकर 2022-23 किया गया

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को भारत के व्यापार सूचकांकों के आधार वर्ष में बदलाव की घोषणा कर इसे 2012-13 से बदलकर 2022-23 कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि अर्थव्यवस्था में आए ढांचागत बदलावों, व्यापार के बदलते तौर-तरीकों और मौजूदा आर्थिक संकेतकों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने के लिए यह कदम उठाया गया है।

ये सूचकांक मंत्रालय के अधीन आने वाले वाणिज्यिक खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई-एंड-एस) द्वारा तैयार एवं प्रकाशित किए जाते हैं। ये सूचकांक देश के बाहरी व्यापार क्षेत्र में कीमतों के उतार-चढ़ाव को समझने, राष्ट्रीय खातों के संकलन और व्यापार की शर्तों के आकलन के लिए महत्वपूर्ण संकेतक माने जाते हैं। मंत्रालय ने कहा, अर्थव्यवस्था में आए ढांचागत बदलावों और व्यापारिक वस्तुओं के स्वरूप में आए फेरबदल को देखते हुए डीजीसीआई-एंड-एस ने व्यापार सूचकांकों का आधार वर्ष 2012-13 से बदलकर 2022-23 कर दिया है। यह कदम व्यापार के बदलते तौर-तरीकों और मौजूदा आर्थिक संकेतकों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने के लिए उठाया गया है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जगीं उम्मीदें

ट्रंप का टैरिफ धराशायी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस वैश्विक टैरिफ को अपना सबसे बड़ा हथियार करार देते रहे हैं, उसे अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने उनके हाथों से छीन लिया। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अवैध घोषित करते हुए कहा कि टैक्स और टैरिफ लगाने का अधिकार मुख्य रूप से अमेरिकी कांग्रेस के पास है। इस ऐतिहासिक फैसले के पूरी दुनिया में दूरगामी आर्थिक परिणाम सामने आने की उम्मीद की जा रही है। हालांकि ट्रंप ने फैसले को अपमानजनक बताते हुए कहा कि उनके पास एक बैकअप प्लान भी है। यह संकेत हैं कि वह अन्य कानूनों के तहत फिर टैरिफ लगाने की कोशिश कर सकते हैं।

सुप्रीम फैसले के निहितार्थ

- कोर्ट ने यह फैसला देकर राष्ट्रपति की शक्तियों पर अंकुश लगा दिया कि 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट का गलत इस्तेमाल किया गया है।
- ट्रंप सरकार ने अब तक टैरिफ के जरिए 133 बिलियन डॉलर से 200 बिलियन डॉलर के बीच राजस्व वसूला है। अब कंपनियां इस राशि के रिफंड की मांग कर सकती हैं।
- भारत के लिए राहत की खबर है। भारत से अमेरिका होने वाले इंजीनियरिंग और टेक्सटाइल जैसे निर्यात पर लगे 18% के अतिरिक्त टैरिफ खत्म हो सकते हैं।

शेयर बाजार

इस फैसले के तुरंत बाद वॉल स्ट्रीट और विशेष रूप से उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी गई है।

भारतीय निर्यातकों पर असर

- भारतीय निर्यातकों को विशेष रूप से उन क्षेत्रों में लाभ होगा जहां ट्रंप प्रशासन ने पारस्परिक टैरिफ के तहत भारी शुल्क लगाए थे।
- कपड़ा और परिधान भारत का सबसे बड़ा श्रमप्रधान क्षेत्र है। टैरिफ हटने से भारतीय कपड़ा प्रतिस्पर्धियों से सस्ता हो जाएगा।
- अमेरिका का अतिरिक्त शुल्क हटने से मशीनरी और कलपुर्जों के निर्यात में 4-5 बिलियन डॉलर तक की वृद्धि की संभावना है।
- पॉलिश्ड हीरों और गहनों के निर्यात से अनिश्चितता हटेगी, रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, हस्तशिल्प, कालीन क्षेत्र को राहत मिलेगी।
- इस फैसले के बाद भारत से अमेरिका जाने वाले लगभग 55% निर्यात पर लगा 18% का अतिरिक्त बोझ खत्म हो सकता है। जिन निर्यातकों ने टैरिफ का भुगतान कर दिया है, वे रिफंड के लिए दावा करसकते हैं।

इन भारतीय कंपनियों को राहत

- कपड़ा-परिधान के क्षेत्र में गोकलदास एक्सपोर्ट्स व पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज को सीधा फायदा।
- वैभव ग्लोबल और गोल्डियम इंटरनेशनल के मार्जिन में 25-40% तक की वृद्धि का अनुमान।
- झींगा आपूर्ति करने वाली अवंती फीड्स, अपेक्स फ्रोजन फूड्स, कोस्टल कॉरपोरेशन को राहत।
- जेनेरिक दवाओं के क्षेत्र में सन फार्मा, डॉ. रेड्डी, सिपला जैसी कंपनियों को कम लागत पर दवाएं बेचने में मदद मिलेगी।

राजमार्गों के टोल प्लाजा पर एक अप्रैल से बंद होगा कैश

नई दिल्ली, एजेंसी

- एनएचएआई ने कहा- सिर्फ फास्टैग या यूपीआई के जरिए ही होगा भुगतान

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) एक अप्रैल से राजमार्गों पर स्थित टोल प्लाजा पर नकद भुगतान बंद करने पर विचार कर रहा है। ऐसा होने पर वाहन चालकों को टोल भुगतान के लिए केवल फास्टैग या यूपीआई जैसे डिजिटल माध्यमों का ही उपयोग करना होगा।

एनएचएआई ने कहा कि नकद भुगतान की व्यवस्था बंद होने के बाद राष्ट्रीय राजमार्गों पर सभी भुगतान केवल डिजिटल माध्यमों से ही स्वीकार किए जाएंगे। प्राधिकरण पूरे देश में टोल प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल बनाने के उद्देश्य से एक अप्रैल, 2026 से नकद लेनदेन को पूरी तरह खत्म करने की योजना बना रहा है। संस्था ने कहा कि इस प्रस्तावित कदम का लक्ष्य इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह में अब तक मिली सफलताओं को मजबूत करना और टोल प्लाजा के कामकाज में दक्षता और पारदर्शिता लाना है।

कुछ वर्षों में फास्टैग की 98 प्रतिशत से अधिक पैठ ने देश में टोल संग्रहण की प्रक्रियाओं में उल्लेखनीय बदलाव किया है। फिलहाल टोल लेनदेन का बड़ा हिस्सा वाहनों पर लगाए गए फास्टैग के जरिए इलेक्ट्रॉनिक रूप से किया जा रहा है। इससे टोल प्लाजा पर निर्बाध आवागमन संभव हुआ है। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजमार्ग के टोल प्लाजा पर यूपीआई भुगतान सुविधा भी संचालित की गई है, जिससे देशभर में राजमार्ग उपयोगकर्ताओं के लिए त्वरित और सुलभ डिजिटल भुगतान विकल्प उपलब्ध हो सके हैं।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला देश की कंपनियों के लिए बड़ी राहतः निर्यातक

नई दिल्ली। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कई देशों के खिलाफ बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाने के आदेश को रद्द करने के फैसले का भारतीय निर्यातकों ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि यह फैसला उन घरेलू कंपनियों के लिए बड़ी राहत है, जो इस टैरिफ से प्रभावित थीं।

उद्योग निकाय ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने कहा कि इस फैसले के बाद अमेरिका को भारत पर लगाए गए 25% पारस्परिक शुल्क को हटा देना चाहिए, जिससे अमेरिका को होने वाले भारत के लगभग 55% निर्यात पर केवल मौजूदा सीमा शुल्क ही लागू होगा।

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि फैसले से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में पूर्वानुमान्यता बहाल हो जाएगी। पारस्परिक शुल्क को रद्द करने वाले अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से देश-केंद्रित शुल्कों से प्रभावित देश के निर्यातकों को राहत मिली है।

आठ बुनियादी क्षेत्रों की वृद्धि दर घटकर 4% पर

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जनवरी में गिरकर दो महीने के निचले स्तर 4% पर आ गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक जनवरी 2025 में यह वृद्धि दर 5.1% और दिसंबर 2025 में 4.7% थी।

- पिछले साल जनवरी में 5.1% थी यह वृद्धि दर

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई। रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन स्थिर रहा। कोयला एवं सीमेंट क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि दर घटकर 3.1 % एवं 10.7 % रह गई जो एक साल पहले की समान अवधि में क्रमशः 4.6% एवं 14.3% थी। हालांकि, उर्वरक, इस्पात और बिजली उत्पादन में इस महीने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि में प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर घटकर 2.8% रह गई। जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.5% थी।

एल्यूमीनियम के लिए ब्राजील की कंपनी का हिंडाल्को से करार

नई दिल्ली। ब्राजील की विमान बनाने वाली कंपनी एम्ब्रेयर ने खनन क्षेत्र की भारतीय कंपनी हिंडाल्को के साथ भारत में साझा व्यावसायिक अवसरों की तलाश के लिए शुक्रवार को एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

एम्ब्रेयर ने बताया कि इस संयुक्त पहल का उद्देश्य विमानन में इस्तेमाल होने वाले विशेष एल्यूमीनियम से बने कच्चे माल के निर्माण में संभावनाओं की पहचान करना है। कंपनी ने महिंद्रा और अडानी समूहों के साथ भारत में विमान निर्माण संयंत्र की स्थापना के लिए समझौते किए हैं। एम्ब्रेयर में वैश्विक खरीद के कार्यकारी उपाध्यक्ष रॉबर्ट चेव्स ने कहा, यह पहल स्थानीय साझेदारों की पहचान करने पर हमारे फोकस को और मजबूत करती है।

ग्लोबलडेटा की रिपोर्ट

अलग-अलग देशों से तेल आयात के साथ अमेरिका से ऊर्जा संबंध मजबूत करने पर जोर

ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत ने बदली अपनी रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी

कच्चे तेल के आयात को लेकर भारत की रणनीति केवल सस्ता तेल खरीदने तक सीमित न रहकर अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित रखने के लिए रणनीतिक कदम उठाने तक पहुंच गई है। विश्लेषक फर्म ग्लोबलडेटा ने शुक्रवार को यह दावा किया।

विश्लेषक फर्म ने कहा कि भारत अपनी कुल ऊर्जा जरूरतों का लगभग एक-चौथाई हिस्सा तेल से पूरा करता है और अपनी जरूरत का 87 प्रतिशत तेल दूसरे देशों से खरीदता है। इसे देखते हुए, भारत अब एक नई रणनीति पर काम कर रहा है। इसके तहत वह अंतरराष्ट्रीय नियमों के पालन, अलग-अलग देशों से तेल खरीदने और अमेरिका के साथ ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने पर सबसे ज्यादा जोर दे रहा है। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता भारत के बारे में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि इसकी मांग 2024 के 55 लाख बैरल प्रति दिन से बढ़कर 2035 तक 80 लाख बैरल प्रति दिन हो जाएगी। घरेलू स्तर पर तेल खोज जारी रहने के बावजूद 2035 तक आयात पर निर्भरता बढ़कर 92 प्रतिशत हो सकती है, जिससे बाहरी आपूर्ति के झटकों का खतरा बढ़ जाएगा।

उथल-पुथल की चपेट में रहा है तेल आयात

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के कच्चे तेल के स्रोतों में 2022 से काफी बदलाव आया है। यूक्रेन संघर्ष से पहले भारत के तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 2.7 प्रतिशत थी, जो रियायती दरों के कारण 2024 में बढ़कर 25.9 प्रतिशत हो गई। हालांकि, प्रतिबंधों के कारण बीच जनवरी 2026 में रूस से आयात में सालाना आधार पर 40 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। इसी समय, अमेरिका और वेनेजुएला फिर से भारत के कच्चे तेल के आयात समूह का हिस्सा बने हैं। ग्लोबलडेटा ने कहा कि वेनेजुएला से मात्रा सीमित रहने की उम्मीद है, लेकिन उन्हें एक सामरिक विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। फर्म ने यह भी कहा कि यह बदलाव ईरान से संबंधित व्यापार पर अमेरिकी शुल्क की धमकियों से भी प्रभावित है।

बलूच आर्मी ने दी समय सीमा खत्म होने पर पाकिस्तानी सैनिकों को मार देने की धमकी

- पाकिस्तान की सरकार को बातचीत को दिए हैं सात दिन

क्वेटा, एजेंसी

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान सरकार को चेतावनी दी है कि यदि 21 फरवरी के बाद उसके लड़ाकों को रिहा करने के लिए बातचीत शुरू नहीं हुई, तो वह अपनी हिरासत में लिए गए पाकिस्तानी सैनिकों को मार देगा। बीएलए ने 14 फरवरी को कुछ तस्वीरें और वीडियो जारी कर दावा किया था कि उसने सात पाकिस्तानी सैनिकों को पकड़ लिया है।

इस समूह ने सात दिन की समय सीमा देते हुए मांग की है कि पकड़े गए सैनिकों के बदले हिरासत में लिए गए उसके लड़ाकों को रिहा किया जाए। पाकिस्तानी सेना ने हालांकि इन दावों को खारिज कर दिया था। उनकी ओर से यह तर्क दिया गया कि वीडियो में दिखने वाले लोग पाकिस्तानी सैनिक नहीं हैं और वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई है। बीएलए की ओर से इसके बाद जारी एक नए वीडियो में, सातों बंदी एक साथ नजर आ रहे हैं और वे अपने आधिकारिक आर्मी सर्विस कार्ड दिखा रहे हैं। उनमें से एक सिपाही मोहम्मद शहराम अपने सैन्य और राष्ट्रीय पहचान पत्र को लेकर बोल रहा है।

पत्नी-बच्चों को पीट सकेंगे अफगानी

काबुल। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार का नया कानून पत्नियों और अपने बच्चों की पिटाई की अनुमति देता है बशर्ते कि पिटाई के कारण हड्डियां नहीं टूटें और खुले जख्म नहीं हों। दे महाकुमु जज़ाई उसूलनामा नामक 90 पन्नों के इस आपराधिक प्रक्रिया संहिता को तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदज़ादा ने मंजूरी दी है। दस अध्यायों और 119 अनुच्छेदों वाले दस्तावेज़ में घरेलू हिंसा को कुछ शर्तों के साथ वैध किया गया है।

आर्थिक जबरदस्ती पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत ने 20 फरवरी को औपचारिक रूप से अमेरिका के नेतृत्व वाली पैक्स सिलिका पहल में शामिल होने के लिए घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता न केवल भारत और अमेरिका के बीच तकनीकी सहयोग के नए अध्याय की शुरुआत है बल्कि वैश्विक स्तर पर एआई और सेमीकंडक्टर की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम भी है। वर्तमान में सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों लिथियम, कोबाल्ट और रेयर अर्थ एलिमेंट्स की आपूर्ति पर चीन जैसे कुछ ही देशों का एकाधिकार है। यह निर्भरता आर्थिक जोखिम पैदा करने के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा है। पैक्स सिलिका इसी आर्थिक जबरदस्ती को समाप्त करने का वैश्विक प्रयास है।

पैक्स सिलिका पहल

रणनीतिक गठबंधन

- शुरुआत : अमेरिका के नेतृत्व वाला एक रणनीतिक गठबंधन है जो सेमी कंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई ढांचे की पूरी सिलिकॉन स्टैक को सुरक्षित करने पर केंद्रित है। इसकी शुरुआत 2025 में वाशिंगटन में हुई थी।
- आपूर्ति श्रृंखला बनाना : एआई और चिप निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल से लेकर अंतिम उत्पाद तक एक बाधा रहित आपूर्ति श्रृंखला बनाना।
- चीन पर निर्भरता कम करना : महत्वपूर्ण खनिजों और सेमीकंडक्टर विनिर्माण में चीन के प्रभुत्व और आर्थिक दबाव को कम करना। डेटा सेंटर, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और एआई मॉडल के लिए देशों का एक समूह तैयार करना।

भारत को होगा लाभ

- सेमीकंडक्टर हब बनना : भारत को अत्याधुनिक चिप विनिर्माण तकनीक और निवेश प्राप्त होगा, जिससे इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन को गति मिलेगी।
- महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच : लिथियम, कोबाल्ट और सिलिकॉन जैसे खनिजों की सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जो ईवी और रक्षा उपकरणों के लिए अनिवार्य हैं।
- एआई निवेश : अमेरिकी कंपनियों द्वारा भारतीय एआई बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश की संभावना है, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।
- रणनीतिक स्वायत्तता : भारत बिना अपनी स्वायत्तता खोए वैश्विक उच्च-तकनीकी समूह का हिस्सा बनकर चीन की विस्तारवादी नीतियों का मुकाबला कर सकेगा।
- शेयर बाजार पर असर : विशेषज्ञों के अनुसार, माइनिंग, मेटल और टेक सेक्टर की कंपनियों को इससे दीर्घकालिक लाभ होगा।

एआई सप्लाई चेन की सुरक्षा

- सुरक्षा के लिए अहम : एआई को चलाने के लिए उन्नत चिप्स, विशाल डेटा सेंटर और निरंतर ऊर्जा की जरूरत होती है। पैक्स सिलिका निम्न तरीकों से सुरक्षा तय करता है।
- खनिजों का सुरक्षित स्रोत : सेमीकंडक्टर के लिए जरूरी रेयर अर्थ एलिमेंट्स की माइनिंग से लेकर प्रोसेसिंग तक सदस्य देशों के बीच सहयोग सुनिश्चित करना
- संवेदनशील तकनीक का संरक्षण : उन्नत एआई एल्गोरिदम और हार्डवेयर डिजाइन को गलत हाथों (विशेषकर प्रतिद्वंद्वी देशों) में जाने से रोकना।
- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर : फाइबर-ऑप्टिक केबल, डेटा सेंटर और एआई फाउंडेशनल मॉडल के लिए सुरक्षित और पारदर्शी मानक स्थापित करना।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका में 57 वर्षीय सिख का अपहरण

न्यूयॉर्क। कैलिफोर्निया के सैन जोकिन काउंटी के ट्रेसी इलाके से 57 वर्षीय सिख व्यक्ति का अपहरण कर लिया गया है। सैन जोकिन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने फेसबुक पोस्ट में पीड़ित की पहचान अवतार सिंह के रूप में की है, जिनकी लंबाई पांच फुट सात इंच है और वजन लगभग 200 पाउंड है। घटना के समय उन्होंने हल्के रंग के पारंपरिक सिख वस्त्र पहने हुए थे। पुलिस ने बताया कि निगरानी फुटेज में मंगलवार को अपराह्न लगभग ढाई बजे सिंह को गहरे रंग के कपड़े पहने तीन अज्ञात व्यक्ति एक सफेद एसयूवी में बिठाते हुए दिख रहे हैं। पुलिस ने बताया कि फुटेज से प्रतीत होता है कि पीड़ित अपनी मर्जी के बिना कार में बैठा।

पाकिस्तान ने कश्मीर में संघर्ष विराम तोड़ा

श्रीनगर। पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास शुक्रवार को संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के नौगाम सेक्टर में स्थित टीएमजी (टूट मार गली) में दोपहर के आसपास पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) की चौकियों ने भारतीय चौकियों पर छोटे हथियारों से गोलीबारी करते हुए संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। उन्होंने बताया कि कुछ समय बाद गोलीबारी बंद हो गई, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ है।

वेनेजुएला ने कैदियों को माफी की मंजूरी दी

काराकस। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने गुरुवार को आम माफी से संबंधित एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए जिससे हिरासत में लिए गए नेताओं, कार्यकर्ताओं, वकीलों और कई अन्य लोगों की रिहाई हो सकती है। इस विधेयक पर हस्ताक्षर के साथ ही राष्ट्रपति ने यह स्वीकार किया कि सरकार ने सैकड़ों लोगों को राजनीतिक कारणों से जेल में रखा है। रोड्रिगेज के इस कदम को बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

पाकिस्तान में 5.9 तीव्रता का भूकंप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांतों के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके पेशावर तथा इस्लामाबाद सहित कई शहरों में महसूस किए गए। भूकंप से किसी के हताहत होने या किसी तरह के नुकसान होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं है। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, शाम 6:09 बजे आए भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदू कुश क्षेत्र में 101 किमी की गहराई पर था।

ट्रंप ने ईरान को फिर दी चेतावनी, तय की परमाणु समझौते की समय सीमा

अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेताया, समझौता नहीं हुआ तो ईरान के साथ होगा बुरा बर्ताव

- ईरान पर 10 से 15 दिन के भीतर कोई फैसला लेंगे ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को ईरान को चेतावनी दी कि यदि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने में विफल रहा तो बुरी चीज़ें होंगी और उन्होंने ईरान पर फैसले के लिए अपनी समय सीमा 10-15 दिन तक बढ़ा दी। ट्रंप का यह बयान पश्चिम एशिया में अमेरिका की भारी सैन्य तैयारी के बीच आया है, जिससे बड़े युद्ध की चिंताएं बढ़ गई हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत अच्छी चल रही है, लेकिन उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ईरान को एक अर्थपूर्ण समझौता करना होगा। इस बीच, अमेरिका इस सप्ताह के अंत तक ईरान पर हमला करने के लिए तैयार है, हालांकि ट्रंप ने अभी तक कोई आखिरी फैसला नहीं लिया है। एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा, 10-15 दिन, ज़्यादा से ज़्यादा। या तो हम समझौता कर लेंगे या यह उनके लिए बुरा होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें 10 दिनों के अंदर पता चल जाएगा कि ईरान के साथ समझौता मुमकिन है या नहीं। उन्होंने बोर्ड ऑफ़ पीस की पहली बैठक में कहा, हमें इसे एक कदम और आगे ले जाना पड़ सकता है, या शायद नहीं भी। शायद हम एक समझौता कर लें। आपको अगले शायद 10 दिनों में पता चल जाएगा। ट्रंप ने दोहराया कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता। अगर उनके पास परमाणु हथियार हैं तो आप पश्चिम एशिया में शांति नहीं ला सकते। ट्रंप ने कहा कि अब ईरान के लिए हमारे साथ उस रास्ते पर चलने का समय है, जो हम कर रहे हैं, उसे पूरा करे।

तो अमेरिकी ठिकानों पर वैध होगा ईरानी हमला

न्यूयॉर्क। ईरान ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को एक पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका अपनी सैन्य धमकियों पर अमल करता है, तो अमेरिकी ठिकानों और संपत्तियों पर ईरानी हमले वैध होंगे। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरवानी ने पत्र में कहा कि ईरान किसी भी हमले का निर्णायक जवाब देगा। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में सैन्य आक्रामकता के गंभीर परिणामों की चेतावनी भी दी। यह घटनाक्रम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को दी गई उस धमकी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने परमाणु मुद्दे पर समझौते के लिए अधिकतम 10-15 दिन का समय दिया है।

बोर्ड ऑफ पीस को 10 अरब अमेरिकी डॉलर देंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा के पुनर्निर्माण के लिए बनाए गए अंतर्राष्ट्रीय निकाय बोर्ड ऑफ पीस में चीन और रूस के भी शामिल होने की उम्मीद जताई। ट्रंप ने कहा कि कई देश बोर्ड में शामिल होने की प्रक्रिया में हैं। मैं चाहूंगा कि चीन और रूस भी इसमें शामिल हों। ट्रंप ने घोषणा की कि बोर्ड के नौ सदस्यों ने कुल सात अरब अमेरिकी डॉलर देने का वादा किया है, जबकि अमेरिका 10 अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान देगा। उन्होंने कहा, युद्ध की लागत की तुलना में यह राशि बहुत कम है। उन्होंने अमेरिका के 10 अरब डॉलर देने को काफी छोटी रकम बताया।

असम में बोले अमित शाह, देश से सभी घुसपैठियों को बाहर करेंगे

- पूर्वोत्तर राज्य में शुरू किया वाइब्रेंट विलेज का दूसरा चरण

गुवाहाटी, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली असम सरकार ने पिछले दस वर्षों में घुसपैठियों को राज्य में प्रवेश करने से रोका है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एक बार फिर भाजपा को वोट दें ताकि असम से आखिरी घुसपैठिए को बाहर किया जा सके। केंद्रीय गृह मंत्री ने शुक्रवार को असम के कछार जिले के नाथनपुर गांव में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए 'वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-द्वितीय' की शुरुआत करते हुए यह बात कही।

इस पहल का उद्देश्य सीमा पर स्थित समुदायों को सुरक्षित, मजबूत और समृद्ध बनाना है, जो विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। वीवीपी-द्वितीय एक 6,839 करोड़ रुपये की योजना है, जिसे 15 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में से लागू किया जाना है। शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने असम में पहले अवैध घुसपैठ के लिए सीमा खुले छोड़ दिए थे, जिससे जनसांख्यिकीय बदलाव आया है। उन्होंने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग असुरक्षा के कारण अपनी जमीन छोड़ने लगे और घुसपैठियों ने उन क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया। स्थानीय लोगों और युवाओं ने अवसर खो दिए, क्योंकि घुसपैठियों की आबादी लगातार बढ़ती गई। उन्होंने कहा, असम में भाजपा सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में घुसपैठ को पूरी तरह से रोक दिया था और दूसरे में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने घुसपैठियों को उन जमीनों से उखाड़ फेंका, जिन पर उन्होंने अवैध तरीके से कब्जा किया था।

गृहमंत्री अमित शाह ने असम के कछार जिले में वाइब्रेंट विलेज के द्वितीय का शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और मंत्री अतुल बोरा भी उपस्थित रहे।

हिंदी के साथ मजबूत होती हैं सभी भाषाएं

अगरतला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि जब हिंदी को बढ़ावा दिया जाता है, तो अन्य सभी भाषाएं भी मजबूत होती हैं। अगरतला में राजभाषा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह दुष्प्रचार किया जा रहा था कि हिंदी लोगों पर थोपी जा रही है लेकिन पिछले 10 वर्षों में इस बात को गलत साबित किया गया है। उन्होंने कहा कि हिंदी और अन्य स्थानीय भाषाओं के बीच कोई विवाद नहीं हो सकता क्योंकि वे एक ही मां की दो बेटियां हैं, जिन्होंने साथ-साथ प्रगति की हैं। शाह ने कहा कि लिपि और भाषा विवाद का मुद्दा नहीं हो सकतीं। उन्होंने लोगों से यह भी आग्रह किया कि वे घर पर अपने बच्चों से उनकी मातृभाषा में बात करें। गृह मंत्री ने कहा कि अगर आप ऐसा नहीं कर सकते, तो आपके बच्चे अपनी मातृभाषा के साहित्य, परंपरा और संस्कृति से वंचित रह जाएंगे। हमें घर में जितना हो सके अपनी मातृभाषा में बात करनी चाहिए।

किंग चार्ल्स-3 के भाई पूर्व प्रिंस एंड्र्यू किए गए रिहा

लंदन। सार्वजनिक पद पर रहते हुए कदाचार के संदेह में गिरफ्तार किए गए ब्रिटेन के पूर्व राजकुमार व किंग चार्ल्स तृतीय के भाई एंड्र्यू को रिहा कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि पूर्व राजकुमार को गुरुवार शाम को रिहा किया गया। एंड्र्यू माउंटबेटन-विंडसर को उनकी गिरफ्तारी के लगभग 11 घंटे बाद पूर्वी ब्रिटेन स्थित उनके घर के पास स्थित थाने से कार में निकलते हुए देखा गया। एंड्र्यू को उनके खिलाफ जांच जारी रहने के बीच रिहा किया गया है। एंड्र्यू को गुरुवार तड़के घर से उन जांचकर्ताओं ने गिरफ्तार किया था, जो जेफ्री एप्स्टीन से उनके संबंधों की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि उसने एंड्र्यू माउंटबेटन-विंडसर के घर की तलाशी पूरी कर ली है।

अमेरिका में हिरासत में लिए जा सकते हैं हजारों वैध शरणार्थी

- डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नए आदेश से बढ़ीं मुश्किलें

मिनियापोलिस, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने एक नया आदेश जारी किया है जिससे देश में मौजूद उन हजारों शरणार्थियों को गिरफ्तार किया जा सकता है जो यहां वैध रूप से रह तो रहे हैं लेकिन अब तक उनका कोई स्थायी आवास नहीं है।

मिनिसोटा में गुरुवार को होने वाली संघीय अदालत की सुनवाई से पहले गृह मंत्रालय द्वारा दाखिल एक मेमो में कहा गया है कि ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले शरणार्थियों को अपने आवेदनों की समीक्षा के लिए अमेरिका में प्रवेश किए जाने के एक साल बाद संघीय हिरासत में रहना होगा। बुधवार को दाखिल मेमो में कहा गया है कि निरीक्षण और जांच प्रक्रिया की अवधि के लिए आव्रजकों को हिरासत में रखा जा सकता है। मानवाधिकार कार्यकर्ता और पुनर्वास समूहों ने इस आदेश की कड़ी आलोचना की है। इस आदेश से पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान अमेरिका आए लगभग 2 लाख शरणार्थियों के बीच भ्रम और भय पैदा हो सकता है। यह आदेश ट्रंप प्रशासन द्वारा आव्रजन पाबंदियों की श्रृंखला में हालिया कार्रवाई है। पिछले साल के अंत में एक मेमो में कहा गया था कि ट्रंप प्रशासन बाइडन प्रशासन के दौरान अमेरिका में प्रवेश पाने वाले सभी शरणार्थियों की समीक्षा करने की योजना बना रहा है।

रूस की सीमा पर बारूदी सुरंग बिछाएगा पोलैंड

वॉरसॉ। पोलैंड अपनी पूर्वी सीमा पर रूस के बढ़ते खतरे के मद्देनजर बारूदी सुरंग बिछाएगा। यह जानकारी देश के उप रक्षामंत्री पावेल जालेव्स्की ने शुक्रवार को को दी। पोलैंड विवादास्पद हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले अंतर्राष्ट्रीय समझौते से अलग हो गया है। वर्ष 1997 में बारूदी सुरंग पर प्रतिबंध संबंधी संधि को मंजूरी दी गई थी, जिसे ओटावा संधि के नाम से भी जाना जाता है। यह संधि हस्ताक्षरकर्ताओं को बारूदी सुरंग रखने या बिछाने से रोकती है। कंबोडिया, अंगोला और बोस्निया और हर्जेगोविना सहित देशों के पूर्व संघर्ष क्षेत्रों में इन बारूदी सुरंगों की वजह से नागरिकों को हुई क्षति के मद्देनजर यह संधि अस्तित्व में आई।

खुफिया विफलता को लेकर नौसेना को कोर्ट की फटकार

- आईएनएस शिकरा के पास इमारत निर्माण का मामला

मुंबई, एजेंसी

बंबई उच्च न्यायालय ने दक्षिण मुंबई में नौसेना के प्रमुख हवाई ठिकाने आईएनएस शिकरा के आसपास एक बहुमंजिला इमारत के निर्माण को लेकर शुक्रवार को नौसेना को खुफिया विफलता के लिए कड़ी फटकार लगाई और सवाल किया कि इमारत के बनते समय कैसे इस पर किसी की नजर नहीं पड़ी।

न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति अभय मंत्री की पीठ ने कहा कि नौसेना की ओर से खुफिया चूक हुई है, क्योंकि वह अपने प्रतिष्ठान के आसपास एक गगनचुंबी इमारत के निर्माण पर ध्यान देने में विफल रही। पीठ आईएनएस शिकरा के कमांडिंग ऑफिसर की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठान के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा जोखिमों का हवाला देते हुए परियोजना पर रोक लगाने का निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है। पीठ ने नौसेना के सिर्फ इसी इमारत के निर्माण का विरोध करने पर भी सवाल उठाया, जबकि आसपास कई अन्य बहुमंजिला आवासीय इमारतें मौजूद हैं। याचिकाकर्ता के वकील आरवी गोविलकर ने दलील दी कि अन्य इमारतों का निर्माण साल 2011 में रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास ऊंचे निर्माण के लिए एनओसी को अनिवार्य बनाने से पहले किया गया था।

यूएफओ से जुड़ीं फाइलें सार्वजनिक करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वह पेंटागन और अन्य सरकारी एजेंसियों को परग्रही जीवों (एलियन्स) और यूएफओ से संबंधित फाइल की पहचान करके उन्हें सार्वजनिक करने का निर्देश दे रहे हैं, क्योंकि इन विषयों में लोगों की गहरी रुचि है।

ट्रंप ने यह घोषणा एक सोशल मीडिया पोस्ट में की। कुछ घंटे पहले ही उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर हाल में एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में परग्रही जीवों के वास्तव में होने का संकेत देकर गोपनीय जानकारी उजागर करने का आरोप लगाया था। एयर फोर्स वन विमान में संवाददाताओं से ट्रंप ने कहा, मुझे नहीं पता कि परग्रही जीव वास्तव में हैं या नहीं।

आज का भविष्यफल -पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 21 फरवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 13.00 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

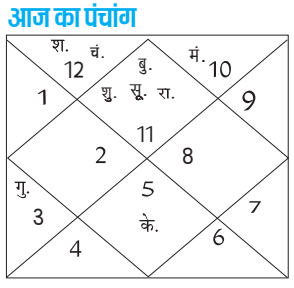

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- रेवती 19.07 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज विवाहेतर संबंधों को लेकर थोड़े आकर्षित हो सकते हैं। यद्यपि आपका विवेक सदैव आपके पक्ष में रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको गलत लोगों के कारण परेशानी उठानी पड़ सकती है। स्वभाव में विनम्रता का भाव बनाकर रखें।

वृष — आज रुके हुए काम तेजी से पूरे कर लेंगे। अपनी कार्यक्षमता को सिद्ध कर पाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। लोग आपकी विचारधारा से बहुत शीघ्र प्रभावित हो जाएंगे। बड़े भाई-बहनों के जीवन में कुछ सकारात्मक परिवर्तन हो सकते हैं।

मिथुन — आज व्यवसाय में सहयोगियों से सहायता ले सकते हैं। आर्थिक समस्याओं का निराकरण होगा। निर्माण कार्यों में गति आएगी। अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे।

कर्क — आज भाग्य आपका साथ देगा। महिलाओं को अत्यधिक प्रशंसा मिलेगी। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। पिता और गुरुओं का मार्गदर्शन लेते रहें। अपनी योग्यता को सिद्ध करने का अवसर मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

सिंह — आज अनावश्यक बातों पर त्वरित प्रतिक्रिया न दें। लोग आप से अत्यंत प्रभावित रहेंगे। कार्यक्षेत्र को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। अपनी बातों को अच्छी तरह रख नहीं पाएंगे। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च हो सकता है।

कन्या — आज अल्प परिश्रम से ही आपको अधिक अच्छे परिणाम मिल जाएंगे। पैतृक कारोबार में विस्तार हो सकता है। घर में कोई मांगलिक कार्यक्रम हो सकता है। रूठे मित्रों को मनाने के लिए दिन अनुकूल है। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

तुला — आज आयात-निर्यात संबंधी कारोबार में वृद्धि होगी। अधिकारी आपसे अप्रसन्न हो सकते हैं। आप गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। परिजन आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी महिला सहकर्मी से झगड़ा हो सकता है।

वृश्चिक — आज व्यापार में नए समझौतों को लेकर सावधानी रखें। प्रेमीजन से अपने दिल की बात शेयर कर सकते हैं। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम मिलने से मन उत्साहित रहेगा। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होगा। अपनी गलतियों में सुधार करेंगे।

धनु — आज गूढ़ अध्यात्मिक चर्चाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। छोटे उद्योगों में घाटा हो सकता है। दांपत्य संबंध काफी रोमांटिक हो सकते हैं। अनजाने लोगों से ऑनलाइन लेनदेन सावधानी पूर्वक करें। दूसरों के मामलों में टांग न अड़ाएं।

मकर — आज बुजुर्ग लोग पुराने अनुभवों का स्मरण कर प्रसन्न रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित कर सकते हैं। व्यवसाय में अच्छे ग्राहकों के कारण आपके कारोबार में स्थिरता रहेगी।

कुंभ — आज कारोबार को स्थिर रखने के लिए उधार लेना पड़ सकता है। आपकी सामाजिक छवि काफी अच्छी रहेगी। तनाव युक्त परिस्थितियों से बचें। उटपटांग कार्यों में आपका मन उलझेगा। बेरोजगार लोगों को जॉब की चिंता हो सकती है।

मीन — आज का दिन कला-जगत से जुड़े लोगों के लिए विशेष है। कार्य थोड़े विलंब से पूर्ण होंगे। लव लाइफ काफी रोमांटिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। वित्तीय स्थिति मजबूत रहेगी। परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

सुडोकू-68

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		9	3	2				7
				9			4	
	8		5			9		
7		5			9	1		
								5
		2	7			4		9
		7		5	6		9	
5	6			7				
				4	8	7		

सुडोकू - 67 का हल

3	4	6	2	8	9	5	1	7
5	2	7	1	3	6	8	4	9
9	8	1	4	5	7	3	6	2
7	9	8	3	2	1	4	5	6
6	5	2	7	4	8	9	3	1
4	1	3	6	9	5	7	2	8
1	3	4	9	7	2	6	8	5
2	7	5	8	6	4	1	9	3
8	6	9	5	1	3	2	7	4

जब टीम के तौर पर चीजें हमारी योजना के मुताबिक नहीं होतीं, तो देश में होने वाली प्रतिक्रियाओं का हम सम्मान करते हैं। हमें पता है कि ऐसा होगा और हम इसे स्वीकार करते हैं। आगे बेहतर करने के तरीकों पर हम जरूर विचार करेंगे।
-मिचेल मार्श, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान

स्टेडियम

बरेली, शनिवार, 21 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

अभ्यास सत्र के दौरान अभिषेक शर्मा (बीच में), वरुण चक्रवर्ती (दाएं) और अन्य। एजेंसी

मार्करम या लिंडे करेंगे अभिषेक के खिलाफ गेंदबाजी की शुरुआत

अहमदाबाद, एजेंसी

टी20 विश्व कप में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा लगातार तीन बार शून्य के स्कोर पर आउट हुए, लेकिन भारत का अभियान बिना रुके पटरी पर चल रहा है लेकिन इस खिलाड़ी का बल्ले का नहीं चलना चर्चा का विषय बना हुआ है।

इसका कारण या तो पेट के संक्रमण से उनका कमजोर होना है या फिर धीमे विकेट पर स्पिनरों के खिलाफ तकनीकी कमजोरी का उभरना है। लेकिन जिन्होंने इस प्रारूप और इस खिलाड़ी को करीब से देखा है उनका कहना है कि फॉर्म अस्थायी है, उसका आत्मविश्वास

एडेन मार्करम

जॉर्ज लिंडे

- सुपर-8 में भारत और दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला कल

स्थायी है। अभिषेक का स्ट्राइक रेट 192 से ज्यादा का है लेकिन अचानक उनकी फॉर्म खराब हो गई जिसका मुख्य कारण पेट के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने के एक हफ्ते से भी कम समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी हो सकती है। फिर धीमी पिचों ने भी उनकी मदद नहीं की है। अब तक टीम के एकजुट प्रयास ने पक्का किया है कि नतीजों पर कोई असर नहीं पड़े। लेकिन शनिवार से सुपर आठ चरण शुरु होने वाला है इसलिए यह जरूरी होगा कि उनका बल्ला चले।

भारत सुपर आठ चरण के पहले मैच में 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। और उनके पिछले आउट होने के तरीके को ध्यान से देखने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम पावरप्ले के अंदर दोनों छोर से कागिसो रबाडा या लुंगी एनगिडी को गेंदबाजी कराने के बजाय खुद ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी करने के बारे में सोच सकते हैं या फिर जॉर्ज लिंडे से गेंदबाजी करने को कह सकते हैं। अभिषेक का टी20 विश्व कप में अपना खाता नहीं खोल पाना चिंता की बात नहीं है। हो सकता है वह दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे या वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में लय हासिल कर लें।

अभिषेक को एक अच्छी पारी की जरूरत : मोर्केल

अहमदाबाद। भारत की पहले सुपर-आठ मुकाबले में रविवार को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ंत से पहले गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने स्पष्ट किया कि टी20 विश्व कप में अब तक अभिषेक शर्मा के खराब प्रदर्शन को लेकर टीम के अंदर कोई चर्चा नहीं हुई है। मोर्केल ने कहा कि अभिषेक को बस एक अच्छी शुरुआत की जरूरत है और उसके बाद वह लय पकड़ लेंगे। भारत का यह सलामी बल्लेबाज तीन मैचों में अब तक खाता खोलने में नाकाम रहा है।

सुपर-8 में आज

टीम	समय
पाकिस्तान-न्यूजीलैंड	शाम 7 बजे

हाईलाइट

भारतीय हॉकी टीम की नजरें वापसी करने पर

होबार्ट। भारतीय पुरुष हॉकी टीम घरेलू मैदान पर बुरी तरह हारने के बाद शनिवार को यहां स्पेन के खिलाफ मैच के साथ एफआईएच प्रो लीग के विदेशी चरण की शुरुआत में नए कप्तान हार्दिक सिंह के नेतृत्व में वापसी करने और एक नयी शुरुआत करने के लिए बेताब होगी। सीरीज का होबार्ट चरण 25 फरवरी तक तस्मानिया हॉकी सेंटर में होगा जिसमें मेजबान ऑस्ट्रेलिया भी शामिल है।

अल्काराज सेमीफाइनल में, सिनर हारकर बाहर

दोहा। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने रूस के करेन खाचानोव को हराकर कतर ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर को जैकब मेन्सिक के हाथों हार का सामना करना पड़ा। जैकब मेन्सिक ने गुरुवार को खेले गये क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी जैनिक सिनर को 7-6(7-3) 2-6 6-3 से हारकर कतर ओपन से बाहर कर दिया। चेक रिपब्लिक के छठे सीड वाले खिलाड़ी जैकब मेन्सिक ने पहला सेट जीता। हालांकि सिनर ने बराबरी कर ली। मेन्सिक ने अखिरी गेम जीत कर जीत दर्ज मुकाबला अपने नाम किया। इसी के साथ सिनर का 23 मैचों में 22 जीत का सिलसिला समाप्त हो गया।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों का लक्ष्य पाकिस्तानी स्पिनरों पर नियंत्रण

टी-20 विश्व कप : सुपर-8 के मुकाबले आज से, शाम 7 बजे से होगी शुरुआत

कोलंबो, एजेंसी

न्यूजीलैंड की टीम शनिवार को यहां टी-20 विश्व कप के सुपर-8 चरण ग्रुप दो के शुरुआती मैच में पाकिस्तान का सामना करेगी तो जीत के लिए सबसे अहम कारक होगा कि उसका मजबूत मध्यक्रम प्रतिद्वंद्वी टीम की स्पिन विविधता का माकूल जवाब दे सके।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज आईसीसी के इस बड़े टूर्नामेंट में अभी तक शीर्ष स्तर का खेल नहीं दिखा सके हैं जिसमें बस सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट और फिन एलेन ही हैं जिन्होंने मिलकर तीन अर्धशतक लगाए हैं। लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज इन दोनों का ठीक से साथ नहीं दे पाए हैं। ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन और डेरिल मिचेल जैसे बल्लेबाज निरंतर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। फिलिप्स और रविंद्र ने हालांकि एक-एक अर्धशतक लगाया है, लेकिन कुल मिलाकर उनका प्रदर्शन फीका ही रहा है। चार मैचों में रविंद्र ने 72 रन बनाए हैं, लेकिन इनमें से 59 रन कनाडा के खिलाफ एक ही मैच में आए। न्यूजीलैंड इस टूर्नामेंट में पहली बार कोलंबो में खेलेगा जिससे यह और मुश्किल हो सकता है। इसके विपरीत पाकिस्तान ने विश्व कप की शुरुआत से ही यहां की है और वह पहले प्रेमदासा में दो मैच खेल चुका है। पाकिस्तान के गेंदबाज, खासकर स्पिनर इस धीमी पिच पर असरदार होने के लिए लेंथ और रफ्तार जानते हैं जहां शॉट लगाने के लिए हिम्मत से ज्यादा समझदारी की जरूरत होती है। इसलिए एलेन और सिफर्ट की पावरप्ले की धमाकेदार बल्लेबाजी में न्यूजीलैंड के मध्यक्रम का साथ चाहिए ताकि वे अपनी टीम को लगभग 180 या इससे ज्यादा के स्कोर तक पहुंचा सकें।पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक, अबरार अहमद, सैम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान उसे बढ़त दिलाते हैं, लेकिन बल्लेबाजी में उनकी भी अपनी चिंता हैं। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले साहिबजादा फरहान (220) के बाद शादाब खान (88) दूसरे नंबर पर हैं।

पाकिस्तान के बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड जैसी अनुभवी टीम के खिलाफ मिलकर बड़ा योगदान देना होगा। लेकिन पाकिस्तान प्रबंधन को बाबर आजम (चार मैचों में 66 रन) से ज्यादा चिंता किसी और बात की नहीं है क्योंकि यह पूर्व कप्तान टी20 बल्लेबाजों की जरूरतों को समझने में जूझ रहा है।

अगर बाबर एक बार और लड़खड़ाते हैं तो पाकिस्तान प्रबंधन फखर जमां जैसे किसी और खिलाड़ी को ला सकता है जो ग्रुप चरण के मैच में बेंच पर ही बैठे रहे। टीम बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को शामिल करने पर भी सोचेंगे जिन्हें नामीबिया के खिलाफ जरूरी मैच के लिए बाहर कर दिया गया था। अफरीदी ने दो मैच में तीन विकेट लिए हैं जो धीमी पिच पर 'वैरिएशन' इस्तेमाल करने में उनकी नाकामी का सबूत है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, जैकब डफी और जेम्स नीशम अब तक लगभग महंगे रहे हैं और उन्हें यहां अपनी रणनीति पर फिर से सोचना होगा। वहीं स्पिनर मिचेल सैंटनर, ईश सोढ़ी और कामचलाऊ रविंद्र और फिलिप्स पर से दबाव कम करना जरूरी है।

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर व कोच रॉब वाल्टर। पाकिस्तान के गेंदबाज उस्मान तारिक।

टीम

पाकिस्तान : सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आज़म, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलेन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सिफर्ट, ईश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

टीम के साथ जश्न मनाते ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा।

ओमान पर बड़ी जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने ली विदाई

पल्लेकल, एजेंसी

- ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा ने चार विकेट चटकाए

टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का अपमान झेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टी20 विश्व कप के अपने आखिरी लीग मैच में शुक्रवार को ओमान को नौ विकेट से हराकर विदा ली। जिम्बाब्वे और श्रीलंका से अप्रत्याशित हार के बाद ऑस्ट्रेलिया ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया है।

प्रतिष्ठा के लिए खेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने औपचारिकता के इस मैच में ओमान को 16 .2 ओवर में ही 104 रन पर आउट कर दिया था। लेग स्पिनर एडम जम्पा ने चार विकेट चटकाए।

जवाब में कप्तान मिचेल मार्श के 33 गेंद में नाबाद 64 रन और ट्रेविस हेड के 19 गेंद में 32 रन की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने 9 . 4 ओवर में जीत दर्ज की। यह सौ रन से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे तेजी से दर्ज की गई जीत है।

मार्श ने अपनी पारी में सात चौके और चार छक्के लगाए। वहीं हेड ने छह चौके लगाए। दोनों ने 93 रन की साझेदारी की। इससे पहले जम्पा के चार विकेट की मदद से आस्ट्रेलिया ने ओमान को 104 रन पर आउट कर दिया। जम्पा ने 21 रन देकर चार विकेट लिये जबकि जेवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल को दो दो विकेट मिले। ओमान की टीम 16.2 ओवर में आउट हो गई। वसीम अली ने ओमान के लिये 33 गेंद में 32 रन बनाए। आस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया।

भारत ए की टीम वुमैन्स राइजिंग स्टार्स एशिया कप के फाइनल में

बैंकॉक, एजेंसी

- कप्तान राधा यादव ने किया हरफनमौला प्रदर्शन

कप्तान राधा यादव ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए भारत ए की टीम को शुक्रवार को यहां श्रीलंका ए पर पांच विकेट से जीत दिलाकर वुमैन्स राइजिंग स्टार्स टी20 एशिया कप के फाइनल में पहुंचा दिया।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन यह उस पर भारी पड़ गया। राधा की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने उसके बल्लेबाजी लाइन-अप को तहस-नहस कर उन्हें 118 रन पर आउट कर दिया। बाएं हाथ की स्पिनर राधा ने 19 रन देकर चार विकेट लिए। राधा को एक और बाएं हाथ की स्पिनर तनुजा कंवर (दो विकेट) और लेग स्पिनर प्रेमा रावत (दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। श्रीलंका के लिए सलामी बल्लेबाज संजना कविंदी (31 रन) शीर्ष स्कोरर रहीं। 10वें ओवर में श्रीलंका का स्कोर दो विकेट पर 71 रन था। लेकिन इसके बाद वे भारतीय स्पिनरों का सामना नहीं कर सकीं और बचे हुए आठ विकेट नौ ओवर में 47 रन के अंदर गंवा दिए। श्रीलंका के लिए सबसे बड़ी भागीदारी कविंदी और साथी हंसिमा करुणारत्ने (14) के बीच 36 रन की साझेदारी रही।

राधा यादव।

ऑस्ट्रेलिया से सीरीज जीतना चाहेगी महिला टीम

एडिलेड, एजेंसी

भारतीय महिला टीम को अगर ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पहली बार ऐतिहासिक श्रृंखला जीतनी है तो उसकी बल्लेबाजों को यहां शनिवार को तीसरे और आखिरी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मेजबान टीम की अनुभवी गेंदबाजी इकाई के खिलाफ एकजुट होकर आक्रामक प्रदर्शन करना होगा। भारतीय महिला टीम अभी तक ऑस्ट्रेलिया में तीनों प्रारूपों में कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं जीत पाई है। इसे बदलने के लिए भारत को यहां बेहतर बल्लेबाजी की जरूरत है, जिसकी शुरुआत सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा से होगी। स्मृति और शेफाली दोनों ने शुरुआत तो की है लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल पाईं जिससे दूसरे मैच में भारत 164 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा नहीं कर सका। किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और सोफी मोलिनू की अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई तिकड़ी ने इस मौके का फायदा उठाया। इन्होंने भारत की पांच बल्लेबाजों को सिर्फ सात रन के अंदर आउट कर दिया। लेकिन एडिलेड की पिच कैनबरा की पिच के मुकाबले अलग है और भारतीय बल्लेबाजों को यहां अपने पिक-अप शॉट्स पर भरोसा करना चाहिए। एक बेहतरीन आउटफील्ड भी बल्लेबाजी के लिए बेहतर है। कप्तान हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष को बल्ले पर आती गेंद पसंद है और उन्हें यहां कुछ मदद मिलने की उम्मीद है। हालांकि मैदान की सतह चिकनी होने से जिम्मेदारी भारतीय तेज गेंदबाजों रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़ और अमनजोत कौर पर होगी कि वे अपनी लाइन एवं लेंथ में स्थिर रहें।

मलाल अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने सुपर-8 में न पहुंचने के बताए कारण, दोहरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका से मिली थी हार

बड़ी टीमों से द्विपक्षीय शृंखला खेलने से ही आता है अनुभव

चेन्नई, एजेंसी

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने बृहस्पतिवार को यहां अपने आखिरी ग्रुप मैच में कनाडा को हराकर टी-20 विश्व कप से शानदार तरीके से विदा लेने के बाद कहा कि क्रिकेट खेलने वाले मजबूत देशों के साथ और द्विपक्षीय शृंखलाएं होनी चाहिए क्योंकि इनसे अनुभव मिलता है। अफगानिस्तान ने टूर्नामेंट रोमांचक क्रिकेट खेला और एक मुकाबले में स्कोर बराबर होने के बाद दूसरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका से हार गया। हालांकि स्पिन गेंदबाजी के इस दिग्गज ने कहा कि अगर अफगानिस्तान को नियमित रूप से क्रिकेट खेलने वाले मजबूत देशों के खिलाफ मौके मिलते हैं तो वह काफी आगे बढ़ सकता है।

राशिद ने बृहस्पतिवार रात को कनाडा को 82 रन से हराने के बाद कहा कुछ विभाग में सुधार की जरूरत है। बड़ी टीमों के खिलाफ मध्यक्रम बल्लेबाजी बिखर गई और डेथ ओवर में गेंदबाजी में भी सुधार चाहिए। पर यह सुधार तब होता है जब आप द्विपक्षीय सीरीज में बड़ी टीमों के साथ खेलते हैं। उन्होंने मैच में 19 रन देकर दो विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। इस दिग्गज खिलाड़ी ने कहा कि टीम टूर्नामेंट के लिए अच्छी तैयारी के साथ आई थी और उसने जबरदस्त क्रिकेट खेला। लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका से मिली करीबी हार महंगी पड़ी।

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान।

राशिद ने कहा हम (टूर्नामेंट के लिए) अच्छी तरह तैयार थे। हमने जबरदस्त क्रिकेट खेला। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच ने सच में सभी को दुखी किया। हमें उन (पहले दो) मैचों में से एक में जीत दर्ज करनी थी और देखना था कि टूर्नामेंट कैसा होता है। हम इस विश्व कप से सकारात्मक चीजें लेकर आगे बढ़ेंगे। मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट का कार्यकाल खत्म हो गया और राशिद ने इसे टीम के लिए भावुक पल बताया। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि हमने उसके साथ कुछ बहुत अच्छे पल बिताए। हम अभी जहां हैं, वहां उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई है।

अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट ने टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद भावुक विदाई ली

चेन्नई। अफगानिस्तान की टीम के साथ बनाई गई यादों से संतुष्ट लेकिन भावनाओं से अभिभूत कोच जोनाथन ट्रॉट ने चार साल के कार्यकाल के बाद अपनी भूमिका को अलविदा कहा। इस पद की पेशकश पहले इंग्लैंड के उनके साथी ग्राहम थोर्प को की गई थी लेकिन उस समय वह इसे स्वीकार नहीं कर सके और सौभाग्य से 44 वर्षीय ट्रॉट इस पद पर काबिज हुए। अफगानिस्तान ने सुपर आठ चरण की दौड़ से बाहर होने के बाद अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा को 82 रन से हराकर अपना अभियान समाप्त किया। इंग्लैंड के ट्रॉट ने अपनी भावनाओं को नियंत्रित करते हुए उस टीम के साथ अपने कार्यकाल को याद किया जो अब सफेद गेंद के प्रारूप में एक कड़ी प्रतिद्वंद्वी बन चुकी है। ट्रॉट के नेतृत्व में अफगानिस्तान की टीम 2023 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के काफी करीब पहुंची और 2024 टी20 विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बनाई। उन्होंने मैच के बाद बातचीत में कहा, शायद समय सही है, शायद नहीं। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं भविष्य में सभी को शुभकामनाएं देता हूं। मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी हूं। ग्राहम थॉर्प को कोच बनना था और दुर्भाग्य से वह यह भूमिका स्वीकार नहीं कर सके। ट्रॉट ने कहा फिर मुझे यह पद पेश किया गया और मैंने इसे पूरे जोश के साथ स्वीकार किया। तो मैं यहां वास्तव में सौभाग्य से आया। मैंने पूरी कोशिश की। मैं उम्मीद करता हूं कि खिलाड़ी देख सकें कि मुझे इस खेल से कितना प्यार है।

पाकिस्तान सरकार ने हॉकी कप्तान बट पर लगा दो साल का प्रतिबंध हटाया

लाहौर, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया टूर विवाद

पाकिस्तान सरकार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय हॉकी टीम के कप्तान अम्माद शकील बट पर राष्ट्रीय महासंघ (पीएचएफ) द्वारा लगाया गया दो साल का प्रतिबंध हटा दिया और इस कदम को 'अवैध और असंवैधानिक' करार दिया।

पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने से ठीक पहले बृहस्पतिवार को तारिक बुगती ने हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान कुप्रबंधन के खिलाफ कप्तान के पीएचएफ की आलोचना करने के लिए बट पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन पीएचएफ के सरंक्षक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा नियुक्त अंतरिम अध्यक्ष मुहुयदीन अहमद वानी ने इस फैसले को पलट दिया और कहा कि यह बुगती का 'अवैध और असंवैधानिक कदम' था।

राष्ट्रीय टीम के ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद हुए विवाद के मद्देनजर बुगती ने बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया था। ऑस्ट्रेलिया में टीम को लॉजिस्टिक की दिक्कतों का सामना करना पड़ा था और उन्हें एयरबीएनबी के घरों में रहना पड़ा था जबकि सरकार द्वारा संचालित पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) ने कैनबरा में एफआईएच प्रो लीग मैचों के दौरान टीम के पांच सितारा होटल में रहने के लिए पीएचएफ को एक करोड़ रुपये दिए थे। खेल से जुड़े सभी मामलों को देखने वाली अंतर-प्रांतीय समन्वयक मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी ने पुष्टिक की कि प्रधानमंत्री शरीफ ने तुरंत बुगती का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और वानी को पीएचएफ का तदर्थ अध्यक्ष और ब्रिगेडियर मुसरतुल्लाह को महानिदेशक नियुक्त किया।

उन्होंने कहा दोनों तदर्थ आधार पर हॉकी के मामलों को देखेंगे और नुकसान को ठीक करने की कोशिश करेंगे। बुधवार सुबह टीम के घर लौटने के तुरंत बाद बट और कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियों ने हवाई अड्डे पर इंतजार कर रही मीडिया से कहा कि वे पीएचएफ के मौजूदा प्रबंधन और टीम प्रबंधन के साथ आगे काम नहीं कर सकते। बट ने बताया कि खिलाड़ियों को किस तरह झूठ बोला गया और मीडिया से बात न करने की धमकी दी गई।